



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 25]  
No. 25]

नई दिल्ली, शनिवार, जून 19, 1993/ज्येष्ठ 29, 1915  
NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 19, 1993/JYAISTHA 29, 1915

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

## भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक-आदेश और अधिसूचनाएं  
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India  
(other than the Ministry of Defence)

विधि और न्याय मंत्रालय

( विधि कार्य विभाग )

सूचना

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1993

का. आ. 1317.—नोटरीज नियम, 1956 के  
नियम, 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना  
दी जाती है कि श्री रणजीत कुमार घोष एडवोकेट  
ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन  
एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे बैरकपुर  
जिला उत्तरी चौबीस परगना (पश्चिम बंगाल) व्यवसाय  
करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार  
का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर  
लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (25)/93—न्यायिक]

पी. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS  
(Department of Legal Affairs)

Judicial Section

NOTICE

New Delhi, the 19th February, 1993

S.O. 1317.—Notice is hereby given by the Competent  
Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956

1268 GI/93—1

that application has been made to the said Authority, under  
Rule 4 of the said Rules, by Shri Ranjit Kumar Ghosh  
Advocate for appointment as a Notary to practise in Barrack-  
pore, Distt. North 24 Parganas (West Bengal).

2. Any objection to the appointment of the said person  
as a Notary may be submitted in writing to the undersigned  
within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(25)/93-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1993

का. आ. 1318.—नोटरीज नियम, 1956 के  
नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना  
दी जाती है कि श्री वी. बी. पटवर्धन एडवोकेट ने उक्त  
प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक  
आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे तारदेओ  
क्षेत्र, बम्बई (महाराष्ट्र) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी  
के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना  
के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से  
मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (26)/93—न्यायिक]

पी. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

(1831)

## NOTICE

New Delhi, the 19th February, 1993

S.O. 1318.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri V. B. Patwardhan Advocate for appointment as a Notary to practise in Tardeo Area, Bombay (Maharashtra).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(26)/93-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 10 मई, 1993

का. आ. 1319.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री दया राम वर्मा एडवोकेट के उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे मुसाफिर खाना, जिला सुल्तानपुर (उ. प्र.) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(33)/93—न्यायिक]

पी. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

## NOTICE

New Delhi, the 10th May, 1993

S.O. 1319.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Daya Ram Varma Advocate for appointment as a Notary to practise in Musafir Khana, Distt. Sultanpur (U.P.).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(33)/93-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 10 मई, 1993

का. आ. 1320.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री अशोक कुमार सिंह एडवोकेट के उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे अलीगढ़ कलकटरेट (उ. प्र.) व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (37)/93—न्यायिक]

पी. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

## NOTICE

New Delhi, the 10th May, 1993

S.O. 1320.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Ashok Kumar Singh Advocate for appointment as a Notary to practise in Collectorate Aligarh (U.P.).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(37)/93-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 11 मई, 1993

का. आ. 1321.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री दिलीप शशिकान्त बनारसे एडवोकेट के उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे जिला नासिक (महाराष्ट्र राज्य) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए

[सं. 5 (31)/93—न्यायिक]

पी. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

## NOTICE

New Delhi, the 11th May, 1993

S.O. 1321.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Dilip Shashikant Vanarse Advocate for appointment as a Notary to practise in Distt. Nasik (Maharashtra).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(31)/93-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 11 मई, 1993

का. आ. 1322.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री राम सिंह एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे जिला पीलीभीत (उत्तर प्रदेश राज्य में) व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (32)/93—न्यायिक]

पी. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

## NOTICE

New Delhi, the 11th May, 1993

S.O. 1322.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Ram Singh Advocate for appointment as a Notary to practise in Distt. Pilibhit, (U.P.).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(32)/93-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 11 मई, 1993

का. आ. 1323.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री द्विजेन्द्र नाथ चक्रवर्ती एडवोकेट के उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे बरसात उत्तरी चौबीस परगना (पं. बंगाल) राज्य में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (34)/93—न्यायिक]

पी. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

## NOTICE

New Delhi, the 11th May, 1993

S.O. 1323.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Dwijendranath Chakraborty Advocate for appointment as a Notary to practise in Barasat in North 24 Paraganas (West Bengal).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(34)/93-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 11 मई, 1993

का. आ. 1324.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री सुबोध मदन लाल साह एडवोकेट के उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे जिला नासिक (महाराष्ट्र) राज्य में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (30)/93—न्यायिक]

पी. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

## NOTICE

New Delhi, the 11th May, 1993

S.O. 1324.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Subodh Madan Lal Shah Advocate for appointment as a Notary to practise in Nasik Distt. (Maharashtra).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(30)/93-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 12 मई, 1993

का. आ. 1325.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री देव दत्त शर्मा, एडवोकेट के उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे तहसील फरीदपुर, जिला बरेली (उत्तर प्रदेश) राज्य में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (42)/93—न्यायिक]

पी. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

## NOTICE

New Delhi, the 12th May, 1993

S.O. 1325.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Dev Dutt Sharma Advocate for appointment as a Notary to practise in Tehsil Faridpur, Distt. Bareilly (U.P.).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(42)/93-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 12 मई, 1993

का. आ. 1326.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री शम्भू दयाल मोदी एडवोकेट के उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे नीम का थाना, सीकर जिला (राजस्थान) राज्य में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (38)/93—न्यायिक]

पी. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

## NOTICE

New Dehli, the 12th May, 1993

S.O. 1326.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Shambhu Dayal Modi Advocate for appointment as a Notary to practise in Neem-Ka-Thana, Distt. Sikar (Rajasthan).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(38)/93-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 12 मई, 1993

का. आ. 1327 :—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री यशोधर शर्मा एडवोकेट के उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे सिविल कोर्ट, अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश) राज्य में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (39) 93-न्यायिक]

पी. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

## NOTICE

New Dehli, the 12th May, 1993

S.O. 1327.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Yashodhar Sharma Advocate for appointment as a Notary to practise in Civil Court Aligarh (U.P.).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(39)/93-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 13 मई, 1993

का. आ. 1328.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री अणोक यशवन्त राव काले (एडवोकेट) के उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे नासिक (महाराष्ट्र) राज्य में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (40)/93-न्यायिक]

पी. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

## NOTICE

New Delhi, the 13th May, 1993

S.O. 1328.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Ashok Yashwantrao Kal Advocate for appointment as a Notary to practise in Nasik (Maharashtra).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(40)/93-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 14 मई, 1993

का. आ. 1329 :—केन्द्रीय सरकार, दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1973 का 2) की धारा 24 की उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री एम. सी. अग्रशील अधिवक्ता को श्री संतोष पाल त्यागी, अधिवक्ता के स्थान पर, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना नियमित मामला सं. 1/85 सी. बी. आई./सी. आई. यू. (पी) राज्य बनाम कानसिंह भाटी तथा अन्य के जो राजा मानसिंह और दो अन्य व्यक्तियों की डींग में मे 21 फरवरी, 1985 की हत्या से सम्बन्धित है, सेशन न्यायालय/अतिरिक्त सेशन न्यायालय मथुरा (उ. प्र.) में अभियोजन के संचालन के लिए, एवं इलाहाबाद उच्च न्यायालय में अपील हेतु अभियोजक नियुक्त करती है।

[संख्या 225/8/93-ए.बी.डी. (II)]

सी. पी. सिंह, उप सचिव

## MINISTRY OF PERSONNEL

## PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS

(Department of Personnel and Training)

New Delhi, the 14th May, 1993

S.O. 1329.—In exercise of powers conferred by sub section (8) of Section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby appoints Shri S. C. Anglish, Advocate in lieu of Shri S. P. Tyagi, Advocate, as Special Public Prosecutor for conducting prosecution of the Delhi Special Police Establishment Regular Case No. 1/1985 CIU(P) State vs. Kan Singh Bhatj and others, relating to the murder of Raja Man Singh Bhatj and others, relating (U.P.) on the 21st day of February, 1985, in the Court of Session Judge, Additional Session Judge, Mathura (Uttar Pradesh) and the appellate Courts at Allahabad.

[No. 225/8/93-AVD. II]

C. P. SINGH, Dy. Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 26 मई, 1993

का. आ. 1330 :—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन अधिनियम, 1946 (1946 का 25) की धारा 6 के साथ पठित, धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए पुलिस स्टेशन बराही, जिला बनासकांठा, गुजरात के अन्तर्गत रजिस्टर

किए गए मामला संख्या 88/92 दिनांक 13-9-1992 के बाबत भारतीय दंड संहिता (1860 का 45) की धारा 120 बी, सहपठित धारा 25 शस्त्र अधिनियम और धारा 3, 4 और 5 आतंकवादी और विध्वंसकारी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1987 के अधीन दण्डनीय अपराधों और उक्त अपराधों और उन्हीं तथ्यों से उत्पन्न होने वाले वैसे ही संयवहार के अनुक्रम में किए गए किन्हीं अन्य अपराधों, के संबंध में या उनसे संसक्त प्रयत्नों, दुष्प्रेरणों और षड्यंत्रों के अन्वेषण के लिए, गुजरात शासन के गृह विभाग के ज्ञापन नं. जी. जी./93/49/एस. बी. 11/टी. डी. ए./1693/1918 दिनांक 19-4-93 के तहत गुजरात सरकार की सहमति से दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तारण संपूर्ण गुजरात राज्य पर करती है।

[संख्या 228/38/93—ए. बी. डी.—II]

ए. सी. शर्मा, अवसर सचिव

## ORDER

New Delhi, the 26th May, 1993

S.O. 1330.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5, read with Section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act No. 25 of 1946), the Central Government, with the consent of the Government of Gujarat, vide Government of Gujarat, Home Department Notification No. GG/93/49/SBII/TDA/1693/1918 dated 19-4-1993, hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Gujarat, for investigation of the offences punishable under sections 120-B IPC read with section 25 Arms Act, Section 3, 4 and 5 of Terrorist and Disruptive Activities (Prevention) Act, 1987 and any other offence(s), attempts, abetments and conspiracy in relation to or in connection with the said offence(s) committed in the course of the same transaction or arising out of the same facts in regard to the case II CR No. 88/92 registered at PS Varahi, Distt. anaskantha (Gujarat) on 13-9-1992.

[No. 228/38/93-AVD. II]

A. C. SHARMA, Under Secy.

## आदेश

नई दिल्ली, 26 मई, 1993

का. आ. 1331 :—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 (1946 का 25) की धारा 6 के साथ पठित, धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पुलिस स्टेशन सामी, जिला महसना, गुजरात के अन्तर्गत रजिस्टर किए गए मामला संख्या 144/92 दिनांक 29-10-92 के बाबत भारतीय दण्ड संहिता (1860 का 45) की धारा 120बी, सहपठित धारा 25 शस्त्र अधिनियम, धारा 3 और 12 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और धारा 3, 4 और 5 आतंकवादी और विध्वंसकारी क्रिया-कलाप (निवारण) अधिनियम, 1987 के अधीन दण्डनीय अपराधों और उक्त अपराधों और उन्हीं तथ्यों से उत्पन्न होने वाले वैसे ही संयवहार के अनुक्रम में किए गए किन्हीं अन्य अपराधों, के संबंध में या उनसे संसक्त प्रयत्नों, दुष्प्रेरणों और षड्यंत्रों के अन्वेषण के लिए, गुजरात शासन के गृह विभाग

के ज्ञापन नं. जी. जी. 93/48/एस. बी. 11/टी. डी. ए. 1693/1918, दिनांक 19-4-93 के तहत गुजरात सरकार की सहमति से दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तारण संपूर्ण गुजरात राज्य पर करती है।

[संख्या 228/38/93—ए. बी. डी. —II]

ए. सी. शर्मा, अवसर सचिव

## ORDER

New Delhi, the 26th May, 1993

S.O. 1331.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5, read with Section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act No. 25 of 1946), the Central Government, with the consent of the Government of Gujarat, vide Government of Gujarat, Home Department Notification No. CG/93/48/SBII/TDA/1693/1918 dated 19-4-1993, hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Gujarat for investigation of the offences punishable under the sections 120-B IPC read with section 25 Arms Act, Section 3 and 12 of Explosive Substances Act and Sections 3, 4 and 5 of Terrorist and Disruptive Activities (Prevention) Act, 1987 and any other offence(s), attempts, abetments and conspiracy in relation to or in connection with the said offence(s) committed in the course of the same transaction or arising out of the same facts in regard to the case II CR. No. 144/92 registered as PS Sami, Distt. Mehsana, (Gujarat) on 29th October, 1992.

[No. 228/38/93-AVD. II]

A. C. SHARMA, Under Secy.

## आदेश

नई दिल्ली, 3 जून, 1993

का. आ. 1332 :—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 (1946 का अधिनियम सं. 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आन्ध्र प्रदेश राज्य सरकार की सहमति से, जो गृह (एस सी-ए) विभाग जी. ओ. आर. टी. संख्या 534, तारीख 29 फरवरी, 1992 द्वारा प्रदान की गई थी, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तार, नीचे उपदक्षित सुसंगत अधिनियम के उपबंधों के अधीन दण्डनीय ऐसे अपराधों के अन्वेषण के लिए, जो निम्न-लिखित केन्द्रीय सरकार उपक्रम के कर्मचारियों और प्राइवेट व्यक्तियों द्वारा किए गए अभिकथित हैं और केन्द्रीय जांच ब्यूरो, हैदराबाद द्वारा रजिस्ट्रीकृत किए गए हैं, संपूर्ण आन्ध्र प्रदेश राज्य पर करती है :—

पी. ई. सं. और विधि की अभियुक्त का नाम धाराएं

1	2
भारतीय दंड संहिता की धारा 120 ख, 420, 467, 471, 477—क और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1947 की धारा 5(1)(घ) के साथ पठित	1. श्री के. श्रीनिवासन, मुख्य प्रबंधक, इंडियन बैंक, हैदराबाद (केन्द्रीय सरकार उपक्रम कर्मचारी) 2. श्री एन. बी. बत्ते, औद्योगिक विकास अधिकारी,

1	2
धारा 5 (2) और अष्टा- चार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 13(1) (घ) के साथ पठित धारा 13(2) के अधीन पी. ई. सं. 4(ए) 90— हैदराबाद।	इंडियन बैंक, हिमायत नगर, हैदराबाद (केन्द्रीय सरकार उपक्रम कर्मचारी ) 3. श्री एम. वी. रामाराव निदेशक, मैसर्स जी. एम. पी. एल. और श्री वेंकटेश्वर मोल्डिंग इंडस्ट्रीज का भागीदार (प्राइवेट व्यक्ति) 4. श्रीमती एस. एम. इंदिरा, निदेशक, मैसर्स गोल्ड- स्टोन सिंथेटिक ( प्रा. ) लिमिटेड ( जी. एस. पी. एल. ) हैदराबाद और अन्य ( प्रा. व्यक्ति )

[संख्या 228/45/92(ii)-ए. वी. डी.-II]

पराग प्रकाश, विशेष कार्य अधिकारी ( सतर्कता )

## ORDER

New Delhi, the 3rd June, 1993

S.O. 1332 :—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establish Act, 1946 (Act No. 25 of 1946) the Central Government, with the consent of the State Government of Andhra Pradesh accorded vide Home (SC-A) Deptt. G.O. Rt. No. 534, dated 29-2-1992 hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Andhra Pradesh for investigation of the offences punishable under the provisions of relevant Act indicated below alleged to have been committed by the following Central Government Undertaking employees and private persons and registered by the Central Bureau of Investigation, Hyderabad :—

PE No. & Secs. of Law	Name of the accused
1	2
PE No. 4(A)/90—Hyderabad under section 120B, 420, 467, 471, 477-A, Indian Penal Code and 5(2)r/w, 5(i)(d) of P.C. Act, 1947, and 13(2) r/w 13(i)(d) of the P.C. Act, 1988.	1. Sri K. Srinivasan, Chief Manager, Indian Bank, Hyderabad (Central Govt. Undertaking employee). 2. Sri N.V. Watve, Industrial Development Officer, Indian Bank, Himayatnagar,

1	2
	Hyderabad (Central Govt. Undertaking employee).
3. Sri M.V. Rama Rao, Director M/s. GSPL and Partner of Sri Venkateswara, Moulding Industries (Private Person).	
4. Smt. M.S. Indira, Director M/s. Goldstone Synthetic (P) Ltd., (GSPL), Hyderabad and others (Private persons).	

[No. 228/45/92(ii)-AVD. II]

PARAG PRAKASH, OSD(Vig.)

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

आवेश

मई विल्ली, 24 मई, 1993

स्टाम्प

का. आ. 1333.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा मै. आई. वी. पी. कंपनी लिमिटेड, कलकत्ता को मात्र एक करोड़ पन्द्रह लाख, दस हजार आठ सौ रुपये का समेकित स्टाम्प शुल्क अदा करने की अनुमति देती है जो कि उक्त कंपनी द्वारा जारी किए जाने वाले पात्र मात्र बानबे करोड़, तेहतर लाख, सैंतालीस हजार और आठ सौ अस्सी रुपये के कुल मूल्य के प्रत्येक 120/ रुपये के अंकित मूल्य के 1 से 77,27,899 तक की विशिष्ट श्रृंखला वाले 14% से 120 रुपये के 77,27,899 पूर्णतया परिवर्तनीय ऋण पत्र जारी करने पर स्टाम्प शुल्क के लिए प्रामाण्य है।

[सं. 15/93 - स्टाम्प/का. सं. 33/19/93 - वि. क.]

ठाकुर दत्त, उप सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

## ORDER

New Delhi, the 24th May, 1993

## STAMPS

S.O. 1333.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits M/s. I.B.P. Company Limited, Calcutta to pay consolidated stamp duty of rupees one crore, fifteen lakhs, ninety one thousand, eight hundred and forty nine only, chargeable on account of the stamp duty on issue of 77,27,899—14% fully convertible debentures of Rs. 120 each bearing distinctive numbers 1 to 77,27,899 in the form of debentures of the

face value of rupees 120 each of the aggregate value of rupees ninety two crores, seventy three lakhs, forty seven thousand, eight hundred and eighty only to be issued by the said Company.

[No. 15/93-Stamps-F. No. 33/19/93-ST]

THAKUR DATT, Dy. Secy.

घादेश

नई दिल्ली, 25 मई, 1993

(स्टाम्प)

का. भा. 1334.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त शुल्क को माफ करती है, जो राष्ट्रीय आवास बैंक द्वारा जारी किए जाने वाले मात्र भट्टासी करोड़ रुपये के मूल्य के प्रॉमिसरी नोटों के स्वरूप में बन्धपत्रों—“12%—20 वर्षीय राष्ट्रीय आवास बैंक बन्धपत्र (चौथी श्रृंखला)” के रूप में धनिता उक्त अधिनियम के अन्तर्गत प्रभावी हैं।

[सं. 17/93 - स्टाम्प - फा. सं. 33/13/92 - बि. क.]

आत्मा राम, प्रवर सचिव

#### ORDER

New Delhi, the 25th May, 1993

#### STAMPS

S.O. 1334.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the nature of promissory notes—described as “12%—20 years National Housing Banks Bonds (fourth Series)” of the value of rupees eighty eight crores only to be issued by National Housing Bank are chargeable under the said Act.

[No. 17/93-Stamps-F. No. 33/13/92-ST]

ATMA RAM, Under Secy.

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 27 मई, 1993

का. भा. 1335.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 19 की उपधारा (2) के उपबंध यूनाइटेड बैंक आफ इंडिया कम्पकता पर 31 दिसम्बर, 1994 तक उस सीमा तक लागू नहीं होंगे जहाँ तक उनका संबंध निरक्षीकार के रूप में सीसई बंगाल ट्रस्ट एंड इंजीनियरिंग का. प्रा. लि. कम्पकता की प्रवृत्त शेषर पूंजी की उमकी धारिता से है।

[सं. 15/2/91 - बी ओ ए (i)]

के. के. मंगल, प्रवर सचिव

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 27th May, 1993

S.O. 1335.—In exercise of the powers conferred by Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) the Central Government on the recommendation of the

Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-section (2) of Section 19 of the said Act shall not apply to United Bank of India, Calcutta for a period upto 31st December, 1994 in respect of its holding shares of M/s. Bengal Tools and Engineering Co. Pvt. Ltd., Calcutta as pledgee.

[No. 15/2/91-BOA (i)]

K. K. MANGAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 27 मई, 1993

का. भा. 1336.—भारतीय स्टेट बैंक (अनुपंगा बैंक) अधिनियम, 1959 (1939 का 38) की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (अ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, बैंकिंग प्रभाग, नई दिल्ली में प्रवर सचिव श्री एम. एल. कुकरेजा को श्री एस. पी. भाटिया के स्थान पर स्टेट बैंक आफ इन्दौर के निदेशक के रूप में नामित करती है।

[सं. 9/41/91 - बी. ओ. - I]

के. के. मंगल, प्रवर सचिव

New Delhi, the 27th May, 1993

S.O. 1336.—In exercise of the powers conferred by clause (e) of sub-section (1) of section 25 of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959 (38 of 1959), the Central Government hereby nominates Shri M. L. Kukreja, Under Secretary, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division), New Delhi, as Director of State

[F No. 9/41/91-B.O.-I]

K. K. MANGAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 28 मई, 1993

का. भा. 1337.—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 8 की उपधारा (4) के साथ पठित उपधारा (1) के खंड (क) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा श्री आर. जानकीरामन को 16 मई, 1993 से शुरु होकर 15 अगस्त, 1993 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए या उनके उत्तराधिकारी की नियुक्ति किए जाने तक, जो भी पहले हो, भारतीय रिजर्व बैंक के उप गवर्नर के रूप में पुनः नियुक्त करती है।

[एफ. सं. 20/10/90 - बी. ओ. - I]

के. के. मंगल, प्रवर सचिव

New Delhi, the 28th May, 1993

S.O. 1337.—In pursuance of clause (a) of sub-section (1) read with sub-section (4) of section 8 of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934), the Central Government hereby re-appoints Shri R. Janakiraman as Deputy Governor of the Reserve Bank of India for the period commencing on May 16, 1993 attending with August, 15, 1993 or till the appointment of his successor, whichever is earlier.

[F. No. 20/10/90-B.O.-I]

K. K. MANGAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 4 जून, 1993

का. प्रा. 1338.—राष्ट्रीय बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1970 के खंड 5 के उपखंड (1), खंड 7 और खंड 8 के उपखंड (1) के साथ पठित खंड 3 के उपखंड (क) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक के साथ परामर्श करने के पश्चात्, एतद्वारा बैंक आफ इंडिया के वर्तमान कार्यकारी निदेशक, श्री ए. टी. पन्निर सेल्यम को उनके द्वारा कार्य-भार ग्रहण करने की तारीख से पांच वर्षों की अवधि के लिए यूनिवर्सल बैंक आफ इंडिया के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त करती है।

[सं. एक. 9/27/92 - बी. ओ. - I]

के. के. मंगल, प्रवर सचिव

New Delhi, the 4th June, 1993

S.O. 1338.—In pursuance of sub-clause (a) of clause 3 read with sub-clause (1) of clause 5, clause 7 and sub-clause (1) of clause 8 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970 the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri A. T. Pannir Selyam, presently Executive Director, Bank of India, as the Chairman and Managing Director of the Union Bank of India for a period of five years commencing with the date of this taking charge.

[F. No. 9/27/92-B.O-I]

K. K. MANGAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 4 जून, 1993

का. प्रा. 1339.—राष्ट्रीय बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1970 के खंड 8 के उपखंड (1) के साथ पठित खंड 3 के उपखंड (क) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात्, एतद्वारा श्री जी. पी. जगन्नाथकर, वर्तमान महाप्रबंधक, बैंक आफ इंडिया, को उनके कार्य-भार ग्रहण करने की तारीख से 31-8-94 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए, उसी बैंक के पूर्ण कालिक निदेशक (कार्यकारी निदेशक के रूप में पदनामित) के रूप में नियुक्त करती है।

[सं. एक. 9/28/92 - बी. ओ. - I]

के. के. मंगल, प्रवर सचिव

New Delhi, the 4th June, 1993

S.O. 1339.—In pursuance of sub-clause (a) of clause 3 read with sub-clause (1) of clause 8 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri G. P. Jagannathkar, presently General Manager, Bank of India, as a whole-time Director (designated as the Executive Director) of the same bank for a period commencing with the date of his taking charge and ending with 31st August, 1994.

[F. No. 9/28/92-BO.I]

K. K. MANGAL, Under Secy.

(राजस्व विभाग)

प्रधान समाहर्ता, सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क का कार्यालय

हैदराबाद, 15 मई, 1993

[सं. 18/93-सीमाशुल्क (एन. टी.) (एच जेड)]

का. प्रा. 1340.—भारत सरकार वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, नई दिल्ली के 6-4-90 तथा 18-6-90 की अधिसूचना सं. 16/90 सीमा शुल्क (एन. टी.) तथा 34/90 सीमा शुल्क (एन. टी. अधिनियम) (1962

का 52) की धारा 9 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कर्नाटक राज्य के बल्लारी जिले के सादूर तालुक के "लक्ष्मीपुर" ग्राम को भारत सरकार के औद्योगिक विकास विभाग औद्योगिक अनुमोदन सचिवालय, उद्योग मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा अनुमोदित सीमांत प्रयोजनार्थ शत-प्रतिशत निर्यातोन्मुख उपक्रम स्थापित करने के लिए भण्डार स्टेजिंग घोषित किया जाता है।

[का सं VIII/40/35/93 प्रधान समाहर्ता एच जेड]

जे. रामकृष्णन, प्रधान समाहर्ता

(Department of Revenue)

Office of the Principal Collector of Customs and Central Excise

Hyderabad, the 15th May, 1993

No. 18/93-Customs (NT) (HZ)

S.O. 1340.—In exercise of the powers conferred by Notification No. 16/90-Customs (NT) dated 6-4-1990 and No. 34/90-Customs (NT) dated 18-6-1990 of the Government of India, Ministry of Finance, Department of Revenue, New Delhi, "Lakshmiপুর" village Sandur Taluk, Bellary District in the State of Karnataka is hereby declared to be a warehousing station under Section 9 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), for the limited purpose of setting up 100 per cent Export Oriented Undertakings, approved by the Government of India, Ministry of Industry, Department of Industrial Development Secretariat of Industrial Approvals, New Delhi.

[File No. VIII/40/35/93-PC(HZ)]

J. RAMAKRISHNAN, Principal Collector

सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के प्रधान समाहर्ता का कार्यालय

मद्रास, 23 मई, 1993

[सं. 20/93 सी. शु. (एन. टी.) एम जेड ओ]

का. प्रा. 1341.—एतद्वारा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, नई दिल्ली के दिनांक 18-06-1990 की अधिसूचना सं. 34/90 सी. शु. (एन. टी.) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सीमाशुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 9 के अधीन जारी किए गए और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय के औद्योगिक अनुमोदन सचिवालय नई दिल्ली द्वारा अनुमोदित तामिलनाडु राज्य के सैदापेट तहसील के 'अम्बटूर इन्डस्ट्रियल एस्टेट' अम्बटूर को शत प्रतिशत निर्यातोन्मुख उपक्रम स्थापित करने के लिए भण्डार स्टेजिंग घोषित किया जाता है।

[सी. [सं. VIII/ 48/36/93 एम जेड ओ]

जे. रामकृष्णन प्रधान समाहर्ता

OFFICE OF THE PRINCIPAL COLLECTOR OF CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

Madras, the 23rd May, 1993

[No. 20/93-Cus.(NT) MZO]

S.O. 1341.—In exercise of the powers conferred by Notification No. 34/90-Cus. (NT) dated 18-6-1990 of the Government of India, Ministry of Finance, Department of Revenue, New Delhi, 'Ambattur Industrial Estate' Ambattur, Saidapet Taluk, Madras in the State of Tamilnadu, is hereby declared to be a warehousing station under Section 9 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) for the purpose of



setting up of 100 per cent Export oriented units, approved by the Government of India, Ministry of Industry, Secretariat Industrial Approvals, New Delhi.

[C. No. VIII/48/36/93-MZO]

J. RAMAKRISHNAN, Principal Collector

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय

अधिसूचना संख्या 02/1993

नागपुर, 24 मई, 1993

का. आ. 1313.—समाहर्तालय, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नागपुर के निम्नलिखित अधिकारीय स्वेच्छा से अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समूह "ख" के ग्रेड में उनके नाम दर्शाई गयी तिथि से शामकीय सेवा से निवृत्त हो गये।

क्रम सं. अधिकारियों का नाम	निवृत्त होने की तिथि
1. श्री डी. डब्ल्यू. देशपांडे	30-4-1993 (अपरान्ह)
2. श्री डी. एल. वामनिक	05-05-1993 (पूर्वाह्न)

[फा. सं. 11 (3) 7/91 स्वा. 1 (भाग -1)]

हर्षाश्वर मिश्र, उप समाहर्ता  
(कार्मिक एवं सचिवता)

## CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

NOTIFICATION NO. 02/1993

Nagpur, 24th May, 1993

S.O.1342:—The following Superintendents, Central Excise Group 'B' of Nagpur Collectorate

have retired voluntarily from Government Service on the dates shown against their names :—

Sr. Name of the Officer Date of Retirement  
No.

1. D.W. Deshpande	30-4-1993 A.N.
2. Shri D.L. Wasnik	05-05-1993 F.N.

[F. No. II(3)/7/91/Estt. I/Pt. I/11568]

HARJINDER SINGH, Dy. Collector (Per. and Vig.)

खान मंत्रालय

नई दिल्ली 25 मई, 1993

का. आ. 1343.—गोवा, दमन और दिवु खनन रियायत (उत्पादन और पट्टों के रूप में घोषणा अधिनियम, 1987 (1987 का 16) की धारा 9 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा गोवा सरकार के उद्योग एवं खान निदेशक को अगले आदेशों तक मंदाय आयुक्त नियुक्त करती है।

[फा. सं. 18 (1) 93/ खान -6]

दिवकर देव, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF MINES

New Delhi, the 25th May, 1993

S.O. 1343.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 9 of the Goa, Daman and Diu Mining Concessions (Abolition and Declaration as Mining Leases) Act, 1987 (16 of 1987), the Central Government hereby appoints Director of Industries and Mines, Government of Goa, as the Commissioner of Payments until further orders.

[F. No. 18/1/93-M.VI]

DIVAKAR DEV, Jt. Secy.

कोयला मंत्रालय

नई दिल्ली, 1, जून, 1993

का.आ. 1344.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन निकाली गई, भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 30 जनवरी, 1993 में प्रकाशित अधिसूचना सं. का.आ. 181 (तारीख 17 दिसम्बर, 1992 के साथ पठित और भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 11 जनवरी, 1992 में प्रकाशित, भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 90 तारीख 24 दिसम्बर, 1991 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र की भूमि में, जिसका माप 1831.40 एकड़ (लगभग) या 741.16 हैक्टर (लगभग) है। संबंधी अधिकारों का अर्जन करने के अपने आशय की सूचना दी थी ;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 8 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

और केन्द्रीय सरकार का पूर्वोक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात और मध्य प्रदेश सरकार से परामर्श करने के पश्चात, यह समाधान हो गया है कि इससे संलग्न अनुसूची में वर्णित 1806.70 एकड़ (लगभग) या 731.160 हैक्टर (लगभग) माप वाली भूमि में खनन संबंधी अधिकार अर्जित किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इससे संलग्न अनुसूची में वर्णित 1806.70 एकड़ (लगभग) या 731.160 हैक्टर (लगभग) माप वाली भूमि में खनन संबंधी अधिकार अर्जित किए जाने हैं।

इस अधिसूचना के अन्तिम आने वाले क्षेत्र में स. एस. ई. सी. एल./बी. एस. पी./जी. एस. (योजना)/भूमि/104 तारीख 24 अप्रैल, 1992 वाले रेखांक का निरीक्षण कलक्टर, रायगढ़ (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, कार्डिनल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में, या साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (राजस्व अनुभाग) खांपत रोड, बिलासपुर-495001 (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में किया जा सकता है।

## अनुसूची

## छाल ब्लॉक

## मांढ रायगढ़ कोल्फील्ड

## जिला—रायगढ़ (मध्य प्रदेश)

## खनन अधिकार

क्रम सं.	ग्राम	पटवारी हल्का सं.	तहसील	जिला	क्षेत्र में हेक्टर में	टिप्पणियां
1.	छाल	30	धर्मजयगढ़	रायगढ़	9.280	भाग
2.	लाट	30	धर्मजयगढ़	रायगढ़	483.530	भाग
3.	चन्द्रशेखरपुर	31	धर्मजयगढ़	रायगढ़	043.850	भाग
4.	खेडापाली	30	धर्मजयगढ़	रायगढ़	047.310	भाग
5.	बंधापाली	31	धर्मजयगढ़	रायगढ़	125.890	भाग
6.	नवापारा	31	धर्मजयगढ़	रायगढ़	021.300	भाग
कुल					731.160 हेक्टर (लगभग)	
					या	
					1806.70 हेक्टर (लगभग)	

ग्राम छाल (भाग) में अर्जित किए गए प्लॉट संख्यांक :

1372 (भाग),	1408 (भाग),	1416,
1378 (भाग).	1411 (भाग),	
1379 (भाग),	1413 (भाग),	
1380 से 1386,	1414,	
1387 (भाग),	1415, और	

ग्राम लाट (भाग) में अर्जित किए गए प्लॉट संख्यांक :

2 से 27,	205 (भाग),	351/4,	471/1,
28/1,	206 से 211,	351/5,	471/2,
28/2,	212 (भाग),	351/6,	471/3,
28/3,	218/1 (भाग),	352,	471/4,
28/47	218/2,	353	472 से 482
28/5,	218/3,	354 (भाग),	483/1
28/6,	218/4,	355 (भाग),	483/2,
28/7,	219 से 232,	356 से 362,	484 से 580
29 से 139,	233/1,	363/1 (भाग),	581/1,
140/1	233/2,	363/2,	581/2,
140/2	233/3,	363/3 (भाग)	582 से 664
140/3	233/4,	364 (भाग)	665/1,
140/4	234/ से 279	365 (भाग)	665/2,

ग्राम लाट (भाग) में अर्जित किए गए प्लॉट संख्यांक

141 से 176	280 (भाग)	384 (भाग)	666 से 851,
177 (भाग),	281 (भाग),	388 (भाग),	852/1,
178 (भाग),	282 (भाग)	389 से 390,	852/2
179 (भाग),	287 (भाग),	391 (भाग),	853 से 871,
180	288 (भाग),	392 से 395,	872/1
181	291 (भाग),	396 (भाग),	872/2
182 (भाग),	343 (भाग),	397 (भाग),	872/3,
183 (भाग),	344 (भाग),	398 (भाग),	873 से 885
184 (भाग),	345 से 350,	399 (भाग),	887 से 904
194 (भाग),	351/1,	400 से 415,	905/1,
195 से 203,	351/2,	416 (भाग),	905/2,
204 (भाग):	351/3,	417 से 418,	906 से 1010,
		419 (भाग),	और
		420 से 470,	1115 (भाग),

ग्राम चन्द्रशेखरपुर (भाग) में अर्जित किए गए प्लॉट संख्यांक :

2,	27,	72/2 (भाग)	104 से 105
2/395,	27/430,	97 (भाग),	106 (भाग)
3 से 10,	28 से 52,	98/1, (भाग),	107 (भाग),
11/1,	52/296,	98/2,	113 (भाग),
11/2,	53,	99/1,	146 (भाग),
12/1,	54 (भाग),	99/2,	147,
12/2,	55 (भाग),	100 (भाग),	148 (भाग),
13,	56 (भाग),	101,	149 (भाग),
14/1,	57 (भाग),	102/1 (भाग),	और
14/2,	58 से 70	102/2 (भाग),	267/1 (भाग)
15 से 26,	71/2 (भाग)	103 (भाग),	

ग्राम खेडापाली (भाग) में अर्जित किए गए प्लॉट संख्यांक :

1,	5/3,	86/1,	104/1,
2,	5/4 (भाग),	86/2,	105/1,
3,	5/134,	87/1,	105/2
4/1,	6,	87/2,	1/2 (भाग),
4/2,	7/1,	88/1,	13/2 (भाग)
4/3,	7/2 (भाग),	89,	80/2 (भाग)
4/4,	11/1,	90,	84/2 (भाग)
4/5,	11/2,	91/1	84/3 (भाग)
4/6,	13,	91/2,	85/3 (भाग)
5/1,	85/1,	92,	85/4 (भाग)
5/2 (भाग),	83/2,	93/1,	87/3 (भाग)

संख्यांक के भाग के संख्यांक हैं।

ग्राम बंधापली (भाग) में अर्जित किए गए प्लॉट संख्यांक —

64 (भाग),	179 (भाग),	265 (भाग),	335/1
70 (भाग),	183 (भाग),	266 (भाग),	335/2,
71,	184 से 194	267 से 286,	336 से 376
72 (भाग),	195/1,	277 (भाग),	377/1,
73 (भाग),	195/2,	304 (भाग),	377/2,
118 (भाग),	195/3,	305 (भाग),	377/3,
120 (भाग),	195/4,	306 (भाग),	377/4,
122/1 (भाग),	196 से 241,	309 (भाग),	388 से 380,
122/3 (भाग),	242/(भाग),	310 (भाग),	386/1,
123 (भाग),	243/(भाग),	311 से 329,	386/2,
124 (भाग),	247(भाग),	33/01,	387,
174 (भाग),	248 से 257	330/2	388/1,
175 (भाग),	258/(भाग),	330/3,	388/2,
177 (भाग),	363/(भाग),	330/4,	389 से 400 और
178 (भाग),	364(भाग),	331 से 334,	410 (भाग),

ग्राम नवापारा (भाग) में अर्जित किए गए प्लॉट संख्यांक —

278/2(भाग),	466/1,	466/7,	487 से 493
458 (भाग),	466/2,	467 से 478,	
459 से 462,	466/3,	479 (भाग),	
463 (भाग),	466/4,	484 (भाग),	
464,	466/5,	485 (भाग),	
465,	466/6,	486 (भाग),	

सीमा वर्णन—

- क—ख : रेखा लाट ग्राम में “क” बिन्दु से आरम्भ होती है और प्लॉट संख्यांक 177, 178, 179, 182, 183, 194, 204, 205, 212, 218/1, 281, 280, 282, 287, 288, 291, 344, 343, 354, 355, 363/1, 363/3, 365, 364, 419, 416, 398, 399, 397, 396, 384, 391, 388, से होकर गुजरती है और छाल ग्राम की ओर बढ़ती है तथा प्लॉट सं. 1388, 1379, 1372, 1382, 1387, 1408, 1411, 1413 से होकर गुजरती है और “ख” बिन्दु पर मिलती है।
- ख—ग : रेखा ग्राम बंधापली में प्लॉट संख्यांक 310, 309, 306, 305, 304, 277, 266, 265, 264, 263, 258, 247, 243, 242, 64, 70, 72, 73, 118, 120, 122/1, 122/3, 122/1, 123, 124, 174, 175, 177, 179, 183, से होकर गुजरती है। प्लॉट संख्यांक 186 की उत्तरी सीमा प्लॉट संख्या 187 की पूर्वी सीमा से हो कर गुजरती है और “ग” बिन्दु पर मिलती है।
- ग—ग 1—घ : रेखा ग्राम नवापारा में प्लॉट संख्यांक 463, 278/2, 258 से होकर गुजरती है। इसके बाद पश्चात प्लॉट सं. 460, 493, 492, 491, 490, 489, 488, 487, 486 की पूर्वी सीमा के साथ-साथ चलती है और “घ” बिन्दु पर मिलती है।
- घ—ङ—ड 1 च : रेखा ग्राम नवापारा से होकर गुजरती है और प्लॉट सं. 486, 485, 484, 479, से होकर गुजरती है और ग्राम बंधापली प्रवेश करती है और प्लॉट सं. 410 से होकर गुजरती है और प्लॉट सं. 409 की पूर्वी सीमा के साथ-साथ चलती है और भागवत ग्राम बंधापली से खेदापली की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ चलती है तथा “ङ” बिन्दु पर मिलती है।

च-छ-ज	रेखा ग्राम खेदापली में प्लॉट सं. 5/2 5/4 7/2 से होकर गुजरती है। उसके बाद प्लॉट सं. 7/1 की
झ-ण-ट :	दक्षिणी सीमा के साथ-साथ और प्लॉट सं. 11/1, 11/2 13 की पूर्वी सीमा के साथ चलती है उसके पश्चात् स्टेट हाईवे रोड की पूर्वी सीमा के साथ-साथ चलती है और "ठ" बिन्दु पर मिलती है।
ठ-ड :	रेखा स्टेट हाईवे रोड के साथ-साथ चलती है और "ड" बिन्दु पर मिलती है।
ड-ढ :	रेखा स्टेट हाईवे रोड की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ चलती है और "ड" बिन्दु पर मिलती है।
ढ-ड 1-ड 2 :	रेखा ग्राम प्लॉट में प्लॉट सं. 1115 से होकर गुजरती है और ग्राम चद्रसेखरपुर में प्लॉट सं. 267/1 से होकर प्रवेश करती है और स्टेट हाईवे रोड की पश्चिमी सीमा पर "ढ" बिन्दु पर मिलती है।
ड 2-ण-त-त 1-त 2-थ :	रेखा ग्राम चद्रसेखरपुर में प्लॉट सं. 367/1, 148, 149, 146 से होकर गुजरती है उसके पश्चात् प्लॉट सं. 146 की पश्चिमी सीमा साथ-साथ चलती है और प्लॉट सं. 107, 106, 107, 106 से होकर गुजरती है।
	उसके पश्चात् प्लॉट सं. 103, 113 की पूर्वी सीमा के साथ-साथ चलती है उसके पश्चात् प्लॉट सं. 113, 103, 102/2 102/1 97, 100, 98/1 72/2, 71/2 57, 56, 54, 55 से होकर गुजरती है और "थ" बिन्दु पर मिलती है
ख-क :	मान्ड नदी की पूर्वी किनारे साथ-साथ चलती है और आरम्भिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

[सं. 43015/19/89-एल.एस. डब्ल्यू]

बी.बी. राव, अवर सचिव

## MINISTRY OF COAL

New Delhi, the 1st June, 1993

S. O. 1344 :—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Coal number S.O. 90, dated the 24th December, 1991, issued under sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act) and published in Part II, Section 3, Sub-Section (ii) of the Gazette of India, dated the 11th January, 1992, read with notification number S.O. 181, dated 17th December, 1992, published in Part II, Section 3, Sub-Section (ii) of the Gazette of India, dated the 30th January, 1993 at pages 235-236, the Central Government gave notice of its intention to acquire the mining rights in the lands measuring 1831.40 acres (approximately) or 741.16 hectares (approximately) in the locality specified in the Schedule appended to that notification;

And whereas the competent authority, in pursuance of section 8 of the said Act, has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government, after considering the report aforesaid and after consulting the Government of Madhya Pradesh, is satisfied that the mining rights in the land measuring 1806.070 acres (approximately) or 731.160 hectares (approximately) described in the Schedule appended hereto should be acquired.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 9 of the said Act, the Central Government hereby declares that the mining rights in the lands measuring 1806.70 acres (approximately) or 731.160 hectares (approximately) described in the said Schedule appended hereto, are hereby acquired.

The plan bearing number SECL/BSP/GM (Planning)/Land/104 dated the 24th April, 1992 of the area covered by this notification may be inspected in the Office of the Collector, Raigarh (Madhya Pradesh) or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the Office of the South Eastern Coalfields Limited (Revenue Section), Seopat Road, Bilaspur—495001 (Madhya Pradesh).

## SCHEDULE

## CHHAL BLOCK

## MAND-RAIGARH COALFIELD

## DISTRICT—RAIGARH (MADHYA PRADESH)

## MINING RIGHTS

Sl. No.	Village	Patwari Halka number	Tahsil	District	Area in hectares	Remarks
1.	Chhal	30	Dharamjaygarh	Raigarh	9.280	Part
2.	Lat	30	Dharamjaygarh	Raigarh	483.530	Part
3.	Chandrasekharapur	31	Dharamjaygarh	Raigarh	043.850	Part
4.	Khedapali	30	Dharamjaygarh	Raigarh	047.310	Part
5.	Bandhapali	31	Dharamjaygarh	Raigarh	125.890	Part
6.	Navapara	31	Dharamjaygarh	Raigarh	021.300	Part
Total					731.160 hectares (approximately)	
					or	
					1806.70 acres (approximately)	
1. Plot numbers acquired in village Chhal (Part)						
1372 (part),	1408(part),			1416.		
1378(part),	1411(part),					
1379(part),	1413(part),					
1380 to 1386,	1414,					
1387(part),	1415, &					
2. Plot numbers acquired in village Lat (Part).						
2 to 27,	205(part),	351/4,		471/1,		
28/1,	206 to 211,	351/5,		471/2,		
28/2,	212(part),	351/6,		471/3,		
28/3,	218/1(part),	352,		471/4,		
28/4,	218/2,	353,		472 to 482,		
28/5,	218/3,	354(part),		483/1,		
28/6,	218/4,	355(part),		483/2,		
28/7,	219 to 232,	356 to 362,		484 to 580,		
29 to 139,	233/1,	363/1(part),		581/1,		
140/1,	233/2,	363/2,		581/2,		
140/2,	233/3,	363/3(part),		582 to 664,		
140/3,	233/4,	364(part),		665/1,		
140/4,	234 to 279,	365(part),		665/2,		
141 to 176,	280(part),	384(part),		666 to 851,		
177(part),	281(part),	388(part),		852/1,		
178(part),	282(part),	389 to 890,		852/2,		
179(part),	287(part),	391(part),		853 to 871,		
180,	288(part),	392 to 395,		872/1,		
181,	291(part),	396(part),		872/2,		
182(part),	343(part),	397(part),		872/3,		
183(part),	344(part),	398(part),		873 to 885,		
184(part),	345 to 350,	399(part),		887 to 904		
				905/1,		
194(part),	351/1,	400 to 415,		905/2,		
195 to 203,	351/2,	416(part),		906 to 1010,		
204(part),	351/3,	417 to 418,		and		
		419(part),		P115(part).		
		420 to 470,				

## 3. Plot numbers acquired in village Chandrasekharpur (Part) :

2,	27,	72/2(part),	104 to 105,
2/395,	27/430,	97(part),	106(part),
3 to 10,	28 to 52,	98/1(part),	107(part),
11/1,	52/396,	98/2,	113(part),
11/2,	53,	99/1,	146(part),
12/1,	54(part),	99/2,	147,
12/2,	55(part),	100(part),	148(part),
13,	56(part),	101,	149(part),
14/1,	57(part),	102/1(part),	and
14/2,	58 to 70,	102/2(part),	267/1(part),
15 to 26,	71/2(part),	103(part),	

## 4. Plot numbers acquired in village Khedapali (Part) :

1,	5/3,	86/1,	104/1,
2,	5/4(part),	86/2,	105/1,
3,	5/134,	87/1,	105/2, and
4/1,	6,	87/2,	1/2(part),
4/2,	7/1,	88/1,	13/2(part),
4/3,	7/2(part),	89,	80/2(part),
4/4,	11/1,	90,	84/2(part),
4/5,	11/2,	91/1,	84/3(part),
4/6,	13,	91/2,	85/3(part),
5/1,	85/1,	92,	85/4(part),
5/2(part),	85/2,	93/1,	87/3(part),
			(numbers are part of Road).

## 5. Plot numbers acquired in village Bardhapali (Part) :

64(part),	179(part),	265(part),	335/1,
70(part),	183(part),	266(part),	335/2,
71,	184 to 194,	267 to 276,	336 to 376,
72(part),	195/1,	277(part),	377/1,
73(part),	195/2,	304(part),	377/2,
118(part),	195/3,	305(part),	377/3,
120(part),	195/4,	306(part),	377/4,
122/1(part),	196 to 241,	309(part),	378 to 385,
122/3(part),	242(part),	310(part),	386/1,
123(part),	243(part),	311 to 329,	386/2,
124(part),	247(part),	330/1,	387,
174(part),	248 to 257,	330/2,	388/1,
175(part),	258(part),	330/3,	388/2,
177(part),	263(part),	330/4,	389 to 409 and
178(part),	264(part),	331 to 334,	410(part),

## 6. Plot numbers acquired in village Navapara (Part) :

278/2(part),	466/1,	466/7,	487 to 493,
458(part),	466/2,	467 to 478,	
459 to 462,	466/3,	479 (part),	
463(part),	466/4,	484(part),	
464,	466/5,	485(part),	
465,	466/6,	486(part), and	

**BOUNDARY DESCRIPTION :**

- A—B** Line starts from the point 'A' in village Lat and passes through plot numbers 177, 178, 179, 182, 183, 194, 204, 205, 212, 218/1, 281, 280, 282, 287, 288, 291, 344, 343, 354, 355, 363/1, 363/3, 365, 364, 419, 416, 398, 399, 397, 396, 384, 391, 388 and proceeds in village Chhal and passes through plot numbers 1378, 1379, 1372, 1382, 1387, 1408, 1411, 1413 and meets at point 'B'.
- B—C** Line passes in village Bandhapali through plot numbers 310, 309, 306, 305, 304, 277, 266, 265, 264, 263, 258, 247, 243, 242, 64, 70, 72, 73, 118, 120, 122/1, 122/3, 122/1, 123, 124, 174, 175, 177, 179, 183 northern boundary of plot number 186, eastern boundary of plot number 187 and meets at point 'C'.
- C—C1—D** Line passes in village Navapara through plot numbers 463, 278/2, 458 then eastern boundary of plot numbers 460, 493, 492, 491, 490, 489, 488, 487, 486 and meets at point 'D'.
- D—E—E1—F** Line passes in village Navapara and passes through plot numbers 486, 485, 484, 479, and enter in village Bandhapali and passes through plot number 410, eastern boundary of plot number 409, and passes partly along the common boundary of village Bandhapali-Khedapali and meets at point 'F'.
- F—G—H—I—J—K—L** Line passes in village Khedapali through plot numbers 5/2, 5/4, 7/2, then southern boundary of plot number 7/1 and along eastern boundary of plot numbers 11/1, 11/2, 13 then along the eastern boundary of State Highway Road and meets at point 'L'.
- L—M** Line passes through the State Highway Road and meets at point 'M'.
- M—N** Line passes along the Western boundary of State Highway Road and meets at point 'N'.
- N—N1—N2** Line passes in village Lat through plot number P1115 and enter in village Chandrasekharpur through plot number 267/1 and meets at the western boundary of State Highway Road at point 'N2'.
- N2—O—P—P1—P2—Q** Line passes in village Chandrasekharpur through plot numbers 267/1, 148, 149, 146, then along the western boundary of plot number 146 and through plot numbers 107, 106, 107, 106, then along the southern boundary of plot numbers 106, 105, then eastern boundary of plot numbers 103, 113 then through plot numbers 113, 103, 102/2, 102/1, 97, 100, 98/1, 72/2, 71/2, 57, 56, 54, 55 and meets at point 'Q'.
- Q—A** Lin. passes along the eastern bank of River Mand and meets at the starting point 'A'.

[No. 43015/19/89—LSW]

B.B. RAO, Under Secy.

नई दिल्ली, 3, जून, 1993

का.आ. 1345 : ---केन्द्रीय सरकार ने कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii), तारीख 22 जून, 1991 में प्रकाशित भारत सरकार के तत्कालीन ऊर्जा मंत्रालय, कोयला विभाग की अधिसूचना सं. का.आ. 1767, तारीख 31 मई, 1991 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र की 581.50 हेक्टर (लगभग) या 1436.88 एकड़ (लगभग) भूमि में कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना दी थी,

और, केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में वर्णित उक्त भूमि के भाग में कोयला अभिप्राप्त है।

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इससे संलग्न अनुसूची में वर्णित 333.161 हेक्टर (लगभग) या 823.24 एकड़ (लगभग) भाग की भूमि में खनिजों के खनन, खदान, बोर करने खुदाई करने और निकास करने, उन्हें प्राप्त करने, उन पर कार्य करने और उन्हें ले जाने के अधिकारों का अर्जन करने के अपने आशय की सूचना देती है।

टिप्पणी : --- इस अधिसूचना के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांक सं. एस.ई.सी.एल./बी.एल.पी./जी.एम. (योजना) भूमि/116, तारीख 22 मितम्बर, 92, का निरीक्षण कलक्टर, गृहोद्योग (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में या कलकत्ता के कार्यालय में या स/उच्च ईस्टर्न कंजर्वेटिव्स लिमिटेड गजम्ब



अनुभाग), सीवत रोड़, बिलासपुर-485001 (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में किया जा सकता है।

टिप्पणी : 2. उपरत अधिनियम की धारा 8 के उपबंधों की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है, जिसमें निम्नलिखित हैं :—

#### अर्जन के प्रति आपत्तियाँ

"9. (1) कोई व्यक्ति या किसी भूमि में जिवन्त अवस्थ धारा 7 के अधीन अधिसूचना निकाली गई है, हितबद्ध है, अधिसूचना के निकाले जाने से बीस दिन के भीतर सम्पूर्ण भूमि या उसके किसी भाग या ऐसी भूमि में या उस पर के किन्हीं अधिकारों का अर्जन किए जाने के बारे में आपत्ति कर सकेगा।

राष्ट्रियकरण--इस धारा के अर्थात्तर्गत यह आपत्ति नहीं मानो जाएगी कि कोई व्यक्ति किसी भूमि में कौयला उत्पादन के लिए स्वयं खनन सन्निवार्य करती चाहता है और ऐसी सन्निवार्य केन्द्रीय सरकार या किसी अन्य व्यक्ति को नहीं करती चाहिए।

(2) उधारा (1) के अधीन प्रत्येक आपत्ति सक्षम प्राधिकारी को लिखित रूप में की जाएगी और सक्षम प्राधिकारी आपत्तिकर्ता को स्वयं सुने जाने का या विभिन्न व्यक्तियों द्वारा सुनवाई का अवसर देगा और ऐसी सभा आपत्तियों का सुनने के पश्चात और ऐसी प्रतिनिधित्व जांच, यदि कोई हो, करने के पश्चात जो यह आवश्यक समझता है यह या तो धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन अधिसूचना भूमि के या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में एक रिपोर्ट या ऐसी भूमि के विभिन्न टुकड़ों या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में आपत्तियों पर अपनी विचारों और उसके द्वारा की गई कार्यवाही के प्रभिलेख सहित विभिन्न रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को उसके विनिश्चय के लिए देगा।

(3) इस धारा के प्रयोजन के लिए यह व्यक्ति किसी भूमि में हितबद्ध समझा जाएगा जो प्रतिकर में हित का दस्ता करने का हकदार होता यदि भूमि या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकार इस अधिनियम के अधीन अर्जित कर लिए जाते हैं।"

टिप्पणी 3 :—केन्द्रीय सरकार ने कौयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता की भारत के राजपत्र, तारीख 4 अप्रैल, 1987 के पृष्ठ 1397 से 1400 पर प्रकाशित अधिसूचना संख्यांक का.प्र. 905, तारीख 20 मार्च, 1987 द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 3 के अधीन सक्षम प्राधिकारी नियुक्त किया है।

#### अनुसूची

विस्तार प्लॉक "क"

गमुना कोतमा क्षेत्र

जिला गन्डोल (मध्य प्रदेश)

#### खनन अधिकार

(भूमि अर्जन करने का आणव्य दशनि हुए)

क्रम	ग्राम का नाम	खंडीकरण संख्यांक	अनुभाग	जिला	क्षेत्र हैक्टर में	टिप्पणी
1	देखल	463	अनुपपुर	गन्डोल	176.244	भाग
2	बगमोल	701	अनुपपुर	गन्डोल	105.086	भाग
3	धनकुट्टा	189	अनुपपुर	गन्डोल	051.831	भाग
कुल क्षेत्र				333.161 हैक्टर (लगभग)		
				या 823.24 एकड़ (लगभग)		

1. ग्राम देखल (भाग) में अर्जित किए जाने वाले प्लॉक संख्यांक

38 (भाग), 47 (भाग), 58 (भाग), 59 से 64, 65 (भाग), 66 (भाग), 67 से 71, 72 (भाग) 73 से 78, 79 (भाग), 80, 81 (भाग), 82 (भाग), 84 (भाग), 85 से 104, 105 (भाग); 106 (भाग), 107 से 110, 111, 112 (भाग), 113, 114 (भाग), 115 (भाग), 116 (भाग), 117 (भाग), 119 (भाग), 120 (भाग), 129 (भाग), 130 से 133, 134 (भाग), 135 (भाग), 136 (भाग), 137 (भाग), 138, 139, 140 (भाग), 141 (भाग), 142 (भाग), 143 (भाग), 144, 145 (भाग), 146 से 152, 153 (भाग), 154 (भाग), 156 (भाग), 164 (भाग), 175 (भाग), 176, 177 (भाग), 178 से 184, 185 (भाग), 197 (भाग), 198 (भाग), 199 (भाग), 200 (भाग), 201 से 228, 229 (भाग), 227 से 275, 315 (भाग), 279 (भाग), 316 (भाग), 317, 318, 319 (भाग), 320 (भाग), 321 (भाग), 361 (भाग), 362 (भाग), 364 (भाग), 365, 386 (भाग), 387 (भाग), 388 से 528, 529 (भाग), 530, 531 (भाग), 534 (भाग), 535, (भाग), 536, 537, 538 (भाग), 540 (भाग), 608 (भाग), 609 (भाग), 610, 611 (भाग), 612 (भाग), 613, 614 (भाग), 615 (भाग), 623 (भाग), 624, 625 (भाग), 626 (भाग), 627 (भाग), 638 (भाग), 647 (भाग), 648 (भाग), 649 (भाग), 650 (भाग) 651 से 667, 668 (भाग), 669 से 679, 680 (भाग), 698 (भाग), 704 (भाग), 705, 706 (भाग), 707, 708 (भाग), 709 (भाग), 710 (भाग), 934 (भाग), 935 (भाग), 937 (भाग), 938 (भाग), 939 (भाग), 940 से 943, 944, 945 (भाग), 946 (भाग), 948 (भाग)।

2. ग्राम बंकाटोला (भाग), में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक

41 (भाग), 63 (भाग), 64 (भाग), 65 (भाग), 66 (भाग), 67 से 72, 73 (भाग), 75 (भाग), 76 (भाग), 79 (भाग), 80 (भाग), 81 (भाग), 82 (भाग), 83 से 86, 87 (भाग), 92 से 180, 181 (भाग), 183 (भाग), 187 (भाग), 188 (भाग), 189 (भाग), 190, 191, 192 (भाग), 193, 194, 195 (भाग), 198 (भाग), 203 (भाग), 205 (भाग)।

3. ग्राम घनकुट्टा (भाग), में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक

36 (भाग), 37, 38 (भाग), 44 (भाग), 46, 47, 48 (भाग), 49 से 62, 63 (भाग), 64 (भाग), 70 (भाग), 71 (भाग), 103 (भाग), 117 (भाग), 118 (भाग), 119 से 122, 123 (भाग), 124 (भाग), 127 (भाग)।

सीमा वर्णन :

क-ख-ख 1-ख 2 रेखा ग्राम बैखल में बिन्दु "क" से प्रारंभ होती है और प्लॉट संख्यांक 647, 648, 649, 650, 680, 698, 704, 706, 708, 709, 668, 710, 668, 226, 199, 200, 198, 197, 198, 184, 105, 106, 112, 114, 115, 116, 141, 140, 136, में से होकर जाती है, फिर रेखा दक्षिण दिशा की ओर मुड़ती है और प्लॉट संख्यांक 136, 143, 142, 145, 154, 156, 153, 156, 175, 177, 185, 934, 936, में से होकर जाती है और बिन्दु "ख 2" पर मिलती है।

ख-2-ग रेखा ग्राम बैखल में से जाती है और प्लॉट संख्यांक 936, 937, 938, 937, 939, 945, 946, 948 में से होकर जाती है, फिर ग्राम बंकाटोला में भागे बढ़ती है और प्लॉट संख्यांक 181, 183, 187, 189, 188, 192, 196, 195, 203, 205 में से होकर जाती है, फिर ग्राम घनकुट्टा में प्रवेश करती है और प्लॉट संख्यांक 127, 123, 124, 117, 118, 117, 103 में से होकर जाती है और बिन्दु "ग" पर मिलती है।

ग-घ-घ-1 रेखा, ग्राम घनकुट्टा में से जाती है और प्लॉट संख्यांक 103, 117, 71, 70, 63, 64, 36 में से होकर जाती है, फिर प्रायतः प्लॉट संख्यांक 36 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ जाती है फिर प्लॉट संख्यांक 38, 48, 44 में से होकर जाती है और बिन्दु "घ 1" पर मिलती है।

घ-1-घ-2-क रेखा, प्रायतः ग्राम घनकुट्टा और बंकाटोला की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है, फिर प्लॉट संख्यांक 93 की उत्तरी सीमा, ग्राम बंकाटोला में प्लॉट संख्यांक 92, 87 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ जाती है, फिर प्लॉट संख्यांक 41 में से होकर जाती है और बिन्दु "क" पर मिलती है।

क-क-1-घ रेखा ग्राम बंकाटोला में प्लॉट संख्यांक 41, 87, 41, 87, 41, 82, 79, 80, 81, 92, 76, 75, 73, 66, 65, 63, 64 में से होकर जाती है, फिर ग्राम बैखल में प्लॉट संख्यांक 129, 134, 120, 125, 119, 137, 117, 116, 38, 83, 84, 83, 81, 79, 47, 72, 66, 65, 58, 279, 315 में से होकर जाती है, फिर प्लॉट संख्यांक 275 की उत्तरी सीमा में से फिर प्लॉट संख्यांक 315, 316, 315, 319, 320, 321, 361 में से होकर जाती है और बिन्दु "घ" पर मिलती है।

घ-क रेखा, ग्राम बैखल में प्लॉट संख्यांक 361, 362, 364, 386, 387, 386, 529, 531, 534, 535, 540, 538, 608, 609, 611, 612, 614, 615, 623, 625, 626, 627, 638, 648, 647 में से होकर जाती है और प्राथमिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

[फा.सं. 43015/2/91-एस.एस.डब्ल्यू.]

वी.बी. राव, प्रवर सचिव

New Delhi, the 3rd June, 1993

S.O. 1345 :—Whereas by the notification of the Government of India in the then Ministry of Energy, Department of Coal, number S.O. 1767 dated the 31st May, 1991 under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act) and published in the Gazette of India in Part-II, Section 3, Sub-Section (ii) dated the 22nd June, 1991, the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in 581.50 hectares (approximately) or 1436.88 acres (approximately) of the lands in locality specified in the Schedule annexed to that notification;

And whereas the Central Government is satisfied that coal is obtainable in a part of the said lands described in the Schedule appended to this notification;

therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the said

Act, the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire the rights to mine, quarry, bore, dig and search for win, work and carry away minerals in the lands measuring 333.161 hectares (approximately) or 823.24 acres (approximately) described in the Schedule appended hereto.

Note 1: The plans bearing number SECL/BSP/GM (Planning)/Land/116 dated the 22nd September, 1992 of the area covered by this notification may be inspected in the office of the Collector, Sahdol (Madhya Pradesh) or in the office of the Coal Controller, 1 Council House Street, Calcutta, or in the office of the South Eastern Coalfields Limited (Revenue Section) Seepat Road, Bilaspur-495001 (Madhya Pradesh).

Note 2. Attention is hereby invited to the provisions of section 8 of the aforesaid Act, which provides as follows :—

Objection to acquisition :

8.(1) Any person interested in any land in respect of which a notification under section 7 has been

issued may, within thirty days of the issue of the notification, object to the acquisition of the whole or any part of the land or of any rights in or over such land.

**Explanation:**

It shall not be an objection within the meaning of this section for any person to say that he himself desires to undertake mining operations in the land for the production of coal and that such operations should not be undertaken by the Central Government or by any other person.

(2) Every objection under sub-section (1) shall be made to the competent authority in writing and the competent authority shall give the objector an opportunity of being heard either in person or by a legal practitioner and shall, after hearing all such objections and after making such further enquiry, if any, as he thinks necessary, either make a report in respect of the land which has been notified under sub-section

(1) of section 7 or of rights in or over such land, or make different reports in respect of different parcels of such land or of rights in or over such land, to the Central Government, containing his recommendations on the objections, together with the record of the proceedings held by him, for the decision of that Government.

(3) For the purpose of this section, a person shall be deemed to be interested in land who would be entitled to claim an interest in compensation if the land or any rights in or over such land were acquired under this Act."

Note 3: The Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta has been appointed by the Central Government as the competent authority under section 3 of the said Act, vide notification number S.O. 905, dated the 20th March, 1987, published in the Gazetted of India, dated the 4th April, 1987 at pages 1397 to 1400.

**SCHEDULE**

**EXTENSION BLOCK 'B'**

**JAMUNA-KOTMA AREA**

**DISTRICT-SHAHDOL (MADHYA PRADESH)**

**MINING RIGHTS**

(Showing intention to acquire lands)

Sl. No.	Name of Village	Settlement Number	Tahsil	District	Area in hectares	Remarks
1.	Daikhal	463	Anuppur	Shahdol	176.244	Part
2.	Bankatola	701	Anuppur	Shahdol	105.086	Part
3.	Dhankutta	489	Anuppur	Shahdol	051.831	Part
Total					333.161 hectares (approximately)	OR 823.24 acres (approximately)

1. Plot numbers to be acquired in village Daikhal (Part) :—38(part), 83(part), 117(part), 141(part), 47(part), 84(part), 119(part), 142(part), 58(part), 85 to 104, 120(part), 143(part), 59 to 64, 105(part), 129(part), 129(part), 144, 65(art), 106(part), 130 to 133, 145(part), 66(part), 107 to 110, 134(part), 146 to 152, 67 to 71, 111, 135(part), 153(part), 72(part), 122(part), 136(part), 154(part), 73 to 78, 113, 137(part), 156(part), 79(part), 114(part), 138, 164(part), 80, 115(art), 139, 175(art), 81(part), 116(part), 140(part), 176, 177(part), 36(part), 612(part), 704(part), 178 to 184, 364(part), 613, 705, 185(art), 365, 614(part), 76(part), 197(part), 386(part), 615(part), 707, 198(part), 387(part), 623(part), 708(part), 199(part), 388 to 528, 624, 709(part), 200(part), 529(part), 625(part), 710(part), 201 to 225, 530, 626(part), 934(part), 226(part), 531(part), 672(part), 936(part), 227 to 275, 534(part), 638(part), 937(part), 315(part), 535(part), 647(part), 938(part), 279(part), 536, 648(part), 939(part), 316(part), 537, 649(part), 940 to 943, 317, 538(part), 650(part), 944, 318, 549(part), 651 to 667, 945(part), 319(part), 608(part), 668(part), 946(part), 320(part), 609(part), 669 to 679, 948(part), 321(part), 610, 680(part), 361(part), 611(part), 698(part).

2. Plot numbers to be acquired in village Bankatola (Part):—41(part), 73(part), 82(part), 187(part), 193, 63(part), 75(part), 83 to 86, 188(part), 194, 64(part), 76(part), 87(part), 189(part), 195(part), 65(part), 79(part), 92 to 180, 190, 196(part), 66(part), 80(part), 181(part), 191, 203(part), 67 to 72, 81(part), 183(part), 192(part), 205(part),

3. Plot numbers to be acquired in village Dhankutta (Part):—36(part), 47, 70(part), 119 to 122, 37, 48(part), 17(part), 123(part), 38(part), 49 to 62, 103(part), 124(part), 44(part), 63(part), 117(part), 127(part), 46, 64(part), 118 (part).

Boundary description :

- A—B—B1—B2  
fi Line starts from point 'A' in village Daikhal and passes through plot numbers 647, 648, 649, 650, 680, 698, 704, 706, 708, 609, 668, 710, 668, 226, 199, 200, 198, 197, 198, 164, 105, 106, 112, 114, 115, 116, 141, 140, 136 then the line turns towards south direction and passes through plot numbers 136, 143, 142, 145, 154, 156, 153, 156, 175, 177, 185, 934, 936 and meets at point "B2".
- B2—C Line passes in village Daikhal and passes through plot numbers 936, 937, 938, 937, 939, 945, 946, 948, then proceeds in village Bankatola and passes through plot numbers 181, 183, 187, 189, 188, 192, 196, 195, 203, 205 then enter in village Dhankutta and passes through plot numbers 127, 123, 124, 117, 118, 117, 103 and meets at point 'C'.
- C—D—D1 Line passes in village Dhankutta and passes through plot numbers 103, 117, 71, 70, 63, 64, 36, then partly along the Northern boundary of plot number 36, then, through plot numbers 38, 48, 44 and meets at point 'D1'.
- D1—D2—E Line passes partly along the common boundary of villages Dhankutta and Bankatola then proceeds in village Bankatola along the northern boundary of plot number 93, Western boundary of plot numbers 92, 87, then through plot number 41 and meets at point 'E'.
- E—E1—F Line passes in village Bankatola through plot numbers 41, 87, 41, 87, 41, 87, 79, 80, 81, 82, 76, 75, 73, 66, 65, 63, 64, then proceeds in village Daikhal through plot numbers 129, 134, 120, 135, 119, 137, 117, 116, 38, 83, 84, 83, 81, 79, 47, 72, 66, 65, 58, 279, 315, then northern boundary of plot number 275 then through plot numbers 315, 316, 315, 319, 320, 321, 361 and meets at point 'F'.
- F—A Line passes in village Daikhal through plot numbers 361, 362, 364, 386, 387, 386, 529, 531, 534, 535, 540, 538, 608, 609, 611, 612, 614, 615, 623, 625, 626, 627, 638, 648, 647 and meets at the starting point 'A'.

[No. 43015/2/91—ESW]

B.B. RAO, Under Secy.

### भाषागत पूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

भारतीय मानक ब्यूरो

नई दिल्ली, 20 मई, 1993

का.धा. 1346 :—भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम 1988 के उपनियम (5) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिन साक्ष्यों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे स्वीकृत कर दिए गए हैं।

#### अनुसूची

क्रम संख्या	साक्ष्यों के सं. सीट/एल	साक्ष्यों की लागू होने की तारीख	साक्ष्यों के धारता का पता	वस्तु/प्रकार	IS सं./भाग
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	2411637	92-10-01	कोणार्क जूट लि., धनमंडल, कटक-754024	ए-टिब्रॉन पटसन के बोरे	IS 01943: 64

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
2.	2411738	92-10-01	सुनास्टेड पेटीकाइजडम, 13/477 नवा पाड़ा रायपुर (म.प्र.) 492001	बी एच सी (एच सी एच) 6 5% (प्र/प्र) IS: 00562: 78 गाथा आई सीएम इन्वर्सीपीसी	
3.	2411839	92-10-01	वि मिनीरिपरर कॉग-स्विनिग मिल्य लि., बीपुर (डा) मिन्नगर, मद्रास 625006	सूख और यह से पुनर्जनित मैग्नेजियम मिश्रित बीएम धागा	IS: 00171: 85
4.	2411940	92-10-01	माफनि रबड़ उद्योग, बी-69, सेक्टर 6, नोएडा, जि. गाजियाबाद 201301	बेरिड्य के लिए खड़े हुए	IS: 00447: 68
5.	2412033	92-10-01	कोहिनूर इंडस्ट्रीज, 453, गली माता बानी, मेलीबाड़ा, दिल्ली-110006	नीम पिन प्लग, 6ए और 16ए 240 घं	IS: 01293: 88
6.	2412134	92-10-01	बैबन स्टार फार्मिडक इंड 1510/107 विनगर, दिल्ली-110035	नीम पिन साकेट-अपडेटेड, 6ए 260घं, फ्लूश टाउन	IS: 01293: 88
7.	2412235	92-10-01	नारमा स्टील एलॉयन लि., एफ 4, उद्योग नगर, दिल्ली-110011	एच एस डी इस्पात के सरिएब्रेड 415 और 500. साइज 8 से 10 मिमी	IS: 01786: 85
8.	2412336	92-10-01	भूषण ब्रदर्स प्रा. लि., 124 निरंजनपुर, बेहलपूर-248001	पोर्टलैंड पोर्जालाना सीमेंट, कैल्सीकृत मिट्टी आधारित	IS: 21489: 91
9.	2412437	92-10-01	धरोदा टिन इंडस्ट्रीज, 617 निरंजन रोड, छपरा रोड, जि. गाजियाबाद	यनस्पति और बाथ लेनों के लिए 15 किमा. के बीकोर कनस्तर	IS: 10325: 85
10.	2412538	92-10-01	आई पावर इंजीनियरिंग बसर्स, प्लाट नं. 167-168 फोड नं. सी 1/15, संताराम नगर बीआई डी सी एस्टेट, बिंदुल उद्योग नगर, तालुक-भानुद (गुजरात) 386121	कृषि क्षेत्र प्रयोजनों के लिए मोनोसैट पम्प	IS: 09079: 85
11.	2412639	92-10-01	फिट प्लाई इंड. लि., लिनमुक्तिगा सेमिट, रंगामोरा, लिनमुक्तिगा (धम्म) 786125	प्लाफ बोर्ड, ग्रेड 1 टाइप 2, एकल सी ओ एम	IS: 01639: 90
12.	2412740	92-10-01	साउथ इंडिया काकर रोम लि., डा. एशायला, अलवार 683561	निर्जन पुनो के लिए लकड़-दलकी और लकड़	IS: 00282: 79
13.	2412841	92-10-01	ए. के. इंडस्ट्रीज, ग्रा.-राकोम-सपरीन, जि.-मोनाम (हि.प्र.) 173211	जस्तीकृत इस्पात प्रवर्धित काटेदार तार टाइप- बी, साइज पदनाम 3	IS: 00278: 78
14.	2412942	92-10-01	स्वदेशी मैटल्स प्रा. लि., 84 इंड. एरिया, फेज 2, जंसीगढ़ 1	सिरोपरि प्रेषण हेतु एल्युमिनियम मिश्रधातु के लकड़ार बालक (एल्युमिनियम मैग्नीशियम-सिलि- कॉम टाइप)	IS: 00398: 79 भाग-4
15.	2413035	92-10-01	क्रिस्टल पावर इंड. लिमिटेड प्रा. लि., ग्रा. धौलू माजरा, डेरा बासज, जि.-फाटियाला (पंजाब)	लवण से गलेज किए स्टीनब्रेडर के पाइप 100 मिमी से 200 मिमी तक, साधा वेड ए.	IS: 00651: 80
16.	2413136	92-10-01	क्रिस्टल एंड कं. बापू नगर, जि. गार्डेन रोड, भजकोट 1	कृषि प्रयोजनों के लिए मोनोसैट पम्प केसीएम 9(75-83) (मिमी साइज)	IS: 09079: 89
17.	2413237	92-10-01	रोटोमोट (इंडिया) प्रा. लि., विश्ववर्ध एस्टेट प्लाट रोड सामियाला बडोबा (गुजरात) 381410	पूर्ण दाय संघाकित पारीक्षकशील, के जल संशोधक इकाई	IS: 12701: 39

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
18.	2413338	92-10-01	विक्रम सोमेट प्रा. लि., 13/116 जी. मिथिया रोड, कानपुर 208001	गैरिड धानुमन सोमेट	IS : 00455 : 39
19.	2413439	92-10-01	कमला काला मेन्ट कम्पनी, 31/2 ए. सी. रोड, गैरिड रोड, हावड़ा 911108	जल, गैस सोवर हेतु प्रीमिज एवं सोले के फुदरे फ्रीज वाले पाइप साइज 200 मिमी से 350 मिमी तक प्रोपल	IS : 07181 : 86
20.	2413540	92-10-01	रोलेक्स इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूट, 100/एच/24 बिल्कुल स्ट्रीट, कलकत्ता 700014	संश्लिष्ट रकड़ के सोस गैस और एडिया	IS : 03676 : 87
21.	2413641	92-10-01	इलेक्ट्रॉनिक्स कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., कम्प्यूटर इलेक्ट्रॉनिक्स ग्रुप, इमिल डा. हैदराबाद 500762	संश्लिष्ट इलेक्ट्रॉनिक्स ग्राह्य साइज संख्या 2075	IS : 10022 : 83
22.	2413742	92-10-16	लामो पीप एंड पेपर्स प्रा. लि., ए-14/2 एम आई जी सी एरिया बिकल्पाना, ओरंगाबाद 431210	उच्च घनत्व पॉलिथेनलीन से बने कागड़े के तिरपाल	IS : 07903 : 94
23.	2413843	92-10-16	पॉलीथीलीफिल्म इंस्टीट्यूट, मफलाज सेक्टर, गारीमन प्लांट, बम्बई 400021	सामान्य इलेक्ट्रॉनिक्स ग्राह्य के लिए इस्पात के जस्तीकृत प्रोटीनलीन बार	IS : 07028 : 84
24.	2413944	92-10-16	डीसी इलेक्ट्रिकल्स, प्लॉट नं. 22, बेटमा सायोग रोड, सेक्टर 3, पीएम गुरु, जिला-धारा (म.प्र.)	संश्लिष्ट और बहुलक के लिए उच्च घनत्व पॉलीथीलीन	IS : 00289 : 73
25.	2414037	92-10-16	मिर्जा पीसीसी एंजोपर्स एंड एलाइड इंज. प्रा. लि., ए-75 ई. एरिया सिकंदराबाद, जि.-हसनगर 203205	दूरी वाले कर्षण पाइप	IS : 00458 : 88
26.	2414138	92-10-16	गलाइड इलेक्ट्रिकल्स, के-90 उद्योगनगर, ई. एरिया, रोहतक रोड, दिल्ली-110041	वायु विद्युत स्विच और कूल संचालन रोडर बार लगाये जा सकने वाले कूल मॉडल	IS : 04034 : 79
27.	2414239	92-10-16	अलंकार केवल इंस्टीट्यूट, बसरा नं. 291, गली नं. 2, भालीमार बाग ई. एरिया, दिल्ली 110052	1100 से अधिक कार्यकारी बाल्डता के लिए कमजोर और अक्षय प्रोटीनलीन साइजों बाली गोरीसी रोहित केवल	IS : 01554 : 88
28.	2414340	92-11-01	स्पार्कल प्रॉडक्ट्स प्रा. लि., 258 गली प्रा., बंधरपुर, मथुरा रोड, नई दिल्ली-110044	प्रतिष्ठित इलास्टीक साइजों	IS : 05759 : 70
29.	2414441	92-11-01	वि. मैनूर लैम्प वर्क्स लि., पुराना बुनकर रोड, मालेश्वरम लि., (तिनसुकिया) रंभासोरा रोड, तिनसुकिया (असम) 780125	उच्च दाब सोलरम बाल्ड लैम्प 400 वा. म आइए केवल	IS : 09974 : 81 माध : 01
30.	2414542	92-11-01	क्रिड प्लाई ई. लि. (तिनसुकिया) रंभासोरा रोड, तिनसुकिया, (असम) 780125	कमीट गैरिड के लिए प्लाईवुड	IS : 04990 : 31
31.	3000126	92-11-01	एक्सीन इलेक्ट्रिकल वर्क्स, गुमना-डा. गोरीया, हावड़ा- (प. बंगाल)	सामान्य सेवा के लिए नव्य केवल हेतु सामान्य न्य सेवा और इलेक्ट्रॉनिक का बाल्डता (इसी इंटी) इलेक्ट्रॉनिक हेतु इलेक्ट्रॉनिक	IS : 09968 : 88 माध : 01
32.	4000131	92-10-16	ग्लोस कैमिकल्स एंड मिनरल्स प्रा. लि., सी-5, सी-9 ई. एस्टेट, गिबरेट्टी रोड, बिकलाबाद, जि. रंगरेड्डी (आ.प्र.)	बनस्पति तेलों के विरंजन हेतु भारतीय मूल की मूला	IS : 01065 : 72

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
33. 6000232	92-10-16	वासुदेव सोमैट्य लि. मत्स्यपुर, बीडटा पल्ली गा., महाराष्ट्रपाल मांभल, नालगोंडा जि.-508204	33 ब्रेड साधारण पोर्टेबल सीमेंट	IS : 00269 : 89	
34. 6000333	92-11-01	विद्यु कैमिकल्स, 1/6 टंक रोड, तजरापेट, पुनामेल्ली, मदरास-602103	सोपीमैटोफास 98%	IS : 08074 : 90	
35. 6000434	92-11-01	बैपार्ड एग्रो केमिकल्स, 73/2 पुन्नूर डेयरी रोड, नायमेडु सेलम (तमिलनाडू) 636002	बीएससी डबल्यू डी पी 30%	IS : 00562 : 78	
36. 6000335	92-11-01	प्रधानमंत्री बक्से 167-बी, मुल्लाकोटा गा., अरुपकोट्टाई ताम्बक, कामराज जि.,	डिजेली बल्ब डबल्यू डीपी	IS : 02689 : 92	
37. 6000636	92-10-01	वि. विनोद जिन्ना कॉन्फरेटिव मिक्स प्राइव्जर्स, यूनियन लि. मि. प्राइव्जर्स फेक्ट्री, चिन्नीर (या.प्र.) 517002	मक्खनिया दूध पाउडर	IS : 13334 : 92 भाग : 01	
38. 6000737	92-10-01	संगम डगरी, वि. गुंडूर जिन्ना मिक्स प्राइव्जर्स, काप यूनियन लि., बदालामुडी, वेदलामुडी (आ.प्र.)	मक्खनिया दूध पाउडर	IS : 13334 : 92 भाग : 01	
39. 6000838	92-11-01	मिक्ज कास्टिंग बी-184, पीतया टंट, एस्टेट, मेकोड स्टेशन, बंगलौर 560058	विभाई पाथों के लिए पॉलीइथिलीन पाउच	IS : 12784 : 89	
40. 6000939	92-11-01	मन्नम केचल इंस्टीट्यूट, एसपी-113, टंट, एस्टेट, अम्मात्तूर, मन्नम-600053	1100 बी एक कार्यकारी बॉल्टना के लिए पीसीसी रोहित केचल	IS : 00094 : 90	
41. 7000136	92-10-01	एच. कैमी इंस्टीट्यूट लि., चक्रवर्ती अशोक रोड, 1, अशोकनगर, कंटीबली (पू.) बम्बई 400001	क्लोरोपाइनेफॉम डीपी	IS : 08044 : 78	
42. 7000237	92-10-01	अपार लि., लाइटिंग डिजाइन, लिम्ब्रासी भावुर-नादर, जि. खेड़ा (गुजरात)	सामान्य प्रकाश सेवा के लिए नलिकाकार फ्यूरी-15 रोसेल्ट लैम्प	IS : 02418 : 77 भाग : 01	
43. 7000338	92-10-01	मेन्डोप (इंडिया) लि., डारा में पेन्टाकिल, पेन्टीमाइडम इट., प्लाट नं. 236, जी. आर्ट डीसी, पनोली 391115	क्लिनाफॉम डीसी	IS : 08028 : 87	
44. 7000439	92-10-01	मेन्डोप (इंडिया) लि., डी. डारा पेन्टाकिल पेन्टीमाइडम इट. प्लाट नं. 236, जी. आर्ट डी सी, पनोली ।	कापरा याकपीकपीराइड डबल्यू डीपी	IS : 01597 : 77	
45. 7000540	92-10-01	साबरकोटा जि. कापरेटिव मिक्स प्राइव्जर्स, यूनियन लि., साबर डेयर, पो.ब.नं. 21, हिम्मत नगर 383001	मक्खनिया दूध पाउडर	IS : 13334 : 92 भाग : 01	
46. 7000641	92-10-01	कैरा डिस्ट्रिक्ट कॉन्फरेटिव प्राइव्जर्स, यूनियन लि., भानन्द आणंद (गुजरात) 388001	मक्खनिया दूध पाउडर	IS : 13334 : 92 भाग : 01	
47. 7000742	92-10-01	जुनागढ़ डेयरी (गुजरात डेयरी) उबलपमेंट कारपोरेशन लि., जी. इलाही) जफ्फार सैदान, जुनागढ़ 362001	मक्खनिया दूध पाउडर	IS : 13334 : 92 भाग : 01	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
48. 7000943	92-10-01	मेतवाणा इन्डियन कॉर्पोरेट मिल्क प्रॉड्यूसर्स यूनियन लि., गुड सागर डयरी, स्टेट हाउस, मेतवाणा 384002	मकानिया दूध पाउडर		IS: 13334: 92 भाग: 01
49. 7000944	92-10-01	बनासकांठा इन्डियन कॉर्पोरेट मिल्क प्रॉड्यूसर्स यूनियन लि., पो. बाक्स नं. 20, पासनपुर 385001	मकानिया दूध पाउडर		IS: 13334: 92 भाग: 01
50. 7001037	92-10-16	ग्रेटवुड टैक्नोलॉजी (इंडिया) प्रा. लि., 238, 238 जी आई डीसी बाघोडिया, बनोवरा 2391760	घातु वाले बलिग केतु पारमिग इलेक्ट्रोड		IS: 00814: 74 भाग: 01
51. 7001138	92-10-16	जलगांव जिला सहकारी दूध उत्पादक संघ लि. पो. बाक्स नं. 32, जलगांव 425001	मकानिया दूध पाउडर		IS: 13334: 92 भाग: 01
52. 7001239	92-10-16	श्रीवर्ण सहकारी दूध उत्पादक प्रशिक्षण संघ लि. समुंनसर हा. बारासगर, कोल्हापुर जि. 416113	मकानिया दूध पाउडर		IS: 13334: 92 भाग: 01
53. 7001340	92-10-16	कोल्हापुर जिला सहकारी दूध उत्पादक संघ लि. बी-1, एमआईडीसी गोकुल मोगरांव, तालुक-करवीर, कोल्हापुर 416003	मकानिया दूध पाउडर		IS: 13334: 92
54. 8000141	92-10-01	प्रताप स्टील रोलिंग मिल्स (1935) लि., 601 सेक्टर 3, पीतमपुर, (म.प्र.) 454771	गवपमटी इस्पात के मरिण पत्र 416		IS: 01788: 85
55. 8000242	92-10-16	एम. थार लैम्प इंड. 1-33 इंड एस्टेट हस्तिनापुर (उ.प्र.)	प्रकाश सेवा के लिए टंगस्टन लंबु वाले बल्ब		IS: 00418: 78
56. 8000343	92-10-16	बहार बैम फर्ट (प्रा.) लि., ग्रा एच हा मीरा, खेडी गंगोड रोड, साह्यादपुर 247340	कपि रोड जिला-साफेट		IS: 08249: 76
57. 8000144	92-10-16	सनीश स्टील रोलिंग मिल्स 520 ए, जी टी रोड, ग्राहदरा बिस्नी-110032	इन्डमॉय रॉलिंग इस्पात एक समान एंगल		IS: 02062: 85
58. 8000515	92-10-16	पूनाइट इन्जीनियर्स, मलाइकुड, वेदराजुत	पानी के मीटर (बरेलू टाइप)		IS: 00779: 78
59. 8000646	92-11-01	गान्धिवर क्रॉपरेटिव मिल्क प्रॉड्यूसर्स यूनियन लि., एच डेवरी प्लांट, इंड एरिया, बनमोर, सुर्ना 476444	मकानिया दूध पाउडर		IS: 13334: 92
60. 8000717	92-11-01	आर.के. फुडप्राइजेज, 131/ए 16, आंकार नगर, "ब्रीज" बिनगर, दिल्ली-110035	बनमोषि नैपदीक लिटिगेशन यन		IS: 03906: 82 भाग: 01
61. 8000848	92-10-16	टाटा कैमिकल्स लि., प्लांट नं. 201 सेक्टर 1, इंड एरिया, पीतमपुर, जि -धर (म.प्र.)	बरेलू धुलाई के लिए डिटरजेंट		IS: 01935: 82
62. 8000919	92-11-01	फुनैरा मोबैट प्रा. लि., 26-28 रिक्को इंडस्ट्रियल एरिया, फुनैरा, जि.-जयपुर-303338	गामान्य मोबैट गैस		IS: 00268: 89



(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
63. 8001042	92-11-01	लक्ष्मी मिल्क टैस्टिंग मशीनरी कं., ए-90 प्रुप ब्रं. एरिया, बजीरपुर, दिल्ली-110052	एल्युमिनियम मिश्रधातु के दूध के डिब्बे	IS : 01825 : 83	
64. 8001143	92-11-01	बंसन इंजिनी, 42 राजस्थानी उद्योगनगर, जी.टी. करनाम रोड, दिल्ली-110033	सामान्य इंजीनियरी प्रयोजनों के लिए मृदु इस्पात के बार	IS : 00280 : 78	
65. 8001244	92-11-01	ब्राइट पेन्ट एंड कैंसीकल्स, 16/2 ए साइट 4, ब्रं. एरिया, साहिबबाद जि.-गाजियाबाद	सीमेंट रोगन	IS : 05410 : 69	
66. 8001345	92-11-01	नार्थ ईस्टर्न केबल्स एंड कंडक्टर प्रा. लि., एफ-44 ब्रं. एरिया, सीकर, (राज.)	शिरोपरि प्रेषण हेतु अस्तीकृत इस्पात प्रबलित एल्युमिनियम चालक	IS : 00398 : 76 भाग : 2	
67. 9000146	92-10-01	मिल्क फूड लि., डा. बहादुर गढ़, जि. पटियाला 157002	मक्खनिया दूध पाउडर	IS : 13334 : 92 भाग 01	
68. 9000247	92-10-01	होशियारपुर डिस्ट्रिक्ट मिल्क प्रॉड्यूसर्स यूनियन लि., डा. अर्जुनवाण लुंगी के पास, पो. बाक्स नं. 17, होशियारपुर 146001	मक्खनिया दूध पाउडर	IS : 13334 : 92 भाग : 01	
69. 9000348	92-10-01	दि लुधियाना डिस्ट्रिक्ट मिल्क प्रॉड्यूसर्स यूनियन लि., मिल्क प्लांट जंगरौव रोड, लुधियाना 141004	मक्खनिया दूध पाउडर	IS : 13334 : 92 भाग : 01	
70. 9000449	92-10-01	वि अमृतसर डिस्ट्रिक्ट मिल्क प्रॉड्यूसर्स यूनियन लि., मिल्क प्लांट, बरकम, अमृतसर	मक्खनिया दूध पाउडर	IS : 13334 : 92 भाग : 01	
71. 9000550	92-10-01	वि गुरुदासपुर डिस्ट्रिक्ट मिल्क प्रॉड्यूसर्स मिल्क प्लांट, पो. बाक्स नं. 5 गुरुदासपुर 143521	मक्खनिया दूध पाउडर	IS : 13334 : 92 भाग : 01	
72. 9000651	92-10-01	दि भटिंडा डिस्ट्रिक्ट मिल्क प्रॉड्यूसर्स यूनियन लि., मिल्क प्लांट डबावाली रोड, भटिंडा 151001	मक्खनिया दूध पाउडर	IS : 13334 : 92 भाग : 01	
73. 9000752	92-10-01	दि संगरूर डिस्ट्रिक्ट कापरेटिव मिल्क प्रॉड्यूसर्स यूनियन लि., पो. बाक्स 9, मिल्क प्लांट, संगरूर 148001	मक्खनिया दूध पाउडर	IS : 13334 : 92 भाग : 01	
74. 9000853	92-10-01	दि बोयाबा डिस्ट्रिक्ट कापरेटिव मिल्क प्रॉड्यूसर्स यूनियन लि., जी.टी. रोड, बाह्य पास, जालंधर 144008	मक्खनिया दूध पाउडर	IS : 13334 : 92 भाग : 01	
75. 9000954	92-10-16	जयश्री एग्री इंस्टीट्यूट (प्रा.) लि., शा एवं डा नाथपुर, जि. सोनीपत	आइसोप्रोटेयूरॉन डब्ल्यूपी	IS : 11995 : 87	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
76.	9001047	92-11-01	हिमाचल इंडस्ट्रीज, पावर हाउस, सोलन 173212	एल्युमीनियम चालक-एसीएसधार	IS: 00398: 76 भाग: 02
77.	9001148	92-11-01	हिमाचल इंडस्ट्रीज, पावर हाउस, सोलन 173212	एल्युमीनियम चालक-एसी	IS: 00398: 76 भाग: 01
78.	9001249	92-11-01	भार. के. वेल्डस (प्रा.) लि., 233 मिमी मील का पथर, सहस्रिव जी.टी. रोड, प्रा. फरीदपुर, डा.-फोफकल, राजपुरा 140401	भावित इलेक्ट्रोड	IS: 00814: 91
79.	9001350	92-11-01	बल्लभ स्टील लि., जी.टी. रोड, प्रा. पावा. साहनेवाल, बुधियाना :	एम.एस. पाइप, नलिकाकार एवं इन्व्यूएस फिटिंग	IS: 0239: 90 भाग: 01
80.	9001451	92-10-16	के.सी. रिफाइनरीज, मिडको इंड. एस्टेट, बारीबाहमण, जम्मू 185533	वनस्पति	IS: 10633: 86
81.	9001552	92-11-01	संगम रबड़ इंडस्ट्रीज, 3123 इंड. एरिया, फेज II, बंदीगढ़	प्रचल भंडारण टाइप पानी गर्म करने के बिजली के हीटर	IS: 02082: 85
82.	9001653	92-10-01	दि हिसार जीव कोआपरेटिव प्रॉड्यूसर्स यूनियन लि., मिल्क प्लांट, जीव 126102	मक्खनिया दूध पाउडर	IS: 1334: 92 भाग: 01
83.	9001754	92-11-01	बन्ना सीनियर्स, 46 इंड. डवलपमेंट कालोनी, हिसार 125005	मेनहोम के लिए बले लोहे के स्टेप	IS: 05455: 69
84.	9001855	92-11-01	ओवरसीज केबलस लि., डी-99 फोकल प्वाइंट, राजपुरा (पंजाब)	एल्युमीनियम चालक-एसएम	IS: 00398: 76 भाग: 01
85.	9001956	92-11-01	ओवरसीज केबलस लि., डी-99 फोकल प्वाइंट, राजपुरा (पंजाब)	एल्युमीनियम चालक-एसीएसीधार	IS: 00398: 76
86.	5000227	92-11-01	बेल्टा इंडस्ट्रीज लि., प्रा. मानिकपुर, या. बेल्टा मिल्स, जिला—हावड़ा	इथियन हैमियन	IS: 2818: 71 भाग: 02
87.	5000328	92-11-01	कनक सीमेंट प्रा. लि., प्रा. लेंग, डा. कसबहल, जिला—सुंदरगढ़, उड़ीसा	पोर्टलैंड/सीमेंट	IS: 455: 89
88.	5000429	92-11-01	कनक सीमेंट प्रा. लि., प्रा. लेंग, डा. कसबहल, जिला सुंदरगढ़ उड़ीसा	साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	IS: 267: 89

**MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS & PUBLIC DISTRIBUTION  
BUREAU OF INDIAN STANDARDS**

New Delhi, the 20th May, 1993.

S.O.1346.—In pursuance of sub-regulation (5) of the Bureau of Indian Standards (certification) Regulations, 1988, the Bureau of Indian Standards, hereby notifies the grant of licences particulars of which are given in the following schedule.

**SCHEDULE**

Sl. No.	CM/L-No.	Operative Date	Name & Address of the Party	Article/Process covered by the licence	IS : No./Part
1	2	3	4	5	
1.	2411637	1992-10-01	Konark Jute Ltd., Dhanmandal Cuttack-754024	A-Twil Jute bags	IS 01943 : 64
2.	2411738	1992-10-01	United Pesticides, 13/477, Naya Para Raipur (MP) 492001	BHC (HCH) 6.5% (m/m) Gamma isomer WDPC	IS 00562 : 78
3.	2411839	1992-10-01	The Miserear Co-Op. Spinning Mills Ltd., Thoppur (PO), Thirunagar, Madurai-625006	Cotton and cotton TCF blended Grey Yarn	IS 00171 : 85
4.	2411940	1992-10-01	Maruti Rubber Udyog, B-69, Sector V, NOIDA, Distt. Ghaziabad-201301	Rubber hose for welding	IS 00447 : 88
5.	2412033	1992-10-01	Kohinoor Industries, 453, Gali Mata Wali, Teliwara, Delhi-110006	Three pin plugs, 6A and 16A 240V	IS 01293 : 88
6.	2412134	1992-10-01	Seven Star Plastic Inds., 1510/107, Tri Nagar, Delhi-110035	Three pin socket-outlets 6A, 250V, Flush type.	IS 01293 : 88
7.	2412235	1992-10-01	Norma Steel & Alloys Ltd., F-4, Udyog Nagar, Delhi-110041	HSD steel bars of grade Fe 415 and Fe 500 sizes 8 to 16 MM	IS 01786 : 85
8.	2412336	1992-10-01	Bhushan Brothers Pvt. Ltd., 124, Niranjanpur, Dehradun-248001	Portland pozzolana cement calcined clay based	IS 01489 : 91 Part : 02
9.	2412437	1992-10-01	Arora Tin Industries, 617, Bishakh Road, Chhapraula, Distt. Ghaziabad	15 Kg Square tins for vanaspati and edible oils	IS 10325 : 85
10.	412538	1992-10-01	III-Power Engineering Works, Plot No. 167-168, Shed No. C 1/15, Near Santram Gear GIDC Estate, Vithal Udyog Nagar, Tal-Anand (Gujarat) 388121	Monoset pumps for agricultural purposes	IS 09079 : 85
11.	2412639	1992-10-01	Kitply Inds. Ltd., Tinsukia Unit, Rungagora, Tinsukia (Assam) 786125	Blockboards, grade 1 type 2 (xcom)	IS 01659 : 90
12.	2412740	1992-10-01	South India Wire Ropes Ltd., Edathala PO, Alwaye-683561	Wire ropes and strands for suspension bridges	IS 09282 : 79
13.	2412841	1992-10-01	Aay Kay Industries, Vill Rabon-Saproon, Distt. Solan (HP) 173211	Galvanized steel barbed wire type B, size designation 3	IS 00278 : 78

1	2	3	4	5
14. 2412942	1992-10-01	Swadeshi Metals Pvt. Ltd., 64, Indl. Area, Phase II Chandigarh	Aluminium Alloy stranded conductors (Aluminium-Magnesium Silicon Type) for overhead Transmission purposes	IS 00398 : 79 Part : 04
15. 2413035	1992-10-01	Crystal Pipes & Ceramics Pvt Ltd., Village Gholu Majra Dera Bassi, Distt. Patiala (Punjab)	Salt glazed stoneware pipes, 100 to 250 mm straight Grade A	IS 00651 : 80
16. 2413136	1992-10-01	Kirit and Co., Bapu Nagar, Jilla Garden Road, Rajkot.	Monoset pumps for agricultural purposes for KCM 8 (75 × 65mm size)	IS 09079 : 89
17. 2413237	1992-10-01	Rotomould (India) Pvt. Ltd., Vijay Indl. Estate, Padra Road, Samiala, Baroda (Gujarat) 3971410	Rotational moulded polyethylene water storage tanks	IS 12701:89
18. 2413338	1792-10-01	Vikram Cements Pvt. Ltd., 14/116-D, Civil Lines, Kanpur 208001	Portland slag Cement	IS 00455:89
19. 2413439	1992-10-01	Kamala Valves Mfg. Concern, 31/2, 'Y' Road, Belgachia, Howrah 711108	Horizontally cast iron double flanged pipes for water, gas & sewage of sizes 200 mm upto and including 350 mm dn	IS 07181 : 86
20. 2413540	1992-10-01	Rolex Engineering Industries, 100/H/24, Dilkhusa Street, Calcutta 700017	Moulded solid rubber soles and heels.	IS 05676 : 87
21. 2413641	1992-10-01	Electronics Corpn. of India Ltd. Consumer Electronic Group, ECIL Post Office, Hyderabad 500762	Colour transmission receivers, 'Model Spectra Jewelt-2075'	IS 10622 : 83
22. 2413742	1992-10-16	Lami Fab & Papers Pvt. Ltd., A-14/2, MIDC Area, Chikalthana, Aurangabad-431210	Tarpaulins made from high density polyethylene woven fabric.	IS 07903 : 84
23. 2413843	1992-10-16	Polyolefins Inds. Ltd., Mafatlal Centre, Nariman Point, Bombay 400021	High Density Polyethylene materials for moulding and extrusion	IS 07328 : 74
24. 2413944	1992-10-16	Dee Cee Electricals Pvt. Ltd., Plot No. 22 Betma Sagore Road, Sector 3, Pithampur, Distt. Dhar (MP)	Mild steel wire for general engineering purposes, annealed galvanized.	IS 00280 : 78
25. 2414037	1992-10-16	Mirza PCC Sleepers & Allied Inds. Pvt. Ltd., A-75, Indl. Area, Sikandrabad, Distt. Bulandshahr 203205	Precast concrete pipes	IS 00458 : 88
26. 2414138	1992-10-16	Allied Electricals K-90, Udyog Nagar Indl. Area, Rohtak Road, Delhi-110041	Air-Break switches and fuse combination units with rewirable fuses	IS 04064 : 78 Part : 01
27. 2414239	1992-10-16	Alankar Cable Industries, Khasra No. 291 Gali No. 2, Shalimar Bagh Indl. Area, Delhi-110052	PVC Insulated (Heavy Duty) Electric cables for working voltages upto & including 1100V, armoured and unarmoured with aluminium conductors.	IS 01554 : 88 Part : 01

1	2	3	4	5
28. 2414340	1992-11-01	Sparkle Products Pvt. Ltd., 258, Aali Village Badarpur, Mathura Road, New Delhi-110044	Ethylene glycon antifreeze, type A only.	IS 05759 : 70
29. 2414441	1992-11-01	The Mysore Lamp Works Ltd., Old Tumkur Road, Malleswaram West, PB No. 5551 Bangalore 560055	High pressure sodium vapour Lamps, 400W, sun type only	IS 09974 : 81 Part : 01
30. 2414542	1992-11-01	Kitply Inds. Ltd., (Tinsukia Unit), Rungagora Road, Tinsukia (Assam) 786125	Plywood for concrete shuttering work	IS 04990 : 81
31. 5000126	1992-11-10	Evergreen Electrical Works Subharara PO Gabberia, Howrah (WB)	Elastomcter insulates for general service and elastomer sheathed (Heavy Duty) for general service flexible cables.	IS 09968 : 88 Part : 01
32. 6000131	1992-10-16	Juloori Chemicals & Minerals Pvt. Ltd., C5-C9, Indl. Estate, Shivareddypet Vikarabad, Disstt. Rangareddy (AP) 501101	Bleaching earths of Indian origin used for bleaching veg. oils.	IS 09165 : 72
33. 6000232	1992-10-16	Vasudeva Cements Ltd., Satyapur, Choutapally Village Mattampalli Mandal, Nalgonda Distt. 508204	Ordinary portland cement 33 grade	IS 00269 : 89
34. 6000333	1992-11-01	Chith Chemicals 1/6, Trunk Road, Nazarethpet Poonamallee Madras 602103	Monocrotophos 36%	IS 08074 : 90
35. 6000434	1992-11-01	Vaigai Agro Chemicals 73/2, Puthur Ittery Road, Neth Medu Salem (TN) 636002	BHC WDP 50%	IS 00562 : 78
36. 6000535	1992-11-01	The Ayyan Match Works, 167-B, Sulakkara Village, Aruppukottai Taluk Kamarajar Distt.	Safety Matches in boxes	IS 02653 :
37. 6000636	1992-10-01	The Chittoor Distt. Co-Op. Milk Producers Union Ltd. Milk Products Factory, Chittoor (AP) 517002	Skin Milk Powder	IS 13334 : 92 Part : 01
38. 6000737	1992-10-01	Sangam Dairy The Guntur Distt. Milk Producer Co-op. Union Ltd., Vadlamudi, Vadlamudi (AP)	Skin Milk Powder	IS 13334 : 92 Part : 01
39. 6000838	1992-11-01	Krisch Castings C-184, Peenya Indl. Estate, Second Stage Bangalore 560058	Polyethylene pipes for irrigation laterals	IS 12786 : 89
40. 6000939	1992-11-01	Madras Cable Industries SP 113, Indl. Estate, Ambattur Madras 600058	PVC insulated cables for working voltages upto and including 1100 V	IS 00694 : 90

1	2	3	4	5
41. 7000136	1992-10-01	New Chemi Industries Ltd., Chakravarti Ashok Cross Road-1 Ashok Nagar, Kandivli East, Bombay 400101	Chlorpyrifos EC	IS 08944 : 78
42. 7000237	1972-10-01	Apar Ltd., Lighting Division Limbari, Talaha Natar, Distt. Kheda (Guj.)	Tubular fluorescent lamps for General lighting service	IS 02418 : 77
43. 7000338	1992-10-01	Sandox (India) Ltd., C/o M/s Pesthil Pesticides Inds Plot No. 236 GIDC Panoli 374115	Quinalphos EC	IS 08028 : 87
44. 7000439	1992-10-01	Sandox (India) Ltd. C/o M/s Pesthil Pesticides Inds, Plot No. 236 GIDC, Panoli 394115	Copper Oxychloride WDPC	IS 01507 : 77
45. 7000540	1992-10-01	Sabarkantha Distt. Co-Op. Milk Producers Union Ltd., Sabar Dairy, PO Box No. 21 Himatnagar 383001	Skim Milk Powder	IS 13334 : 72
46. 7000641	1992-10-01	Kaira Distt. Co-Op. Milk Producers Union Ltd., Anand, Anand (Guj.) 388001	Skim Milk Powder	IS 13334 : 92 Part : 01
47. 7000742	1992-10-01	Junagadh Dairy (Unit of Guj. Dairy Dev Corpn. Ltd.), Jaffar Majdan, Junagadh 362001	Skim Milk Powder	IS 13334 : 92 Part : 01
48. 7000843	1992-10-01	Mehsana Distt. Co-Op Milk Producers Union Ltd., Sudhsagar Dairy, State Highway Mehsana 384002	Skim Milk Powder	IS 13334 : 92 Part : 01
49. 7000944	1992-10-01	Banaskantha Distt. Co-Op. Milk Producers Union Ltd., PO Box No. 20 Palanpur 385001	Skim Milk Powder	IS 13334 : 92 Part : 01
50. 7001037	1992-10-16	Jetweld Pechnology (India) Pvt. Ltd., 238, 239, GIDC, Vaghodia Vadodara Distt. 391760	Covered electrodes for metal arc welding	IS 00814 : 74 Part : 01
51. 7001138	1992-10-16	Jalgaon Jilha Sabakari Dudh Utpadak Sangh Ltd., Post Box No. 32 Jalgaon 425001	Skim Milk Powder	IS 13334 : 92 Part : 01
52. 7001239	1992-10-16	Shreewarana Sahakari Dudh Utpadak Prakriya Sangh Ltd., Amrutnagar, Post Waranagar Kolhapur Distt. 416113	Skim Milk Powder	IS 13334 : 92 Part : 01
53. 7001340	1992-10-16	Kolhapur Zilha Sahkari dudh Utpadak Sangh Ltd., B-1, MIDC Gokul Shirgaon Shirgaon Taluka : Karvir Kolhapur Distt. 416003	Skim Milk Powder	IS 13334 : 92 Part : 01

1	2	3	4	5
54. 8000141	1992-10-01	Pratap Steel Rolling Mills (1935) Ltd., 601, Sector III Pithampur (MP) 454774	HSD steel bars of grade Fe 415	IS 01786 : 85
55. 8000242	1992-10-16	M.R. Lamp Inds., I-15, Indl. Estate, Hastinapur (UP)	Tungsten filament general service electric lamps	IS 00418 : 78
56. 8000343	1992-10-16	Batar Chemfert (Pvt) Ltd. Village & PO Beera Kheddi Gangoh Road, Distt. Saharanpur 247340	Zinc sulphate agricultural grade	IS 08249 : 76
57. 8000444	1992-10-16	Satish Steel Re-Rolling Mills, 520 A, G.T. Road, Shahdara Delhi-110032	Weldable structural steel equal Angles	IS 02062 : 84
58. 8000545	1992-10-16	United Engineers F-114, Indl. Area, Selalkui Dehradun	Water Meter (domestic type)	IS 00779 : 78
59. 8000646	1992-11-01	Gwalior Co-Op. Milk Producers Union Ltd., New Dairy Plant Indl. Area Banmore Morena 476444	Skim Milk Powder	IS 13334 : 92 Part : 01
60. 8000747	1992-11-01	R.K. Enterprises 131/A/16, Onkar Nagar, 'B' Tri Nagar Delhi 110035	Hand operated knapsack sprayer	IS 03906 : 82 Part : 01
61. 8000848	1992-10-16	Tata Chemicals Ltd., Plot No. 201, Sector I, Indl. Area, Pithampur, Distt. Dhar (MP)	Household laundry detergent powders	IS 04955 : 82
62. 8000949	1992-11-01	Phulera Cement Pvt. Ltd. 26-28, RHICO Indl. Area Phulera Distt. Jaipur 303338	Ordinary Portland Cement	IS 00269 : 89
63. 8001042	1992-11-01	Lakshmi Milk Testing Machinery Co., A-90, Group Indl. Area Wazirpur Delhi-110052	Aluminium Alloy Milk cans	IS 01825 : 83
64. 8001143	1992-11-01	Bansal Industries 42, Rajasthani Udyog Nagar G.T. Karnal Road, Delhi-110033	Mild steel wire for general engineering purposes	IS 00280 : 78
65. 8001244	1992-11-01	Brite Paint & Chemicals 16/2A, Site 4 Indl. Area Sahibabad Distt. Ghaziabad	Cement Paint	IS 05410 : 69
66. 8001345	1992-11-01	North Eastern Cables & Conductors Pvt. Ltd., F-44, Indl Area, Sikar Sikar (Rajasthan)	Aluminium conductors galvanized steel reinforced for overhead transmission purposes	IS 00398 : 76 Part : 02
67. 9000146	1992-10-01	Milk Food Ltd., PO Bahadurgarh Distt. Patiala 147002	Skim Milk Powder	IS 13334 : 72 Part : 01

1	2	3	4	5
68. 9000247	1992-10-01	Hoshiarpur Distt. Coop. Milk Producers Union Ltd., Vill. Ajjowal Near Octroi Post PB No. 17 Hoshiarpur 146001	Skim Milk Powder	IS 13334 : 92 Part : 01
69. 9000348	1992-10-01	The Ludhiana Distt. Co-Op. Milk Producers Union Ltd., Milk Plant Jagraon Road, Ludhiana 141004	Skim Milk Powder	IS 13334 : 92 Part : 01
70. 9000449	1992-10-01	The Amritsar Distt. Co-Op. Milk Producers Union Ltd., Milk Plant Verka Amritsar	Skim Milk Powder	IS 13334 : 92 Part : 01
71. 9000550	1992-10-01	The Gurdaspur Distt. Co-Op. Milk Producers Union Ltd., Milk Plant PB No. 5 Gurdaspur 143521	Skim Milk Powder	IS 13334 : 92 Part : 01
72. 9000651	1992-10-01	The Bhatinda Distt. Co-Op. Milk Producers Union Ltd., Milk Plant Dabwali Road, Bhatinda 151001	Skim Milk Powder	IS 13334 : 92 Part : 01
73. 9000752	1992-10-01	The Sangrur Distt. Co-Op. Milk Producers Union Ltd., PB No. 9 Milk Plant Sangrur 148001	Skim Milk Powder	IS 13334 : 92 Part : 01
74. 9000853	1992-10-01	The Doaba Distt. Co-Op Milk Producer's Union Ltd., G.T. Road, Bye Pass Jalandhar 144008	Skim Milk Powder	IS 13334 : 92 Part : 01
75. 9000954	1992-10-16	Jai Shree Agro Industries (P) Ltd., Village & PO Nathpur Distt. Sonapat	Isoproturon WP	IS 11995 : 87
76. 9001047	1992-11-01	Himachal Industries Power House Road Solani 173212	Aluminium conductors-ACSR	IS 00398 : 76 Part : 02
77. 9001148	1992-11-01	Himachal Industries Power House Road, Solani 173212	Aluminium conductors—AAC	IS 00398 : 76 Part : 01
78. 9001249	1992-11-01	R.K. Welds (P) Ltd., 233 KM Stone, Sirhind G.T. Road Village Faridpur PO Phoppal Rajpura 140401	Covered Electrodes	IS 00814 : 91
79. 9001350	1992-11-01	Vallabh Steels Ltd., G.T. Road Village Pawa Sahnewal Ludhiana	MS Tubes, Tubulars & W.S. fittings	IS 01239 : 90 Part : 01
80. 9001451	1992-10-16	K.C. Refineries 1 SIDCO Indl. Estate Bari Brahamana Jammu 185533	Vanaspati	IS 10633 : 86



1	2	3	4	5
81. 9001552	1992-11-01	Sangam Rubber Industries 3123, Indl. Area Phase II Chandigarh	Stat. Stor. Type electric water heater	IS 02082 : 83
82. 9001653	1992-10-01	The Hissar-Jind Co-Op Milk Producers Union Ltd., Milk Plant Jind 126102	Skim Milk Powder	IS 13334 : 92 Part : 01
83. 9001754	1992-11-01	Batra Seniors 46, Indl. Dev. Colony Hissar 125005	Cast iron steps for manholes	IS 05455 : 69
84. 9001855	1992-11-01	Overseas Cables Ltd. D-99, Focal Point Rajpura (Punjab)	Aluminium conductors—ACS	IS 00398 : 76 Part : 01
85. 9001956	1992-11-01	Overseas Cables Ltd., D-99, Focal Point Rajpura (Punjab)	Aluminium conductors—ACSR	IS 00398 : 76 Part : 02
86. 5000227	1992-11-01	Delta Industries Ltd., VIII Manickpur P.O. Delta Mills Distt Howrah (West Bengal)	Indian Hessian	IS 2818 : 71 Part : 02
87. 5000328	1992-11-01	Kanak Cement Pvt. Ltd., Vill Laing P.O. Kansbahal Distt. Sundergarh (Orissa) Pin 770034	Portland Slag-Cement	IS 455 : 89
88. 5000429	1992-11-01	Kanak Cement Pvt. Ltd., Vill Laing P.O. Kansbahal Distt. Sundergarh (Orissa) Pin 770034	Ordinary Portland—Cement	IS 269 : 89

[No. CMD 13 : 11]

N. SRINIVASAN, Addl. Director General

नई दिल्ली, 21 मई, 1993

का. प्रा. 1347--भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम 1985 के उपविधाय (5) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिन लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे स्वीकृत कर दिए गए हैं :—

## अनुसूची

क्रम सं०	लाइसेंस सीएम/एल	लागू होने की तारीख	लाइसेंसधारी का नाम व पता	वस्तु/प्रकार	IS : से प्राप्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1. 5001431		92-12-16	श्री गोपाल सीमेंट लि., झारखंडा, राजगंगपुर जि—मुंगेरगढ़	पोर्टलैंड धातुमल सीमेंट	IS : 00455:89
2. 5001532		92-12-16	श्री गोपाल सीमेंट लि., झारखंडा, राजगंगपुर जि—मुंगेरगढ़	33 सेट साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	IS: 00269. 89
3. 5001633		92-12-16	एलाइस मिल्स (निर्भोज) लि. डा—जगतबेल, जि—24 परगना (उत्तर)	ए—निबल पटसन के बोरे	IS: 01943. 63
4. 5001734		92 12,16	उयूरोबेलस प्रा. लि, बी एम 19 ए एवं 20 ईड एस्टेट कलकत्ता कर्तुमा (उड़ीसा) 770031	कार्बन और कार्बन मैंगनीज, इस्पात की मैंगनीज धातु धातु बॉलिंग के लिए प्रारित इलेक्ट्रोड	IS: 00814: 91

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
5. 5001835	92-12-16	हावड़ा एसोसिएटेड पावर फिटिंग्स 20 श्री किसान बकस लेन, हावड़ा 701101	वैलिड जस्टीफ़ा एम एस साकेट	IS : 01230:82	भाग : 02
6. 5001936	93-01-01	भारतिका सीमेंट लि, हाथीबाड़ी रोड, खुशामुंडा, जि—सुन्दरगढ़	पोर्टलैंड बालुमल सीमेंट	IS: 00455: 89	
7. 5002029	93-01-01	मैटल ट्रस्ट प्रा. लि. 223 बेलिलिप्रस हावड़ा 711101	वैलिड जी आई साकेट	IS : 01239: 82	
8. 5002130	93-01-01	एस पास एंड कं 7/2 बेलिलिप्रस लेन हावड़ा-711101	वैलिड जी आई साकेट	IS : 01239: 92	भाग: 02
9. 5002231	93-01-01	कलकत्ता स्टील इंडस्ट्रीज, 109 रविन्द्र सरणि डा—मट्टनगर, लिखु, हावड़ा	कंक्रीट प्रबलन के लिए उच्च सामर्थ्य के विकृत सरिण	IS: 01786: 85	
10. 5002332	93-01-01	मेना जूट मिल्स (गजानन्ध कमशियल कं. प्रा० (लि०) डा—जगतवल, डा 24 परगना (उत्तर)	ए टिब्ल पटसन के बोरे	IS: 01943: 64	
11. 5002433	93-01-01	वैस्टर्न एथो इम्पलीमेंट्स कं प्रा. लि., 212 राजारामचन्द्र घाट रोड, पानी हाटी 24 परगना (उत्तर) पानी हाटी	हस्त चालित नैपसेक छिड़काव यंत्र	IS: 03906:82	
12. 5002534	92-12-16	ए एम सी काम्पलेक्स, सोबीपुर रोड, भुरगुता डा—जगबेरिया, 24 परगना (उ)	लेटेक्स फोम रबड़ उत्पाद लेटेक्स फोम रबड़ उत्पादन	IS 01741:60	
13. 5002635	93-01-01	ऊषा मार्टिन इंडस्ट्रीज लि, तातोसिलाबाई रांची (बिहार)—835103	तेल कुओं और तेल कुएं खोदने में प्रयुक्त तार रस्ती	IS : 04521:77	
14. 6002842	92-12-16	थाम्पसन पाइप्स फिजंजीप्रा. चालाकुडी लिची जि—680721	पेयजल आपूर्ति के लिए यूपी बी सी पाइप	IS: 04985: 88	
15. 6002943	92-10-01	वि कुर्रुल डिस्ट्रिक्ट कापरेटिव मिल्क प्राइव्सेस यूनियन लि, मिल्स प्राइव्सेस फेक्टी नोबयाल, नाबयाल (भा० प्र.) 518503	मक्खनिया दूध पाउडर, मानक ग्रेड	IS: 13334:92	भाग: 01
16. 6003036	92-12-16	फैराडी कैमीकल्स प्लांट नं. 17/ए, फेज 1, आई डी ए, जीडीमेटला हैदराबाद -500855	कृषि ग्रेड जिंक सल्फेट	IS : 08249:76	
17. 6003137	92-12-16	पली टेक पावर, 93 सांते रोड, सरवतपट्टी, कोयम्बतूर-641035	सिंथार्ड के लिए पालीइथाइलीन के पाइप	IS: 12786: 89	
18. 6003238	92-12-16	वैटीकुलम केमीकल इंडस्ट्रीज, 11—679, कोडोमबेलूर पंचायत पुलिसकरा, पाडिमाराथू डा, कसरागोडजि (केरल) 671532	तकनीकी ग्रेड कापर सल्फेट	IS: 00261: 82	
19. 6003339	92-12-16	वि जनरल इंजीनियरिंग कं, 1/42, गेटुपलायम रोड, कोविडापलायम, कोयम्बतूर-641030	मोनोसैट पम्प	IS: 09079: 89	
20. 6003440	92-12-16	कनिष्क स्टील इंड लि, प्लांट नं. बी 27 (एम) स्प्रींट इंड काम्पलेक्स गुम्माडी पोण्डी (तमि) 601201	उच्च सामर्थ्य इस्पात के विकृत भरिए	IS: 01780:85	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
21. 6003341	93 11 01	दि इंडियन स्टील रोलिंग मिल्स लि, 230, मद्रास त्रिवनूर हाई रोड, तिरुचिनामूर जेगाई एम जॉ आर जि, (तमि) 602024	इलेक्ट्रोड क्रॉड तार के लिए गुरु इस्पात	IS: 02879:75	
22. 6003642	92 12 16	श्री रामकृष्ण एंड कं, 520 एक एन एस आर रोड, माई बाबा कार्लोनी - 641011	कपूर का गोखिया (सफेद/का. ग्रेड)	IS: 03584:84	
23. 6003743	93 01 01	शिवराज स्पिनिंग मिल्स लि, थोडोकोम्बू डिन्डी मुडतालुका, अन्ना जि तमिलनाडु - 624709	होजरो उद्योग के लिए सूती धागा, कोरा	IS: 00834:75	
24. 6003844	93 01 01	मास्टर केबल्स प्रा. लि, पालाक्क डेबू, किली कोलोर, क्विलान (केरल) 691004	पीवीसी रोधित केबल	IS: 00694:90	
25. 6003945	93 01 01	टी.कम बांस इंड प्राइवेट्स, 145 सिपकोट इंड काम्पलेक्स, डोसूड (तमि) 635126	वेयजल आपूर्ति के लिए यू पी बी सी के के पाइप	IS: 04985:88	
26. 6004038	93 01 01	विजय एक्वा पाइप्स (प्रा. लि), प्लॉट नं. एक-37 सिपकोट इंड काम्पलेक्स मुम्बोपट्टीपिन्डी विंगलपुट जिला (तमि)	वेय जल आपूर्ति के लिए यू पी बी सी के पाइप	IS: 04985:88	
27. 6004139	92 10 01	मंडया डिस्ट्रिक्ट कापरेटिव बिल्क प्राइवेट्स सोसाइटीज यूनियन लि, प्राइवेट डेयरी जीलालेज मंडूर तालुका, मेसूर जि.	मक्खनिया दूध पाउडर	IS: 13334:92	
28. 6004240	92 10 01	धारवाड़ कापरेटिव बिल्क प्राइवेट्स सोसाइटीज यूनियन लि, प्राइवेट डेयरी लक्ष्मामन- हल्ली इंड एस्टेट, पी बी रोड, धारवाड़ (कर्नाटक)	मक्खनिया दूध पाउडर	IS: 13334:92	
29. 6004341	93 01 01	बंदू इंडस्ट्रीज, 7/1 भवनार्थी रोड, चिन्मियापलायम डा, कोयम्बतूर 641062	निमज्जय पम्पसेट	IS: 08034:80	
30. 6004442	93 01 01	रेनबो इंडस्ट्रीज, इंड एस्टेट पलायाड, तेलिचेरी (केरल) 670601	सुबाह्य प्रतिशामकों के लिए रिफिल	IS: 05490:77 भाग-1	
31. 6004543	93 01 01	एल जॉ पोर्लटेक्स लि, थेन्नामपलायम एरासूर डा, कोयम्बतूर 641487	वेयजल आपूर्ति के लिए एच डी पी ई के पाइप	IS: 04984:87	
32. 6004644	93 01 01	बाइप प्लास्टिक्स प्रा. लि, एस एक नं. 584, काराडमो-डेन पलायम पुगलूर अशूर कोयम्बतूर 638697	वेयजल आपूर्ति के लिए यू पी बी के पाइप	IS: 04985:88	
33. 7003849	92 12 01	पालीसेक एंड काप सोसाइटी लि. जे-17 एम आई डी सी हिर्णा, नागपुर	वेय जल आपूर्ति के लिए यू पी बी सी पाइप	IS: 04985:88	
34. 7003950	92 12 01	रेडियल वायर रोप्स प्रा. लि, प्लॉट नं. 17 फेज 2, मानपाड़ा रोड, सगाव डोमविली (पू) ठाणे जि-422184	लिफ्ट उत्थाकों और वायनसज्जा के लिए इस्पात के तार निलंबन	IS: 02365:77	
35. 7004043	92 02 01	रेडियल वायर रोप्स प्रा लि, प्लॉट नं. 17 फेज II मानपाड़ा रोड सगाव डोमविली (पू) जि-ठाणे 94	सामान्य इंजीनियरी प्रयोजनों के लिए इस्पात तार रस्सी	IS: 02266:89	
36. 7004144	92 12 01	रेडियल वायर रोप्स प्रा लि प्लॉट नं 17, फेज II मानपाड़ा रोड, सगाव डोमविली (पू) ठाणे-42184	जहाजरानी प्रयोजनों के लिए स्वीकृत इस्पात के गोल लड़	IS: 02581:89	
37. 7004245	91 12 16	इलेक्ट्रो लक्स इंडस्ट्रीज, 4 लक्ष्मी इंड एस्टेट नं. 2, ब्रान्धव साई (पू) ठाणे-401202	बिजली की इस्तिया	IS: 00366:85	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
38. 7004346	92 12 16	फलेम वैक, 12 धनलक्ष्मी इंड एस्टेट, प्रा-नवघर, तालुक-कैसीराम, ठाणे जि	विद्युत उपकरणों के लिए ज्वाला सह खोल	IS: 02148:81	
39. 7004447	92 12 16	लेबल टैक सिस्टम (पुणे) प्रा. लि., 39, इलेक्ट्रॉनिक काम एस्टेट, पुणे सतारा रोड, पुणे 411009	विद्युत उपकरणों के लिए ज्वालासह खोल	IS: 02148: 81	
40. 7004548	92 12 16	हीरा प्लास्टिक्स प्लाट नं. 2, सर्वे नं. 153/2 बी भुसावल रोड, जलगांव 425001	वेयबल प्राप्ति के लिए यू पी बी सी के पाइप	IS: 04985: 88	
41. 7004649	92 12 16	विमल इंड सेपटी इन्विपमेंट कारपोरेशन ए-1/85/1 जी आई बी सी, पो. बा. नं. 873, मकरपुर इंड एरिया, वडोदा 390018	प्रतिशमन (जल पत्र बनाने वाला माग) हेतु योजिक माग उत्पन्न करने के लिए माग सांख्य	IS: 04989: 84 माग: 02	
42. 7004750	92 12 16	औरो पम्प प्रा. लि, 104/5 और 6 जी आई बी सी एस्टेट पामेज भक्ष जि 392220	कृषि प्रयोजन हेतु साफ ठंडे ताजे पानी के लिए मोनोसैट पम्प	IS: 09079:89	
43. 7004851	92 12 16	खाला उद्योग, पाईप प्रा. लि.	स्टील के पाईप कृषि बनाने के लिए	IS: 01161:79	
44. 7004952	92 12 16	स्टेनको इंजीनियरिंग कं प्रा. लि., नं. 9 शाह इंड एस्टेट, बोओमार, ठाणे 400088	सुक्राह्व प्रसिद्धतामक जल टाइप (सोडा प्रसल)	IS: 00934:76	
45. 7005045	92 12 16	स्टेनको इंजीनियरिंग कं प्रा. लि, नं. 9 शाह इंड एस्टेट बोओमार, ठाणे-400088	सुक्राह्व प्रसिद्धतामक (जल टाइप) गैस क्रास्टिन	IS: 00940:76	
46. 7005146	92 12 16	अरबाबे सोमेंट पाइप इंडस्ट्रीज, 113/1, हरिपुर मिराज तालुक सांगली-416416	कंक्रीट पाइप (प्रबलन सहित और रहित)	IS: 00458: 88	
47. 7005247	93 01 01	हिन्दुस्तान इलेक्ट्रोसाइड्स लि, रसायन प्रोजेक्ट रसायनी डा रायगढ़ जिला (महा.) 410207	सैलाघियान ई सी	IS: 02567: 78	
48. 7005348	93 01 01	हिन्दुस्तान इलेक्ट्रोसाइड्स लि, (रसायन प्रोजेक्ट) रसायनी डा, रायगढ़ जि (महा) 410207	एम्डीसलकान ई सी	IS: 04323:88	
49. 7005449	93 01 01	पारीब एगो इन्विपमेंट्स दिव्या पार्क सोसाइटी, रायजी मंदिर के पास निकोल- मारोडा रोड, निकोल महमदाबाद- 382350	हस्त चालित नेपसक छिड़काव यंत्र पिस्टन टाइप	IS: 03906: 82 माग: 01	
50. 7005550	93 01 01	असवंत स्टील रोड, भिलम प्रा. लि भर्जली ग्राम एन.एच. 7 हिंगनघाट तामूका वर्षा जि 442301	कंक्रीट प्रबलन हेतु उच्च सामर्थ्य के विकृत सरिए और तार	IS: 01786:85	
51. 7005651	93 01 01	परमप्रायम स्टील्स लि, प्लाट नं. 20 ब्लाक बी-1 एम आई बी सी, चिन्मबाड़ भाकूरी गा इन्वेस्ट रोड, पुणे-411019	कंक्रीट प्रबलन हेतु उच्च सामर्थ्य के विकृत सरिए और तार	IS: 01786: 85	
52. 7005752	93 01 01	रेडियस वायर रोपस प्रा. लि, प्लाट नं. 17, फेज II. सामपाड़ा रोड सामगांव, डोमाजली (पु) ठाणे जिला 421204	तेज कुओं और तेज कुओं को खुद ई के लिए तार रस्सी	IS: 04521: 77	
53. 7005853	93 01 01	सिंहल इक्विय इन्वयर्स लि, डी- 2/2 एम आई बी सी, मुरबाद जिला--ठाणे	अंतराहा इस्पात में बेल्तन के लिए ठले विब्रेट इन्वय और सतत ठले विब्रेट	IS: 06914:78	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
54. 7005954	93 01 01	भारत वायर रोप मैनु कं, प्लाट नं. 735/1-2-3 रतन इंडस्ट्रीज कम्पाउंड एल बी एस मार्ग, मंडप सोनापुर प्रबन्धी और लिफ्टन लि. बम्बई-400078	तेल कुओं और तेल की खुदाई के लिए तार रस्सी	IS: 04521:77	
55. 7006047	93 01 01	फोर्बोर्सेन पापेर्मर्स प्रा. लि. द्वारा कोरेगांव पालीमर्स प्रा. लि., 22-ए, बडागाव रोड, पुणे-411014	सूखालों और लीवालों के लिए पक्का हेतु प्लास्टिक की डंकी	IS: 07231: 84	
56. 7006148	93 01 01	मोहट्टा एंड हेल लि., मोल्काटा, एस टी ब्रत स्टाप के पास खोपली, रायगढ़ जिला-410208	सूखालय और लीवालों के लिए पक्का मौजू प्लास्टिक की डंकी	IS: 04521: 77	
57. 7006249	93 01 01	विजय फायर प्रोटेक्शन सिस्टम्स लि., प्लाट नं. 35, कांवीमाली ग्राम अंबेरी (पू.) पो. बा. नं. 8960, बम्बई-400072	विजली के कक्षागत प्रतिलंबक संकेत में प्रयोग के लिए धूम कोजी	IS: 11360: 85	
58. 7006350	93 01 01	पटेल क्रायर इंडस्ट्रीज प्लाट नं. 435 प्लाट नं. 7 और 8 धा-तेलीग्राम तालुक इलाहापुरी, नामिक जिला-422403	मिरोपरी प्रेरण हेतु एम्प्लीफायर के माध्यम आलक (एम्प्लीफायर मैग्नीजियम और सिमिकान टांग)	IS: 00398: 79 भाग 04	
59. 7006451	93 01 01	यूनाइटेड फास्कोरस लि., ए-2/2 जी आई डी सी बापी (गुजरात) 396195	सूख बीज उपचारण हेतु कार्बोपारकीय फास्कोरेशन	IS: 03284: 84	
60. 8002852	93 01 01	बिरला जूट एंड इंडस्ट्रीज लि., (सीमेंट डिवीजन) सतना सीमेंट वर्क्स, डा. बिरला सतना (म.प्र.) 485005	53 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	IS: 12269: 87	
61. 8002953	92 12 16	जी के बाइनिंग वायर्स (प्रा.) लि., बी-20 यू एस आई डी सी एंड एरिया लाइट सी यूएसए, गाजियाबाद	उष्ण ताप पर तांबे के तार के साथ प्रयुक्त इनेमल गोल बेल्ड तार	IS: 04800: 68 भाग 05	
62. 80003046	92 12 16	फीरमोस्ट इंडस्ट्रीज (इंडिया) लि., को. बह. नं. 103, कैलासपुरी देहरादून रोड, सहारनपुर (उ. प्र.)	सफाईयुक्त दूध पाउडर, मानक ग्रेड	IS: 13334: 92	
63. 8003147	92 12 16	शिवशक्ति इंड कारपोरेशन, भार-11 इंड एरिया, झोटाबाड़ा, जयपुर-302012	एलेक्ट्रिक सीमेंट के साथ प्रयुक्त ठले मोड़े के प्रयोग हो सकने वाले जोड़	IS: 08794: 88	
64. 8003248	92 12 16	स्टेटिम इंडिया प्रा. लि., ए-4, सैक्टर 8, नोएडा (उ.प्र.) 201301	कॉलोड के लिए प्लास्टिक के मोट और ] डकन टाइप पीपी, ग्रेड-2	IS: 02548: 83 भाग : 02	
65. 8003349	92 12 16	मोहन मैटर्स इंडस्ट्रीज, 178/2, गली नं. 10, भोलानाथ नगर, शाहपुरा, फिरोज़ी-110032	सूख इलात के लाइनिंग दरवाजों के मोट क्लिप टाइप 200 एमएम से 450 एम एम तक का तार अक्सीडाइज्ड फिनिश	IS: 00281: 91	
66. 8003450	92 12 16	पाइप सीमेंट प्रा. लि., ई-108-107 ग्री, रिक्को इंड एरिया, मिहरोर, जि. अलवर	33 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	IS: 00269: 89	
67. 8003551	91 12 16	यूनाइटेड केबल इंडस्ट्रीज, ए-14 सैक्टर 4, नोएडा-201301	ब्रेडिंग केबल्स, कापर सुधात्मक प्लेन, सामान्य उपयोग के लिए	IS: 09857: 81	
68. 8003652	92 12 16	डी एंड एन वैलिग इलेक्ट्रोड्स (इंडिया) प्रा. लि., सैक्टर ए प्लाट ए सनवर रोड, इंड एरिया, इंदौर 452003	कॉर्रुज और कॉर्रुज लैमिनेट इत्यादि की वैलिग के लिए प्रयुक्त इलेक्ट्रोड	IS: 00814: 91	
69. 8003753	92 12 16	धार सीमेंट लि., धा-कोरेडिया लक्ष्मील मधुबानी, जिला धार (म. प्र.)	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	IS: 08112: 89	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
70. 8003854	92 12 16	जनता लैम्प इंडस्ट्री पार्क रोड, 83/2, मोहल्ला श्री नगर रेलवे रोड, हापुड़ (उ.प्र.)	सामान्य प्रकाश सेवा हेतु टर्मिनल तंतु के बलब बायोमेट टोपी सहित	IS : 00418 : 78	
71. 8003955	92 12 16	इंडो टैक सिविलीयर्स एंड कंट्रोलर्स, 67, राजेन्द्र नगर इंड एरिया, साहिबाबाद डा-मोहन नगर, जि-गाजियाबाद	एक फेजी सम्पूर्ण धारा घाट घंटा मीटर	IS : 00722 : 77	
72. 8004048	92 12 16	बी.के. एस्टेट्स एंड जेज, ए-23 गली नं. 4, भानुदेवपुर इंड एरिया, नई दिल्ली-110005	बिजली के विकिरण	IS : 00369 : 85	
73. 8004149	92 12 16	सिद्ध सोमेश्वर (प्रा.) लि., एफ-55-56-57 जी-1-101-102-103 रिक्को इंड एरिया, बिहसोर 301701	33 ग्रेड साधारण पोर्टेबल सीमेंट	IS : 00269 : 89	
74. 8004250	92 12 16	थोर पालीमर्स लैब्स प्रा. लि., 358, ग्रा-आली, मथुरा रोड, नई दिल्ली-110091	रोधन सामग्री के बूझ बाबा कंडक्टर, 25 और 32 मिमी साइज के लिए मध्यम	IS : 09537 : 83	
75. 8004351	92 12 16	मोहन सैटल इंडस्ट्रीज, 178/2 गली नं. 10, भोलानाथ नगर, शाहबरा, दिल्ली-110032	मृदु इस्पात के टावर काइलें	IS : 00204 : 91	
76. 8004452	92 12 16	सत्या इलेक्ट्रिकल्स, 622, विश्राम नगर, शाहबरा, दिल्ली 110032	बिजली के विकिरण	IS : 00369 : 83	
77. 8004553	92 12 16	सत्या इलेक्ट्रिकल्स, 622 विश्राम नगर, शाहबरा, दिल्ली-110032	बिजली की इस्त्री	IS : 00366 : 85	
78. 8004654	92 12 16	संतोष पाइप्स प्रा. लि., ई-57, खराहवल इंड एरिया भलवर, (राज)	पूरीवीसी पाइप	IS : 04985 : 88	
79. 8004755	92 12 16	शूमन सीमेंट्स 46 पीतमपुर इंड एरिया-3, बगवतधर (म.प्र.)	33 ग्रेड साधारण पोर्टेबल सीमेंट	IS : 00269 : 89	
80. 8004856	92 12 16	सीमा इंडस्ट्रीज, 50/16 स्कूल मार्ग, छज्जपुर, बाबरपुर	अचल भंडारण टाइप बिजली के होटर	IS : 02082 : 85	
81. 8004957	92 12 16	जय प्रीतिजन टूल्स प्रा. लि., 87 इंड एस्टेट, पोशोगांउड, इंदौर-45 2003	इंजीनियरिंग मोसमविज्ञान मापन उपकरण बने लोहे की सतह प्लेट, ग्रेड 1,2,3	IS : 02285 : 91	
82. 8005050	92 12 16	एल्यार इलेक्ट्रिकल इंडस्ट्रीज, 125 निहाड ग्राम, नई दिल्ली 110018	अचल भंडारण टाइप बिजली के होटर	IS : 02082 : 85	
83. 8005151	92 12 16	होटसन इंडस्ट्रीज, गली नं. 3, प्लाट नं.-14, रेलवे लाइन साइड भानुदेवपुर इंड, एरिया, ब्यू रोहनक रोड, नई दिल्ली-110035	खनिज भरे तपन एनीमेट (पानी गर्म करने के लिए)	IS : 04159 : 83	
84. 8005252	93 01 01	मोवी एल्कालीज एंड कैमिकल्स लि., एसपी 460, मरस्य इंड एरिया, भलवर	ट्राइकोरोडियालीन टाइप I और II	IS : 00245 : 88	
85. 8005353	93 01 01	एनबीएस इलेक्ट्रानिक्स (प्रा.) लि., ई-204, फ्लैटेड फील्ड काम्पलेक्स ओखला, नई दिल्ली-110020	बिजली के नियंत्रण होटर	IS : 00368 : 83	
86. 8005454	93 01 01	एचबीआर एलायज एंड स्टील लि., 674 बुलन्दशहर रोड, ग्रा-छपरोला, नरसीन-शहरी, जिला-गाजियाबाद	बलनीय संरचना इस्पात (बीम संयोजन) परनाम 410 डब्ल्यू, साइज 200 एम की तक	IS : 02062 : 84	
87. 8005555		सुपर मेटल, ए-6/2 मिलमिल इंड एरिया, शाहबरा, दिल्ली-110032	पिठवा एल्यूमीनियम के सर्कल	IS : 00021 : 75	
88. 8005656	93 01 01	शोबिन्द उद्योग ई-297 रोड नं. जे-14 बी के ग्राई एरिया, जयपुर -302013	डमबां लोहे के अलग हो सकने वाले जोड़	IS 08794 : 88	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
89.	8005757	93-01-01	पार्सीपोर्ट सीमेंट (प्रा.) लि प्लॉट नं. 63, इंड एरिया नं. 3. वीनमपुर (बेगवून) जिला- धार (म.प्र.)	33 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट	IS: 00269: 89
90.	8005858	93-01-01	गढ़वाल रोलिंग मिल्स प्रा. लि., पो बा नं. 9, धालवाला, ऋषिकेश उत्तर प्रदेश-249201	उच्च सामर्थ्य इस्पात के विकृत सख्त	IS: 01786: 85
91.	8005959	93-01-01	स्टैंडर्ड मेटल इंडस्ट्रीज, ई-8एसएमएफएफ इंड एस्टेट, जी. टी. करनाल रोड, दिल्ली 110023	मृदु इस्पात के पालियामेडियम	IS: 00362: 82
92.	8006052	93-01-01	भाजन हार्डवेयर एंड साफेट मैयू कं. सी-177 मायापुरी फेज नं. 2, नई दिल्ली-110064	मृदु इस्पात के कठमे	IS: 01341: 92
93.	8006153	93-01-01	म्यू मून लाइट इंडस्ट्रीज, खमरा नं. 45, बनाना रोड, प्रहलादपुर, दिल्ली-110042	पूर्व क्ले कंक्रिट के मेनहोल के कवकन	IS: 12592: 88
94.	8006254	93-01-01	एम बी एस इलेक्ट्रोनिक्स (प्रा) लि, ई-204 फुनैटेड फील्ड्री काम्पलक्स, ओखला-110020	पानी गर्म करने के खनिज धरे तापन एप्लीमेंट	IS: 04159: 83
95.	8006355	93-01-01	गुप्ता कैमीकल्स (प्रा.) लि., बी-144 रोड नं 9 बी के ओ मार्ग एरिया जयपुर	एम्बोसल्फोन डी पी 4 प्रतिवाल	IS: 04322: 87
96.	8006456	93-01-01	बायर लिक्स जी 472 रोड नं. 8ए बी के मार्ग एरिया, जयपुर-302013	1100 बी तक कार्यकारिता के लिए ताका चालको वाली एक क्रोड वाली खोलवार पी बी सी रोहित केबल	IS: 00694: 90
97.	8006557	93-01-01	सुपर एल पी जी एप्लाइड प्रा. लि. प्लॉट नं. 794 साहिबाबाद दौलत पुर दिल्ली-110042	दो बर्तन वाली सी प्रार सी ए निकिल/ श्रीम लेपित स्टेनलैस इस्पात के टेपर फंटाइम ट्रे सहित और रहित सी- 1 धर्नर टॉप और बूल बूल टाइपर, मिश्रण की नली बनना	IS: 08749: 88
98.	9005156	92-12-16	गिषा एप्लाइड प्रा. लि, 703 इंड एरिया, फेज 2, चंडीगढ़	अधल भंडारण टाइप बिजली के हीटर	IS: 02082: 85
99.	9005257	92-12-16	टास्का स्टील्स (प्रा.) लि, लिंक रोड, प्रतिनगर सुधियाना-144004	मृदु इस्पात के तार	IS: 00290: 78
100.	9005358	92-12-16	गिषा कुकर इंडस्ट्रीज, 52 किमी का पत्थर जीटी रोड, भूरथल के पास, कुरेर (पंजाब)	घरेलू प्रेसर कुकर	IS: 02347: 87
101.	9005459	92-12-16	हिमाचल बायर इंडस्ट्रीज (प्रा.) लि, जी टी रोड घमताल 176403	अस्तीकृत इस्पात जंजीर लिंक फेस फेब्रिक	IS: 02721: 79
102.	9005560	92-12-16	कमल इंडस्ट्रीज पी आ बेनडेन, बाधलधाली गा-बीगोग (पंजाब) 170012	अस्तीकृत इस्पात जंजीर लिंक फेस फेब्रिक	IS: 02721: 79
103.	9005661	92-12-16	अमाल फीड इंडस्ट्रीज, ई-2 फोफल व्हाईट, खसा-141401	पशु आहार हेतु विभिन्न पशुआहार	IS: 02052: 79
104.	9005762	92-12-16	जे एंड के एगो डवलप कारपोरेशन लि, लेन 4, सिडकी इंड एस्टेट बारीभ्राह्मण 181133	पशुओं के लिए मिश्रण पशुआहार	IS: 02052: 79
105.	9005863	92-12-16	कन्डा इलेक्ट्रोमैग (प्रा.) लि, 1 18 मोनारकी इंड एस्टेट, इलाहाबाद 211004	इनेमल चढ़े गोल वेल्डनतार	IS: 04800: 68 पार्ट: 05
106.	9008964	93-01-01	विजित प्रोस्टेड कंक्रिट उद्योग (प्रा) लि, सुधियाना रोड, पो. बा. नं.-93. मनेरकोटला (पंजाब) 148023	पूर्व प्रतिबलित कंक्रिट पाइप	IS: 00784: 78
107.	9006052	93-01-01	इंडियन डेयरी एंड एप्लाइड सविसेज (प्रा.) लि, सुधियाना रोड, पो. बा. नं. 93 मनेरकोटला (पंजाब) 148023	मकखनिया बूध पाउडर	IS: 13334: 92

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
108.	9006158	93-01-01	कमोरिया कैमिकल्स इंड. लि. डा—रेनूकूट, रेनूकूट जि—सोनभद्रा (उ. प्र.)	पेस्ट बी एच सी डी पी 1.3 प्रति	IS : 00561 : 78
109.	9006259	93-01-01	भटियाजी कैमिकल्स, हिमालय कार्मस, बरनी रोड, हलद्वानी-263139	रोगाणुनाशी इत्र काला	IS : 01061 : 82
110.	9006360	93-01-01	संजित मैटल्स वर्क्स, एस-25 ए इंड एरिया, जालंधर	तांबा मिश्रधातु धवन वाल्व	IS : 01703 : 89
111.	9006461	93-01-01	अटल लबोरेट्रीज (प्रा) लि, 5 कि मी की पल्वर, ममता रोड, भटिंडा	पेस्ट मोनोकोटीकास 36 प्रति	IS : 08074 : 90
112.	9006562	93-01-01	माडर्न इलेक्ट्रीसिटी इंडस लि, सी—162 ए फोकस प्लांट इंदौर कला मुधियाना-141000	कर्मचारी 30 प्रतिगण ई सी	IS : 11997 : 87
113.	9006663	93-01-01	प्रकाश कैमिकल्स इंडस्ट्रीज, जी टी रोड, वाराणसी डा—कुरुक्षेत्र, वाराणसी (यू.पी.)	रोगाणुनाशी इत्र काला	IS : 01061 : 82
114.	9006764	93-01-01	अम्बिका गन पावर प्रा. लि, 13/22, ए नुन्हाई, आगरा-282006	डीजल इंजन	IS : 11170 : 85
115.	9006865	93-01-01	अम्बिका गन पावर प्रा. लि, 13/22 ए नुन्हाई आगरा 282006	डीजल इंजन	IS : 1001 : 81
116.	9006966	93-01-01	हर्ष मैटल्स कं. (रजि.) बी-6/1099 सोडल रोड के पास जालंधर-144004	सीसादार टिन काँसा इंगट	IS : 00318 : 81
117.	9007059	93-01-01	वीर कैमिकल्स (प्रा) लि, जी टी रोड बाई पास जालंधर शहर	वायु वियोज्य स्विच संयुक्त इकाइयां	IS : 10027 : 81
118.	9007160	93-01-01	मोहन पब्लिश गूड्स गूड्स शीट रोड, आशीश बाग लखनऊ 226004	एल्यूमीनियम रोगन	IS : 02339 : 63
119.	9007261	93-01-01	प्रताप वायर (इंडिया) प्रा. लि, प्रा—सुरजपुर डा—मोहली तहसील—इंदौर, जिला बामना (हि. प्रदेश)—176404	जम्मीकृत इस्पात अंजीर लिंक कैंस फेब्रिक	

[अ. के. मु. वि. / 13 : 11]

एन. श्रीनिवासन, अपर महानिदेशक

New Delhi, the 21st, May, 1993

S.O. 1347.—In pursuance of sub-regulation (5) of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, the Bureau of Indian Standards, hereby notifies the grant of licences particulars of which are given in the following schedule.

## SCHEDULE

Sl. CM/L-No. No.	Operative Date	Name & Address of the Party	Article/Process covered by the licence	IS : No./Part
1	2	3	4	5
1. 5001431	92-12-16	Shree Gopal Cement Ltd. — Jharbeda Rajgangpur Distt. Sundargarh	Portland slag cement	IS 00455 : 89



1	2	3	4	5	6
2. 5001532	92-12-16	Shree Gopal Cement Ltd. Jhabeda Rajgangpur Distt. Sundargarh	Ordinary portland cement 33 grade	IS 00269 : 89	
3. 5001633	92-12-16	Alliance Mills (Lessees) Ltd. PO Jagatdal Distt. 24 Parganas (North)	A twill jute bags	IS 01943 : 64	
4. 5001734	92-12-16	Durowelds Pvt. Ltd. Bn 19 & 20 Indl. Estate Kalunga Kalunga (Orissa) 770031	Covered electrodes for manual Retal arc welding of Carbon and carbon maganese steel	IS 00814 : 91	
5. 5001835	92-12-16	Howrah Associated Pipe Fittings 20, Shree Kisan Vakant Lane Howrah 701101	Welded galvanized M.S. Sockets	IS 01230 : 82 Part : 02	
6. 5001936	93-01-01	Ambica Cement Ltd. Hatibari Road Kuarmunda Distt. Sundargarh 770039	Portland Slag Cement	IS : 00455 : 89	
7. 5002029	93-01-01	Metal Trust Pvt. Ltd. 223, Belilous Road Howrah 711101	Welded G.I. Sockets	IS 01239 : 82 Part : 02	
8. 5002130	93-01-01	S. Das & Co. 7/2, Belilous Lane Howrah 711101	Welded G.I. Sockets	IS 01239 : 82 Part : 02	
9. 5002231	93-01-01	Calcutta Steel Industries 109, Rabindra Sarani PO Bhatt Nagar Liluah Howrah	High Strength Deformed Steel bars for concrete reinforcement	IS 01786 : 85	
10. 5002332	93-01-01	Megna Jute Mills (A unit of GA Janand Commercial (P) Ltd.) PO Jagatdal Distt. 24 Pargana (North)	A-Twill Jute Bags	IS 01943 : 64	
11. 5002433	93-01-01	Western Agro Implements Co. P. Ltd. 212, Raja Ramchand Ghat Road, Panihati 24 Pargana (North) Panihati	Hand operated knapsack Sprayer	IS 03906 : 82 Part : 01	
12. 5002534	92-12-16	A.M.C. Complex Sodepur Road Muragucha PO Jugberia 24 Pargana (North)	Latex Foam Rubber Products	IS 01741 : 60	
13. 5002635	93-01-01	Usha Marin Industries Ltd. Tatisilwai Ranchi (Bihar) 835103	Wire Ropes used in oil wells and oil well drilling	IS 04521 : 77	
14. 6002842	92-12-16	Thomson Pipes Flinjipra Chalakudy Trichy Distt. 680721	UPVC pipes for portable Water Supply	IS 04985 : 88	
15. 6002943	92-10-01	The Kurnool Distt. Co-op. Milk Producers Union Ltd. Milk Products Factory Nandyal Nandyal (AP) 518503	Skim Milk powder, standard grade	IS 13334 : 92 Part : 01	

1	2	3	4	5	6
16. 6003036	92-12-16	Ferti Chemicals Plot No. 17/A Phase I IDA Jeedimetla Hyderabad 500855	Zinc Sulphate, Agricultural Grade	IS 08249 : 76	
17. 6003137	92-12-16	Flow Tech Power 93, Sathy Road Saravanampatty Coimbatore 641035	Poethylene pipes for irrigation laterals	IS 12786 : 89	
18. 6003238	92-12-16	Vattukalam Chemical Industries 11-679, Kodom Belur Panchayat Chullikara Padimaruthu Post Kasaragod Distt. (Kerala) 671532	Copper Sulphate, Technical	IS 00001 : 82	
19. 6003339	92-12-16	The General Engineering Co. 1/42 Mettupalayam Road Kavundampalayam Coimbatore 641030	Monoset Pumps	IS 09079 : 89	
20. 6003440	92-12-16	Kanishk Steel Inds. Ltd. Plot No. B 27(M) Sipcot Indl. Complex Gummidipoondi (TN) 601201	High Strength deformed steel bars	IS 01786 : 85	
21. 6003541	93-01-01	The Indian Steel Rolling Mills Ltd. 230, Madras-Trivellore High Rd. Tiruninravur Chengai MGR Distt. (TN) 602024	Mild steel for electrode core wire	IS 02879 : 75	
22. 6003642	92-12-16	Sri Ramakrishna & Co. 520 F, N.S.R. Road Sai Baba Colony Coimbatore 641011	Camphor Tablets (Technical grade)	IS 03584 : 84	
23. 6003743	93-01-01	Sivaraj Spinning Mills Ltd. Thadicombu Dindigul Taluk Anna Distt (TN) 624709	Cotton Yarn, Grey for Hosiery Industry	IS 00834 : 75	
24. 6003844	93-01-01	Master Cables Pvt. Ltd. Palakadavu Kilikolloor Quilon (Kerala) 691004	PVC Insulated Cables	IS 00694 : 90	
25. 6003945	93-01-01	Tikam Chanda Indl. Products 145, Sipcot Indl. Complex Hosur (TN) 635126	UPVC pipes for potable water Supplies	IS 04985 : 88	
26. 6004038	93-01-01	Vijaya Aqua Pipes (P) Ltd. Plot No. F-37 Sipcot Indl. Complex Gummidipoondi Chingleput Distt. (TN) 681201	UPVC pipes for potable water supplies	IS 04985 : 88	

1	2	3	4	5	6
27. 6004139	92-10-01	Mandya Distt. Co-op Milk Producers/Societies Union Ltd. Product Dairy Bejjalagere Maddur Taluk Mysore Distt.	Skim Milk Powder, Standard Grade	IS : 13334 : 92 Part : 01	
28. 6004240	92-10-01	Dharwad Co-op. Milk Producers' Societies Union Ltd. Lakkamanahalli Indl. Estate P.B. Road Dharwar Dharwar (Karnataka)	Skim Milk Powder, Standard Grade	IS : 13334 : 92 Part : 01	
29. 6004341	93-01-01	Bandu Industries 7/1-F, Avanashi Road Chinnampalayam Post Coimbatore 641062	Submersible pumpsets	IS : 08034 : 89	
30. 6004442	93-01-01	Rainbow Industries Indl. Estate Palayad Tellicherry (Kerala) 670661	Refills for portable fire extinguishers	IS : 05490 : 77 Part : 01	
31. 6004543	93-01-01	Elgi Polytex Ltd. Thennampalayam Arasur Post Coimbatore 641407	HDPE pipes for potable water supplies	IS : 04984 : 87	
32. 6004644	93-01-01	Shine Plastics Pvt. Ltd. SF No. 584 Karaigoundenpalayam Pugalur Annur Coimbatore 638697	UPVC pipes for potable water supplies	IS : 04985 : 98	
33. 7003849	92-12-01	Polysack Indl. Co-op Society Ltd. J-17, MIDC Hingna Nagpur	UPVC pipes for potable water supplies	IS : 04985 : 88	
34. 7003950	92-12-01	Radial Wire Ropes Pvt. Ltd. Plot No. 17 Phase II Manpada Road Sagaon, Dombivli (E) Thane Distt. 421204	Steel wire suspension ropes for lifts elevators and hoists	IS : 02365 : 77	
35. 7004043	92-12-01	Radial Wire Ropes Pvt. Ltd. Plot No. 17 Phase II Manpada Road, Sagaon Dombivli (E) Distt. Thane 421204	Steel wire ropes for general engineering purposes	IS : 02266 : 89	
36. 7004144	92-12-01	Radial Wire Ropes Pvt. Ltd. Plot No. 17 Phase II Manpada Road, Sagaon Dombivli (E) Thane Distt. 421204	Round strand galvanized steel wire ropes for shipping purpose	IS : 02581 : 89	
37. 7004245	92-12-16	Electrolux Industries 4, Laxmi Indl. Estate No. 2, Village Navghar Vasai (East) Thane Distt. 401202	Electric irons	IS : 00366 : 85	

1	2	3	4	5	6
38. 7004346	92-12-16	Flamepack 12, Dhanlaxmi Indl. Estate At Village Navghar Taluka : Basse in Thane Distt.	Flameproof enclosures for electrical apparatus	IS : 02143 : 81	
39. 7004447	92-12-16	Level Tech Systems (Pune) Pvt. Ltd. 39, Electronic Co-op Estate Pune Satara Road Pune 411009	Flameproof enclosures for electrical apparatus	IS : 02143 : 81	
40. 4548	92-12-16	Heera Plastics Plot No. 1 Survey No. 155/2B Bhusawal Road Jalgaon 425001	UPVC pipes for potable water supplies	IS : 04985 : 88	
41. 7004649	92-12-16	Vimal Indl. Safety Equipment Corpn. A-1/851/1, GIDC Post Box No. 783 Makarpura Indl. Area Bafoda 390010	Foam concentrate for produ- cing mechanical foam for fire fighting (Aqueous Film Forming Foam)	IS : 04989 : 84 Part : 02	
42. 7004750	92-12-16	Auro Pumps Pvt. Ltd. 104/5 & 6, GIDC Estate Palej Bharuch Distt. 392228	Monoset Pumps for clear, cold water for agricultural purposes	IS : 09079 : 89	
43. 7004851	92-12-16	Khanna Indl. Pipes Pvt. Ltd. Plot No. 216 Village : Khativali Taluka : Shahpur Distt. Thane 421604	Steel tubes for structural purposes	IS : 01161 : 79	
44. 7004952	92-12-16	Stenco Engineering Co. Pvt. Ltd. No. 9, Shah Indl. Estate Deonar Thane 400088	Portable fire extinguisher, water type (Soda Acid)	IS : 00934 : 76	
45. 7005045	92-12-16	Stenco Engineering Co. Pvt. Ltd. No. 9, Shah Indl. Estate Deonar Thane 400088	Portable fire extinguisher, water type (Gas Cartridge)	IS : 00940 : 76	
46. 7005146	92-12-16	Arwade Cement Pipe Indus- tries 113/1, Haripur Miraj Taluka Sangli Distt. 416416	Specification for concrete pipes (with and without reinforcement)	IS : 00458 : 88	
47. 7005247	93-01-01	Hindustan Insecticides Ltd. (Rasayani Project) Rasayani PO Raigad Distt. (MS) 410207	Malathion EC	IS : 02567 : 78	
48. 7005348	93-01-01	Hindustan Insecticides Ltd. (Rasayani Project) Rasayani PO Raigad Distt. (MS) 410207	Endosulfan EC	IS : 04323 : 88	



1	2	3	4	5	6
59. 7006451	93-01-01	United Phosphorus Ltd. A-2/2, GIDC Vapi (Gujarat) 396195	Organic Mercurial Dry Seed Dressing formulations	IS : 03284 : 84	
60. 8002852	92-12-01	Birla Jute & Industries Ltd. (Cement Div.) Unit Satna Cement Works PO Birla Satna (MP) 485605	Ordinary Portland Cement, 53 Grade	IS : 212 : 69 : 87	
61. 8001953	92-12-16	G.K. Winding Wires (P) Ltd. B-20, UPSIDC Indl. Area Site C Surajpur Ghazabad	Enamelled Round winding wires for elevated temperature with copper wire	IS : 04800 : 68 Part : 6	
62. 8003046	92-12-16	Foremost Industries (India) Ltd. Post Box No. 103 Kailash Puri Dehradun Road Saharanpur (UP)	Skim Milk Powder, Standard Grade	IS : 13334 : 92 Part : 01	
63. 8003147	92-12-16	Shiv Shakti Indl. Corpn. R-11, Indl. Area Jhotwara Jaipur 302012	Cast Iron Detachable joints, for use with asbestos cement Pipes	IS : 08794 : 88	
64. 8003248	92-12-16	Gratings India Pvt. Ltd. A-4, Sector VIII Noida (UP) 201301	Plastic Seat and Covers for Water Closets, Type PP, Grade 2	IS : 02548 : 83 Part : 02	
65. 8003349	92-12-16	Mohan Metal Industries 178/2, Gali No. 10 Bhola Nath Nagar Shahdara Delhi 110032	Mild Steel Sliding Door Bolts, Clip Type, Sizes 200 MM to 450 MM with copper oxidized Finish	IS : 00181 : 91	
66. 8003458	92-12-16	Prime Cements Pvt. Ltd. E-108-107B, Rico Indl. Area Behror Distt. Alwar	Ordinary Portland Cement, 33 Grade	IS : 00269 : 89	
67. 8003551	92-12-16	United Cable Industries A-14, Sector IV Noida 201301	Welding Cables, Copper conductor Plain, with general purpose and HOFR covering	IS : 09857 : 81	
68. 8003652	92-12-16	D&H Welding Electrodes (India) Pvt. Ltd. Sector A, Plot A Sunwar Road Indl. Area Indore-452003	Covered electrodes for manual arc welding of carbon and carbon manganese Steel	IS : 00814 : 91	
69. 8003753	92-12-16	Dhar Cement Ltd. Village Karondiya Teh. Gandhwani Distt. Dhar (MP)	Ordinary Portland Cement, 43 Grade	IS : 08122 : 89	
70. 8003854	92-12-16	Janta Lamp Industries Part Lane 85/2 Mohalla Shrinagar Railway Road Hapur (UP)	Tungsten Filament General service Electric Lamps with Bayonet Cap	IS : 00418 : 78	

1	2	3	4	5	6
71. 8003955	92-12-16	Indotech Switchgears & Controls 67, Rajender Nagar Indl. Area Sahibabad PO Mohan Nagar Distt. Ghaziabad	Single Phase Whole Current Watt-hour Meter,	IS 00722 : 77 Part : 02	
72. 8004048	92-12-16	B.K. Enterprises A-23, Gali No. 4 Anand Parbat Indl. Area New Delhi-110005	Electric Radiators	IS 00369 : 85	
73. 8004149	92-12-16	Siddha Cements (P) Ltd. F-55-56-57 GI-101-102-103, Riico Indl. Area Behror-301701	Ordinary Portland Cement, 33 Grade	IS 00269 : 89	
74. 8004250	92-12-16	Pure Polymers Khasra No. 358 Village Aali Mathura Road New Delhi-110044	Rigid Plain conduits of insulating material for 25 & 32 MM sizes for Medium and Heavy Mechanical Stresses	IS 09537 : 83 Part : 03	
75. 8004351	92-12-16	Mohan Metal Industries 178/2, Gali No. 10 Bholanath Nagar Shahdara Delhi-110032	Mild Steel Tower Bolts	IS 00204 : 91 Part : 01	
76. 8004452	92-12-16	Satya Electricals 622, Vishwas Nagar Shahdara Delhi-110032	Electric Radiators	IS 00369 : 83	
77. 8004553	92-12-16	Satya Electricals 622, Vishwas Nagar Shahdara Delhi-110032	Electric Iron	IS 00366 : 85	
78. 8004654	92-12-16	Santosh Pipes Pvt. Ltd. E-57, Khairthal Indl. Area Alwar (Raj.)	UPVC Pipes	IS 04985 : 88	
79. 8004755	92-12-16	Shubam Cements Pvt. Ltd. 46, Pithampur Indl. Area-III Bagdun Dhar (MP)	Ordinary Portland Cement, 33 Grade	IS 00269 : 89	
80. 8004856	92-12-16	Seema Industries 50/16, School Marg Chajju Pur Babar Pur Road Shahdara Delhi-110032	Stationery Storage Type Electric Water Heaters	IS 02082 : 85	
81. 8004957	92-12-16	Jash Precision Tools Pvt. Ltd. 87, Indl. Estate Polo Ground Indore-452003	Engineering Metrology- measuring equipment-Cast Iron Surface Plates, Grades 1, 2 & 3	IS 02285 : 91	

1	2	3	4	5	6
82. 8005050	92-12-16	Elpar Electrical Industries 125, Tihar Village New Delhi-110018	Stationery Storage type Electric Water Heater	IS 02082 : 85	
83. 8005151	92-12-16	Heatsun Industries Gali No. 3 Plot No. 14 (Rly. Line Side) Anand Parbat Indl. Area New Rohtak Road New Delhi-110005	Mineral filled Heating Elements (For Water heating)	IS 04159 : 83	
84. 8005252	93-01-01	Modi Alkalies & Chemical Ltd. SP 460 Matsya Indl. Area Alwar	Trichloroethylene Technical, Type: I & II	IS 00245 : 88	
85. 8005353	93-01-01	MVS Electronics (P) Ltd. E-204, Flatted Factory Complex, Okhla New Delhi-110020	Electric Immersion Water Heater	IS 00368 : 83	
86. 8005454	93-01-01	H.V.R. Alloys & Steels Ltd. 674, Bulandshahr Road Village Chhaprolla Tehsil Dadri Distt. Ghaziabad-201009	Weldable structural Steel (Beam sections) designation Fe 410 WA, size upto and including MB 200	IS 02062 : 84	
87. 8005555	93-01-01	Super Metals A-6/2, Jhilmil Indl. Area Shahdara Delhi-110095	Wrought Aluminium Circles	IS 00021 : 75	
88. 8005656	93-01-01	Govind Udyog E 297, Road No. J-14 VKI Area Jaipur-302013	Cast Iron Detachable Joints	IS 08794 : 88	
89. 8005757	93-01-01	Polyport Cement (P) Ltd. Plot No. 63 Indl. Area No. 3 Pithampur (Bagdoon) Distt. Dhar (MP)	Ordinary Portland Cement 33 Grade	IS 00269 : 89	
90. 8005858	93-01-01	Garhwal Rolling Mills Pvt. Ltd. P. Box No. 9 Dhalwala Rishikesh (UP)-249201	High Strength Deformed Steel Bars	IS 0178 6 : 85	
91. 8005959	93-01-01	Standard Metal Industries E 8, SMA Co-op. Indl. Estate G.T. Karnal Road Delhi-110033	Mild Steel Parliament Inges	IS 00362 : 8	
92. 8006052	93-01-01	Modern Hardware & Buckets Mfg. Co. C 177, Mayapuri Phase II New Delhi-110064	Mild Steel Butt Hinges	IS 01341 : 92	
93. 8006153	93-01-01	New Moon Light Industries Khasra No. 45 Bawana Road, Prahladpur Delhi-110042	Precast Concrete Manhole covers Heavy Duty Circular	IS 12592 : 88	



1	2	3	4	5	6
94. 8006254	93-01-01	M.V.S. Electronics (P) Ltd. E-204, Flatted Factory Complex Okhla New Delhi-110020	Minoral Filled Sheathed heating element for Water heating	IS 04159 : 83	
95. 8006355	93-01-01	Gupta Chemicals (P) Ltd. B-144, Road No. 9 VKI Area, Jaipur-302013	Endosulfan DP 4%	IS 04322 : 67	
96. 8006456	93-01-01	Wire Links G-472, Road No. 9A VKI Area Jaipur-302013	Single Core PVC Insulated unsheathed cables for working voltage upto & including 1100V with Copper conductor	IS 00694 : 90	
97. 8006557	93-01-01	Super LPG Appliances Pvt. Ltd. Plot No. 794 Sahibabad Daulatpur Delhi-110042	Double Burner CRCA Ni/Cr Plated and Stainless Steel Taper Front Body with and without Drip tray CI Burner Tops and Dulbul Type Mixing Tube Burners	IS 08749 : 88	
98. 9005136	92-12-16	Shiva Appliances (P) Ltd. 703, Indl. Area Phase II Chandigarh	Stationery Storage Type Electric Heater	IS 02082 : 85	
99. 9005257	92-12-16	Taska Steels (P) Ltd. Link Road, Preet Nagar Ludhiana-144004	Mild Steel Wires	IS 00280 : 78	
100. 9005358	92-12-16	Shiva Cooker Industries 52 KM Stone G.T. Road, near Murthal Kurur (Punjab)	Domestic Pressure Cooker	IS 02347 : 87	
101. 9005459	92-12-16	Himachal Wire Industries (P) Ltd. G.T. Road Damtal-176403	Galvanized Steel Chain Link Fence Fabric	IS 02721 : 79	
102. 9005560	92-12-16	Kamal Industries PO Beldain, Vial Dhalli Village Dhagog (PB)-170012	Galvanized Steel Chain Link Fence Fabrics	IS 02721 : 79	
103. 9005661	92-12-16	Aman Feed Industries E-2, Focal Point Khanna-141401	Compounded Feed for Cattle	IS 02052 : 79	
104. 9005762	92-12-16	J&K State Agro Ind. Dev. Corpn. Ltd. Lane No. 4 SIDCO Indl. Estate Bari Brahmna-181133	Compounded Feed for Cattle	IS 02052 : 79	
105. 9005863	92-12-16	Chandra Electromag (P) Ltd. 18, Monerco Indl. Estate Allahabad-211004	Enamelled round winding Wires	IS 04890 : 68 Part : 05	
106. 9005964	93-01-01	Vichitra Prestressed Concrete Udyog (P) Ltd. Vill. Choma, Choma Distt. Gurgaon (Haryana)	Prestressed Concrete Pipes	IS 00784 : 78	

1	2	3	4	5	6
107. 9006057	93-01-01	Indian Dairy & Allied Services (P) Ltd. Ludhiana Road PB No. 53 Malerkotla (PB)-148023	Skim Milk Powder		IS 13334 : 92 Part : 01
108. 9006158	93-01-01	Kanoria Chemicals Inds. Ltd. PO Renukoot, Renukoot Distt. Sonbhadra (UP)	Pest-BHC DP 1.3 %		IS 00561 : 78
109. 9006259	93-01-01	Bhatiyani Chemicals Himalayan Farm Bareilly Road, Haldwani-263139	Disinfectant Fluid Black		IS 01061 : 82
110. 9006360	93-01-01	Shakti Metal Works S-254, Indl. Area Jalandhar	Copper Alloy Float Valves		IS 01703 : 89
111. 9006461	93-01-01	Atlay Laboratories (P) Ltd. 5 KM Milestone, Mansa Road Bhatinda	Pest-Monocrotophos 36% SL		IS 08074 : 90
112. 9006562	93-01-01	Modern Insecticides Ltd. C-162A, Focal Point Dhandari Kalan Ludhiana-14 1009	Fenvalerate 20% EC		IS 11997 : 87
113. 9006663	93-01-01	Prakash Chemical Industries G.T. Road, Raraw PO Kushthashram Varanasi.	Disinfectant Fluid Black		IS 01061 : 82
114. 9006764	93-01-01	Ambica Gen Power (P) Ltd. 13/22A, Nunhai Agra -282006	Diesel Engines		IS 11170 : 85
115. 9006865	93-01-01	Ambica Gen. Power (P) Ltd. 13/22 A, Nunhai Agra-282006	Diesel Engines		IS 10001 : 81
116. 9006966	93-01-01	Harsh Metal Co. (Regd.) B-6/1099, Near Sodal Road, Jalandhar-144004	Leaded Tin Bronze Ingots		IS 00318 : 81
117. 9007059	93-01-01	Vir Electricals (P) Ltd. G.T. Road, Bye Pass, Jalandhar City	Com. Units Air Break Switches.		IS 10027 : 81
118. 9007160	93-01-01	Mohan Paints Goods Shed Road, Aish Bagh, Lucknow-226004	Aluminium Paint		IS 02339 : 63
119. 9007261	93-01-01	Pratap Wires (India) Pvt. Ltd. Vill. Surajpur, PO Mohtli, Teh. Indore, Distt. Kangra (HP)-176404	Galvanized Steel Chain Link Fence Fabric		IS 02721 : 79

## कृषि मंत्रालय

(कृषि एवं सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, 31 मई, 1993

का. आ. 1348.—पिछली अधिसूचना, दिनांक 7 मई, 1991 में आंशिक संशोधन करने लिये राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम के प्रबंध निदेशक श्री जे. एन. एच. श्रीवास्तव भारतीय प्रशासनिक सेवा (पी. बी. 66) की प्रतिनियुक्ति की अवधि 7-12-93 तक के लिये प्रणवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, बढ़ाई जाती है।

यह कृषि तथा सहकारिता विभाग में सतत प्राधिकारी के अनुमोदन से जारी किया जाता है।

[सं. एल.—12011/4/91-आर्ट. एण्डपी.]

एम. के. मिश्रा, अवर सचिव

## MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture and Cooperation)

New Delhi, the 31st May, 1993

S.O. 1348.—In partial modification of the earlier notification dated 7th May, 1991, the period of deputation of Shri J.N.L. Srivastava, IAS (Pb:66) the Managing Director of National Cooperative Development Corporation (NCDC) is extended upto 7-12-93 or until further orders whichever is earlier.

This issues with the approval of the competent authority in the Department of Agriculture and Cooperation.

[No. L-12011/4/91-I&amp;P]

S. K. MISHRA, Under Secy.

## पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 28 मई, 1993

का. आ. 1349.—केन्द्रीय सरकार, सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेदखली) अधिनियम, 1971, (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नीचे की सारणी स्तम्भ (1) में उल्लिखित आई. बी. पी. कंपनी लिमिटेड के अधिकारियों को, जो सरकार के राजपत्रित अधिकारी की पंक्ति समतुल्य अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए सम्पदा अधिकारी नियुक्त करती है और उक्त अधिकारी उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट स्थानों की बाबत अपनी अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर, उक्त अधिनियम द्वारा या उसके अधीन सम्पदा अधिकारियों को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग और उन पर अधिरोपित कर्तव्यों का पालन करेंगे।

## सारणी

अधिकारी का नाम और पदनाम

सरकारी स्थानों के प्रश्न और अधिकारिता की स्थानीय सीमाएं

1

2

महाप्रबंधक (एन. आर.)

दिल्ली, पंजाब, हरियाणा राजस्थान, जम्मू कश्मीर और हिमाचल प्रदेश राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में आई. बी. पी. कंपनी लिमिटेड या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अधिग्रहण किए गए स्थान।

महा प्रबंधक (उत्प. आर.)

महाराष्ट्र, गुजरात और कर्नाटक राज्यों के आई. बी. पी. कंपनी लिमिटेड को या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अधिग्रहण किए गए स्थान।

क्षेत्रीय प्रबंधक (एन. आर.)

तमिलनाडु, केरल और आंध्र प्रदेश राज्यों में आई. बी. पी. कंपनी लिमिटेड या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अधिग्रहण किए गए स्थान।

मुख्य प्रबंधक (जी पी एस और सी)

पश्चिमी बंगाल, बिहार, उड़ीसा, असम और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में आई. बी. पी. कंपनी लिमिटेड या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अधिग्रहण किए गए स्थान।

उप महाप्रबंधक (उत्प.) कांशी

मध्य प्रदेश राज्य में आई. बी. पी. कंपनी लिमिटेड या उसके द्वारा उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अधिग्रहण किए गए स्थान।

[सं. पी. 41020/16/91-एम. के. टी.]

गुरदयाल सिंह, अवर सचिव

## Ministry of Petroleum &amp; Natural Gas

New Delhi, the 28th May, 1993

S.O. 1349 :—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the Officers mentioned in column 1 of the Table below, being officers of the IBP Company Limited, equivalent to the rank of a Gazetted officer of Government, to be estate officers for the purposes of the said Act and the said officers shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on estate officers by or under the said Act, within the local limits of their jurisdiction in respect of the premises specified in column 2 of the said Table:

TABLE

Name and Designation of the Officer	Categories of Public Premises and local limits of jurisdiction
1	2
General Manager (NR)	Premises belonging to or taken on lease or requisition by or on behalf of IBP Co. Limited in the State/Union territories of Delhi, Punjab, Haryana, Rajasthan, J&K and Himachal Pradesh.
General Manager (WR)	Premises belonging to or taken on lease or requisition by or on behalf of IBP Co. Limited in the States of Maharashtra, Gujarat and Karnataka.
Regional Manager (SR)	Premises belonging to or taken on lease or requisition by or on behalf of IBP Co. Limited in the States of Tamil Nadu, Kerala and Andhra Pradesh.
Chief Manager (GPS&C)	Premises belonging to or taken on lease or requisition by or on behalf of IBP Co. Limited in the States of West Bengal, Bihar, Orissa, Assam and other North Eastern States.
Dy. General Manager (W), Korba.	Premises belonging to or taken on lease or requisition by or on behalf of IBP Co. Limited in the States of Madhya Pradesh.

[No. P-44010/16/91-MkT)]

GURDIAL SINGH, Under Secy.

नागर विमानन और पर्यटन मंत्रालय

(नागर विमानन विभाग)

नई दिल्ली, 1 जून, 1993

का. भा. 1350.—वायु निगम अधिनियम, 1953 (1953 का 27) की धारा 4 द्वारा प्रवक्त शक्तियों का उपयोग करते हुये, केन्द्रीय सरकार एनयूआर 1-6-93 से श्रवण आदेशों तक, इंडियन एयरलाइंस के निदेशक मंडल का पुनर्गठन करती है :—

1. अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक  
इंडियन एयरलाइंस।

अध्यक्ष

2. अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक  
एअर इंडिया

3. महा निदेशक  
(पर्यटन)

4. संयुक्त सचिव  
(नागर विमानन विभाग)

5. संयुक्त सचिव व वित्त सलाहकार  
(नागर विमानन विभाग)

6. अध्यक्ष  
भारत अंतरराष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण

7. अध्यक्ष

राष्ट्रीय विमान पत्तन प्राधिकरण

8. सचिव

उत्तर-पूर्वी परिषद्, शिलांग

9. प्रबंध निदेशक

पवन हंस लिमिटेड

[का. भा. संख्या ए.बी. 18030/44/92—ए.सी.—बी.एल.]

पी. के. बैनर्जी, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF CIVIL AVIATION AND TOURISM

(Department of Civil Aviation)

New Delhi, the 1st June, 1993

S.O. 1350.—In exercise of the powers conferred by Section 4 of the Air Corporations Act, 1953 (27 of 1953), the Central Government hereby reconstitute the Board of Directors of Indian Airlines with effect from 1-6-1993 and until further orders :—

1. Chairman and Managing Director, —Chairman  
Indian Airlines.

2. Chairman and Managing Director.  
Air India.

3. Director General,  
(Tourism).
4. Joint Secretary,  
Department of Civil Aviation.
5. Joint Secretary and Financial Advisor  
Department of Civil Aviation.
6. Chairman,  
International Airports Authority of India.
7. Chairman,  
National Airports Authority.
8. Secretary,  
North Eastern Council, Shillong.
9. Managing Director,  
Pawan Hans Limited.

[F. No. AV. 18030/44/92-ACVL]

P. K. BANERJI, Jt. Secy.

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 4 मई, 1993

का. भा. 1351.—चलचित्र (प्रमाणन) नियमावली, 1983 के नियम 7 और 8 के साथ पटित चलचित्र अधिनियम, 1952 (1952 का 37) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस मंत्रालय की दिनांक 30-9-91, 24-1-92, 24-8-92, 13-11-92 तथा 16-11-92 की अधिसूचना संख्या 814/11/90-एफ. (सी) के अनुक्रम में केन्द्रीय सरकार श्री ललित भसीन, 10 हैली रोड (10वां मंज), नई दिल्ली-110001 को तत्काल प्रभाव से अगले आदेशों तक केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के दिल्ली तथाहकार पैनल के सदस्य के रूप में नियुक्त करती है।

[फाइल संख्या 809/4/93-एफ. (सी)]

एस. लक्ष्मीनारायणन, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 4th May, 1993

S.O. 1351.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Cinematograph Act, 1952 (37 of 1952) read with rules 7 and 8 of the Cinematograph (Certification) Rules, 1983 and in continuation of this Ministry's Notifications No. 814/11/90-F(C) dated 30-9-1991, 24-1-1992, 24-8-1992, 13-11-1992 and 16-11-1992, the Central Government is pleased to appoint S. Sri Lalit Bhasin, 10-Hailey Road (10th Floor), New Delhi-110001 as a member of the Delhi advisory panel of the Central Board of Film Certification with immediate effect and until further orders.

[File No. 809/9/93-F(C)]

S. LAKSHMI NARAYANAN, Jt. Secy.

नई दिल्ली 4 मई, 1993

का. भा. 1352.—चलचित्र (प्रमाणन) नियमावली, 1983 के नियम 7 और 8 के साथ पटित चलचित्र अधिनियम, 1952 (1952 का 37) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस मंत्रालय की (i) दिनांक 30-9-91 की अधिसूचना

सं. 809/3/91-एफ. (सी) (ii) दिनांक 24-8-92 की अधिसूचना सं. 809/1/92-एफ. (सी) (iii) दिनांक 26-8-92 की अधिसूचना सं. 809/1/92-एफ. (सी) (iv) दिनांक 07-10-92 की अधिसूचना सं. 809/1/92 एफ. (सी) और (v) दिनांक 30-12-92 की अधिसूचना सं. 809/1/92-एफ. (सी) (vi) दिनांक 27-4-93 की अधिसूचना सं. 809/4/93-एफ. (सी) के अनुक्रम में केन्द्रीय सरकार डॉ. बी. सी. जैन, मनदी निवाकार 16/77-ए, सिविल लाइन्स, कानपुर-208001 को तत्काल प्रभाव से अगले आदेशों तक केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के बम्बई तथाहकार पैनल के सदस्य के रूप में नियुक्त करती है।

[फाइल सं. 809/4/93-एफ. (सी)]

एस. लक्ष्मीनारायणन, संयुक्त सचिव

New Delhi, the 4th May, 1993

S.O. 1352.—In exercise of the powers conferred by Section (1) of section 5 of the Cinematograph Act, 1952 (37 of 1952) read with rules 7 and 8 of the Cinematograph (Certification) Rules, 1983 and in continuation of this Ministry's Notifications (i) No. 809/3/91-F(C), dated 30-9-1991 (ii) No. 809/1/92-F(C), dated 24-8-1992 (iii) No. 809/1/92-F(C), dated 26-8-1992 (iv) No. 809/1/92-F(C), dated 7-10-1992 (v) No. 809/1/92-F(C), dated 30-12-1992 and (vi) No. 809/4/93-F(C), dated 27-4-1993, the Central Government is pleased to appoint Dr. B. C. Jain, Chartered Accountant, 16/77-A, Civil Lines, Kanpur-208001 as a member of the Bombay advisory panel of the Central Board of Film Certification with immediate effect and until further orders.

[File No. 809/4/93-F(C)]

S. LAKSHMI NARAYANAN, Jt. Secy.

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 24 मई, 1993

का. भा. 1352.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार चन्दा रयातवाड़ी कोल्बरी ऑफ इन्ड्यु. सी. एल. के प्रबन्धन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नं. 2, बम्बई के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-5-93 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-22012/147/91-आई आर (सी-II)]

राजा लाल, डेस्क अधिकारी

## MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 24th May, 1993

S.O. 1353.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Bombay, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Chanda Rayatwari Colliery of W. C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 19-5-1993.

[No. L-22012/147/91-IR (C. II)]

RAJA LAL, Desk Officer.

## ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL  
TRIBUNAL NO. 2, BOMBAY

## PRESENT :

Shri P. D. Apshankar, Presiding Officer  
Reference No. CGIT-2/37 of 1991

## PARTIES :

Employers in relation to the management of Chanda  
Rayatwari Colliery of W.C.L., Chandrapur

## AND

Their Workman.

## APPEARANCES :

For the Management : Shri B. N. Prasad and Shri G. S.  
Kapoor, Advocates.

For the Workmen : Shri S. R. Pendre, Representative.

INDUSTRY : Coal Mines. STATE : Maharashtra.  
Bombay the 26th April, 1993

## AWARD PART-I

The Central Government by their Order No. L-22012/  
147/91-IR(C.II) dated 27-6-1991 have referred the following  
Industrial Disputes to this Tribunal for adjudication under  
Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act :

"Whether the dismissal order from 6-5-1990 issued by  
the Sub Area Manager, W. C. Ltd., Chanda Rayat-  
wari Colliery, Chandrapur against Shri Yelkapalli  
Permayya, Loader, is legal and justified? If not,  
to what relief the workman is entitled?"

2. The Original Statement of Claim has been filed in  
Marathi at Ex. 2 on behalf of the workman Shri Yelkapalli  
Permayya, by the representative of his union, while the copy  
of the Statement of Claim in English is at Ex. 2A. The case  
of the said workman, in short, is thus :

The said workman was working as a permanent loader  
at Chanda Rayatwari Colliery, Chandrapur, since  
26-10-974. In the Western Coal field there are  
many collieries and one of them is Chanda Rayat-  
wari Colliery. There are five to six trade unions in  
the said region, and Lad Bawta Koyla Kamgar  
Union, Chandrapur, is one of those unions which  
is a registered union. The abovesaid workman Shri  
Y. Permayya was elected as a Branch President of  
the said union at Chanda Rayatwari Colliery, and  
the management was informed about it. At the  
place of work the management is required to give  
work to the permanent loader when he enters into  
the mine. In case he is not given any work by the  
company after he enters into the mine, he must get  
some amount of wages. It is not just and proper  
to ask the workmen to sit outside the place of  
work without any work being given to them. How-  
ever certain 18 loaders were simply asked to sit  
at the place of the work without any work being  
given to them. After going out of the mine, these  
loaders went to the said workman Mr. Y. Permayya.  
The Branch President of the union, and informed  
him about the incident. The said workman then  
discussed the matter with the Deputy Manager Shri  
Shastri. Those 18 loaders of the second shift stayed  
at the place of work in the mine on 5-9-1989 think-  
ing that they would be given work at least during  
the third shift by the management. However no  
work was given to them even during the third shift.  
Hence the said workman, i.e. the Branch President  
informed the superior officer about that incident  
in the morning of 6-9-1989. The General Secretary  
realised the plot of the management and informed  
the Superintendent of the mine that they were com-  
pelling the workers to go on strike. Those 18 loaders

were then issued the charge-sheets by the manage-  
ment. The chargesheets were issued against some  
other 5 workmen also.

3. Thereafter the management issued a chargesheet dated  
12-9-1989 against the said workman Shri Y. Permayya, the  
Branch President of the Union, with a view to victimise him  
on the ground of his union activities. This chargesheet was  
issued after a period of seven days, and as such during that  
period the management was thinking of dismissing him from  
services. The enquiry officer was appointed to conduct an  
enquiry against him. The said workman denied the charges  
levelled against him. On 12-10-1989 the said workman pre-  
sented an application before the enquiry officer giving the  
details of his co-workers. However the enquiry officer refused  
to accept it and as such he had acted as an enquiry officer  
as well as a Public Prosecutor. Thereafter the said charge-  
sheeted workmen made an application for the change of the  
Enquiry Officer as he was not an impartial person. However  
his requests was not considered by the management. There-  
after an Additional charge-sheet was issued against that work-  
man and finally the management dismissed that workman  
from services. The enquiry conducted against him was not  
conducted properly and as per the rules of natural justice.  
He was dismissed from services on the ground of his union  
activities. The union, therefore, lastly prayed that this Tri-  
bunal should hold the action of the management as unjust,  
improper, and illegal and should direct the management to  
reinstate the said workman in services w.e.f. 6-5-1990, i.e.  
the date of the dismissal with full back wages and continuity  
of service.

4. The management of M/s. Western Coal fields Ltd.  
(Rayatwari Sub Area by their Written Statement (Ex. 3)  
opposed the said claim of the union, and in substance, con-  
tended thus :

The said workman Shri Yelkapalli Permayya was emp-  
loyed as a loader at Chanda Rayatwari Colliery prior  
to his dismissal from services. The charge sheet  
dated 12-9-1989 was issued to him by the manage-  
ment. The charge against the workman were thus :—

"He instigated the workmen to go on illegal strike, in-  
terfered in the working of the mines without the  
petuasion of the competent authority and gave  
threats to the executives (officers) of the mine,  
which acts resulted in loss of production to the  
management. The abovesaid acts amounted mis-  
conduct under the Standing Orders No. 13(B) (9),  
(16), and (34) of the Certified Standing orders as  
applicable to Chanda Rayatwari Colliery and its  
workmen".

5. The said workman filed his 'say' to the said chargesheet  
Thereafter Shri B. Roy, the Personnel Manager, Chandrapur  
Area, was appointed as an Enquiry Officer to conduct the  
domestic enquiry against the said chargesheeted workman.  
By the letter dated 7-10-1989 the said workman was asked  
to attend before the enquiry officer at the time and place  
to be fixed by the enquiry officer, alongwith his witness, if any.  
He was also advised to take the assistance of a co-worker  
from Chanda Rayatwari Colliery during that domestic en-  
quiry, if he so desires. The enquiry officer did not agree  
with the request of the said workman to take the assistance  
of certain workers as his representatives. However, the  
enquiry officer again told the said workman to take the  
assistance of the co-worker from Chanda Rayatwari Col-  
liery. At the commencement of the enquiry proceedings, the  
chargesheet was read out and explained to the said workman  
in Hindi by the enquiry officer, and the said workman denied  
the charges levelled against him. All the witnesses for the  
management were cross-examined in the presence of the  
said workman and his co-worker, and they were cross-examin-  
ed by the co-worker of the said workman. The said work-  
man and his co-worker, and they were cross-examined by the  
co-worker of the said workman. The said workman had  
examination 16 witnesses on his behalf. The enquiry conduct-  
ed against the said workman was held properly, and every  
opportunity was given to the said workman to defend him elf.  
The enquiry officer found the said workman guilty of the  
charges levelled against him. Thereafter the disciplinary  
authority assessed the enquiry report, and agreed with the

findings of the enquiry officer. Considering the seriousness of the misconduct, the superintendent of mines dismissed the said workman from service by the order dated 3-5-1990.

6. The management further contended thus :—

The said workman were assigned the specific duty which they did not carry out, and had restored to sit in strike inside the mine. Those workmen had refused to work inspite of the work being given to them, and this amounted to sit on strike. Even during the third shift the said workmen had sat on strike. Thereafter the chargesheets were issued against those 18 loaders and also against 5 loaders to which they filed their 'say'. However, the matter was not pursued against those other workmen as it was found that the real person behind the incident was Shri Y. Primayya, i.e. the workman in question, who was subsequently charge sheeted. It is not true to say that the management issued charge sheet against him with a view to victimise him for his trade union activities. The dismissal order passed against the workman is just and proper. The necessary domestic enquiry held against him was proper, and as per the rules of natural justice. His request for the change of the enquiry officer was not found logical and just and proper, and hence it was not conceded to by the management. The said workman is not entitled to reinstatement in services or for any other relief. The management, therefore lastly prayed that this Tribunal should hold the action of the management in question as just and proper, and should reject the prayer of the said union.

The Issues framed at Ex. 4 are :

- (1) Whether the enquiry held against the workman in question was not held properly, and the rules of natural justice were not followed ?
- (2) Whether the dismissal order from 6-5-1990 issued by the Sub Area Manager, W.C. Ltd., Chanda Rayatwari Colliery, Chandrapur against Shri Yelkapalli Permayya, Loader, is legal and justified ?
- (3) If not, to what relief the workman is entitled?
- (4) What Award?

8. Issue No. 1 viz. "Whether the enquiry held against the workman in question was not held properly and the rules of natural justice were not followed ?" was tried as a

Preliminary Issue. I find that the said enquiry was held properly and the rules of natural justice were followed, for the following reasons.

### REASONS

9. The workman Shri Yelkapalli Permayya filed his affidavit in support of his case and also in support of the allegation that the enquiry held against him was not held properly, and the rules of natural justice were not followed, at Ex. 6, and he was cross-examined on behalf of the management. The management filed the affidavit of the enquiry officer Shri B. Roy s/o Jale Satvadeo Roy (Ex. 8) in support of their case, and he was cross-examined on behalf of the workman. The said workman stated and admitted in his cross-examination thus :

"A charge sheet was issued to me by the management in question I replied to it. I was told by the management by a letter that an enquiry is to be conducted against me. That enquiry officer was Shri B. Roy. It was mentioned in the letter sent to me by the management that I could take the assistance of a co-worker from the colliery where I was working. I had made an application to the enquiry officer that I might be allowed to take the assistance of Shri S. P. Pandre. I was told by the enquiry officer that as Shri Pandre was an outside person and was not the employees of the colliery, and as the other co-worker Mrs. Chandra was also not an employee of the W.C.L., I would not be permitted to take the assistance of those two persons. I sought four to

five adjournments to seek the assistance of the co-worker from colliery. Thereafter I produced my co-worker by name Shri Avdesh Prasad as my assistant in the enquiry proceedings. The evidence during the enquiry proceedings was recorded in the presence of the said co-worker Shri Avdesh Prasad. The enquiry officer had told us to proceed further with the evidence of the management witnesses, but we did not cross-examine them. At that time the enquiry officer Shri B. Roy was working in the office of the General Manager of the Area, and was not working in the colliery. I had not worked under him at any time, nor had I seen him there before. I had no enmity or quarrel with him. 16 witnesses were examined on my behalf during the enquiry proceedings, and they were cross-examined on behalf of the management. It was mentioned in the enquiry proceedings on the day before the last date that in case any of the parties would remain absent on the next date, the matter would proceed ex parte."

10. The enquiry officer Shri B. Roy, in substance, stated in his affidavit (Ex. 8) thus :

"I started the enquiry on 12-10-1989 after giving due notice to the workman Shri Permayya. The said workman had never requested me to allow Shri Schh, Senior Personnel Officer, as his co-worker. The enquiry proceedings were held in the presence of Shri Permayya and his co-worker. All the witnesses of the management were examined in their presence, and they were given an opportunity to cross-examine the management's witnesses, and this was availed by them. The evidence of all the witnesses of the workman was recorded, and those witnesses were cross-examined on behalf of the management. All the documentary evidence filed by both the parties was taken on the record in their presence. I recorded the proceedings of the enquiry in my own hand writing. Day to day proceedings of the enquiry were explained to the said workman in Hindi and his left hand impression was obtained thereafter. The proceedings were also signed by the co-worker of the workman Shri Permayya. On the last date of enquiry, i.e. 10-4-1990, the workman Shri Permayya did not attend the enquiry proceedings. However his co-worker was then present. The said workman had never made any request to me either orally or in writing for re-opening the enquiry. I conducted the enquiry in a fair and proper manner by observing the rules of natural justice. I had no prejudice or bias against the said workman. I was not influenced by any officer of the management either in conducting the proceedings or while submitting my report."

11. It is, therefore, quite clear from the different statements made by the workman in his cross-examination as above, and from the Statements made by the enquiry officer Shri B. Roy in his affidavit that the enquiry held against the said workman was conducted quite properly, regularly and that the rules of natural justice were followed.

ISSUE No. 1, is therefore, found accordingly.

P. D. APSHANKAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 26 मई, 1993

का.आ.1354--औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसूच में, केन्द्रीय सरकार इंडियन बैंक, के प्रबंधन के संबंध में नियंत्रकों और उनके कर्मचारियों के बीच, प्रत्यक्ष में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कोलम के पंचवट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 25-5-93 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/214/91-आई आर (वि-2)]

हरीश मोड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 26th May, 1993

S.O. 1354.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal, KOLLAM as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of INDIAN BANK and their workmen, which was received by the Central Government on 25-5-93.

[No. L-12012/214/91 IR(B-II)]  
HARISH GOUR, Desk Officer.

## ANNEXURE

IN THE COURT OF THE INDUSTRIAL TRIBUNAL.  
KOLLAM

(Dated, this the 3rd day of May, 1993)

Present :

SRI C. N. SASIDHARAN, Industrial Tribunal.

IN

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 52/91

BETWEEN

The Zonal Manager, Indian Bank, P. B. No. 3573, Pullepady, Chittoor Road, Ernakulam.

(By S/s. Subramaniam &amp; Cyriac Kurian, Advocate, Ernakulam).

AND

The General Secretary, The Indian Bank Employees' Union, Krishnaswami Cross Road, Ernakulam, Cochin.

(By Sri Zachariah Koshy, Advocate, Kottayam)

## AWARD

The Government of India as per Order No. L-12012/214/9-IRB.II dated 22-11-1991 have referred this industrial dispute

to this Tribunal for adjudicating the following issue :

"Whether the action of the Management of Indian Bank in not granting daftary allowance to Sri. G. Raveendran, Sub-staff, Attingal Branch on his re-instatement in service is justified ? If not, to what relief the said workman is entitled to ?"

2. In pursuance to notices issued from this Tribunal both sides entered appearance and filed statements advancing their respective contentions. Thereafter the case was adjourned for evidence and posted to 29-4-1993. On that day, when the case was taken up, the general secretary of the union has filed a memo stating that the claim under this reference is not pressed. The learned counsel for the management also submitted that the management has no objection in closing the matter as not pressed.

3. In view what is stated above, the case is closed as not pressed and an award is passed accordingly.

C. N. SASIDHARAN, Industrial Tribunal

नई दिल्ली, 26 मई, 1993

का.अ. 1355.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्वये में, केन्द्रीय सरकार, गुको बैंक के प्रबंधन के संबंध निषेधकों और उनके कर्मचारों के बीच, थनुयु में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक यंत्रिकरण, मद्रास के पंचपद को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 25-5-93 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एम-12012/270/90-आई आर (बि-2)]

हरीश गौर, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 26th May, 1993

S.O. 1355.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal, MADRAS as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of UCO BANK and their workmen, which was received by the Central Government on 25-5-93.

[No. L-12012/270/90 IR(B-II)]

HARISH GOUR, Desk Officer

## ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMIL NADU  
MADRAS

Tuesday, the 30th day of March, 1993

Present :

THIRU M. GOPALASWAMY, B.Sc., B.L., Industrial Tribunal.

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 2 OF 1991

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workman and the management of United Commercial Bank, Madras-1).

BETWEEN

Thiru A. Sappani, No. 86, Mailasapuram, Tirunelveli Junction, Tirunelveli-627 001.

AND

The General Manager, United Commercial Bank, Zonal Office, No. 169, Thambu Chetty Street, Madras-600 001.

Reference :

Order No. L-12012/270/90-IR-B(II), dated 26-12-90, Ministry of Labour, Government of India, New Delhi.

This dispute coming on for final hearing on Tuesday, the 2nd March, 1993 upon perusing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Thiruvallargal G. R. Edmund and A. D. Jagdishchandran Advocates appearing for the workman and of Thiru R. Arumugam for Thiruvallargal Aiyer and Dolla & R. Arumugam Advocates appearing for the management, and this dispute having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following.

## AWARD

This dispute between the workman and the management of United Commercial Bank, Zonal Office, Madras-1 arises out of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India in its Order No. L-12012/270/90-IR-B(II) dated 26-12-1990 of the Ministry of Labour for adjudication of the following issue :

"Whether the action of the Management of UCO Bank in dismissing Sh. A. Sappani, Watchman-cum-Peon from the services of the Bank is justified ? If not to what relief the workman is entitled ?"

2. The Petitioner-workman states as follows :

He was working as watchman-cum-peon at the Branch of the Respondent at Pettai, Tirunelveli. For certain alleged acts of misconduct committed by him between 1979-1983 in respect of transactions at the said branch he was given a charge sheet dt. 4-4-86. The matter was investigated also by Central Bureau of Investigation, Madras which gave a report that there were no materials to launch a criminal prosecution. But, acting on the said report, the respondent has issued the charge sheet to which the petitioner gave his explanation. Then a domestic enquiry was ordered and conducted. The petitioner has no knowledge of English, in which the Domestic Enquiry Proceedings



were conducted. His request to engage a Lawyer was negated. The Enquiry Officer gave a report dated 19-10-88 holding that the charges have been proved. To the second show cause notice the petitioner gave his reply dt: 7-12-88. The Respondent passed an order dt. 13-12-88, dismissing the petitioner from service. The Appellate authority dismissed petitioner's appeal also. Hence the petitioner started the conciliation proceedings which has also failed.

3. The petitioner was not given a copy of the C.B.I. report. Hence he was not able to make effective cross-examination of Management witnesses. Refusal to engage a lawyer has also adversely affected his defence. Important documents have been admitted in the evidence, without competent witnesses proving them. The enquiry officer acted in a biased manner. The fact that the petitioner who has studied only upto 7th standard could not have committed the serious acts without participation and connivance of other persons in the Bank was not considered at all. The dismissal of the petitioner from service is totally unjustified. The findings of the enquiry officer are perverse. Hence an award may be passed, directing the respondent to re-instate the petitioner in service with all benefits.

#### 4. The Respondent states as follows :—

The Petitioner joined the post at Pettai branch, Tirunelveli, as a Peon-cum-watchman on 27-2-1974. He was given a tamil translation of the charge sheet at his request. The 4 charges against him are as follows :

1. The charge sheeted employee utilised one Athankaraiyar to forge withdrawal slips for a total amount of Rs. 3000/- and drew the amount from S.B. A/c. No. 1952.
2. He pledged his jewels in the name of Thiru M. Subramaniam and obtained jewel loan and discharged the same by fraudulently withdrawing money from S.B. A/c. No. 1952.
3. He forged the signature of Thiru Balasubramanian and withdrew money from S. B. Account No. 1952.
4. I. He opened two fictitious S.B. Account Nos. 1458 and 1952 respectively in the name of Ramachandran and Balasubramanian.

2. He deposited the proceeds of 22 instruments in the said fictitious accounts opened by him.

5. A representative of the union conducted the defence. 19 witnesses have been examined by the Management. Oral and documentary evidences have established the charges except the charge No. 4(1). The Domestic Enquiry officer has recorded his findings on sufficient evidence. The disciplinary authority has agreed with the report of the Domestic Enquiry Officer and gave a hearing to the petitioner regarding punishment. After considering the materials, the disciplinary authority passed an order dt. 13-12-88 dismissing the petitioner from service. The appellate authority rightly confirmed the order and dismissed the appeal. The Respondent was justified in refusing engagement of a lawyer by the petitioner. His defence representative General Secretary of the union is a very competent person. Full opportunities have been given to the petitioner. Report of the C.B.I. being a confidential document, could not have been given to the petitioner. The domestic enquiry officer had no bias against the petitioner. The petitioner has enough knowledge and ability to handle the work of clearing cheques and doing other clerical jobs which are generally performed by employees above the rank of a peon. The fairness of the domestic enquiry may be decided as a preliminary issue and if the same is found to be unfair, the respondent is willing to let in further evidence to prove the charges. The punishment of dismissal is not disproportionate. The claim is liable to be dismissed.

#### 6. Points for determination are as follows :—

1. Whether the domestic enquiry has been conducted fairly and properly ?

2. Whether the findings are sustainable on the evidence available or are they perverse ?

3. Whether the punishment is adequate and just ?

7. Though the respondent wanted a preliminary enquiry in the first instance regarding the question of fairness of the enquiry both sides have not pressed the same. On the other hand, the Respondent's counsel has stated that the I.D. may be disposed off on merits without taking any further evidence and by using the evidentiary materials already given at the domestic enquiry. Hence no oral evidence was given in this Tribunal. The documents relating to the domestic enquiry like the charge sheet, petitioner's explanation, record of evidence, the domestic enquiry report and dismissal order have been marked as Exhibits M1 to M11.

8. Point No. 1 : The petitioner is after all a peon watchman with educational qualification of study upto 7th class or standard. The major charge is charge No. 4 consisting of two parts. The first part is that the petitioner allegedly opened a fictitious S.B. A/c. No. 1458 on 23-4-89 in the name of V. Ramachandran and another fictitious S.B. A/c. No. 1952 on 11-12-89 in the name of G. Balasubramanian. After opening these accounts, the petitioner is said to have deposited Rs. 1,11,030 being the proceeds of 12 instruments received at the Pettai Branch for collection (towards) outstation cheques or for payment across the counter, and then withdraw the amounts through withdrawal forms (slips) and that he also tampered with and destroyed the relevant bank records. Charge Nos. 1 to 3 are in substance ancillary charges relating to the different transactions in which the petitioner fraudulently withdrew the amounts from the above stated S.B. A/c.s.

9. The stand of the respondent that the report of Thiru Ramarajan, Inspector of Police belonging to the CBI who conducted an investigation after registering the crime is a confidential one and that a copy thereof could not have been furnished to the petitioner before the commencement of the domestic enquiry is untenable. The Respondent has also failed to give copies of the reports of 2 departmental/internal investigations conducted by Rajagopal and Sundaram. Having the magnitude of the charges in mind, the reports of the CBI Inspector and also the 2 departmental inspectors are most vital documents, copies of which should have been furnished to the petitioner to enable him to have a meaningful opportunity for cross examining the witnesses and defending himself. The respondents failure to furnish copies of these documents in my view has adversely affected the petitioner's capacity to defend himself and therefore I hold that the Domestic Enquiry has not been conducted in accordance with the principles of natural justice and hence it is unfair and vitiated.

10. Point No.—2 : Even assuming that the Domestic enquiry has been fairly conducted we may proceed to decide 2nd and 3rd points in the absence of any further evidence given before us, by assessing and relying solely on the evidence recorded at the domestic enquiry. The delinquent Sappani is charged with a very serious crime of opening a fictitious S.B. A/c. No. 1952 on 11-12-89 in the name of one Mr. G. Balasubramanian and then crediting the said a/c. with monies belonging to other payees and finally withdrawing several thousands of rupees from the said S.B. A/c. by using forged withdrawal slips. The account was opened when the Branch Manager M.W.1 Srinivasan was at the helm of the Branch at Pettai, Tirunelveli. The monies fraudulently credited into S.B. A/c. represented the proceeds of collection cheques sent by the respondents branch at Madras, Sowcarpet, clearance of all these cheques was done at Tirunelveli Branch of Tamil Nadu Bank, as the respondents branch had no clearing facility. Material witnesses examined at the domestic enquiry are M.W.1, the then Branch Manager Mr. V. Srinivasan, M.W.2. Krishnan, then clerk of the Branch, M.W.4 Ganapathy Subramanian, another clerk M.W.5 Muthukumaraswamy, a clerk cum typist, M.W.6 Ramasamy then Asst. Manager, M.W.7 Sankaralingam, another clerk, M.W.8 S. Balasundram also a clerk M.W. 9 Appadurai, then cashier M.W.13 Joseph George, another cashier and M.W.6 Ramekrishnan, then Chief Cashier of

the Branch. Besides these Bank officials, M.W.3 Dr. Ali handwriting expert attached to C.B.I. Madras M.W.13 Mr. Vellingiri, C.B.I. Inspector and M.W.17 Ramarao, CBI Inspector were also examined. Two departmental officers who made the departmental inspections are M.W.14 Rajagopalan and M.W.18 Sundaram.

11. Most of these witnesses who have worked in the Pettai Branch of the Respondent have painted the petitioner as the ace-villain with great talents required of a clerk or Officer of the Bank and as one capable of doing duties which are far above the job responsibilities of a watch man. Whose duty is to have the keys of the outer most door of the office building to open and close the building, bring Tapals and place them before the Branch Manager. M.W.2 Krishnan who is a clerk, deposed that the petitioner Sappani was doing clerical works such as :

"He had been issuing tokens, sorting cheques for clearing he has even taken balancing work, he has written section day book; some times he has even debited the accounts."

M.W. 15 Joseph George, speaking about the greater role played by the petitioner deposed as follows :—

"He did balancing, loan ledgers writing supplementary book, helping clearing etc.

Mr. Sappani used to help up while writing the clearing Register. The cheques will be taken out separately to prepare bank schedules.

At the paying in slip will be handed over to me to write the clearing register. By the time I finish writing the clearing register and tally it the bankwise schedule will be prepared by Mr. Sappani and hand it over to me. After that I will go for clearing.

In the same vein, M.W.16 Ramakrishnan, Chief Cashier at the relevant time has told that the petitioner was virtually doing the job of a clerk. The deposition runs as follows :—

- He used to help staff members in all spheres of help including receiving cheques from customers, affixing the stamps, preparing bank-wise schedules, taking balancing and totalling, clearing scroll tallying. I have seen him writing day book also twice. According to M.W.4 Ganapathy Subramanian, the items of processing work in relation to clearance of cheques are as follows :—

Generally the cheques are accompanied by deposit challans, schedules, from branches and OBC realisation schedules. The amounts mentioned in the schedule received from branches. The amount mentioned in the schedule received from branches are recorded in the sundry column. The cheque particulars are recorded in the appropriate columns. By cheques particulars I mean the bank branch, amount and cheque number. In case of OBC realisations, the amount mentioned in the schedule received from other banks are recorded in bills, column. In respect of the cheques received from parties, the challan amount is entered in deposit column, and the particulars relating to cheques are entered in appropriate columns".

Such evidence has been advanced as proof of the facts that the petitioner alone was responsible for making alterations in the cheques B3 forms withdrawal forms etc. to carry out the fraud. That these could not be swallowed as true is shown by the evidence M.W.5 Muthukumaraswamy, then clerk. He says that the B3 forms drawn in favour of Sowcarpet Branch has been tampered with by writing word "returned" written by Ramakrishnan (M.W.16) etc. and S. Krishnan (M.W.2).

12. The very way in which the fictitious S.B. A/c. 1952 of G. Balasubramanian was opened has been spoken to by M.W.1 Srinivasan, the Branch Manager concerned. He admits that he has not seen Balasubramanian, that he has simply authenticated the specimen signature cards of G. Balasubramanian and that he did not know who introduced the customer or impostor Mr. Balasubramanian. He and other witnesses freely admitted that they permitted opening of accounts without even seeing the face of the customers on

whose behalf the A/c.s. were opened and without screening the introduction. Eulogising the capacity of the petitioner M.W.1 Srinivasan then Branch Manager, said that he worked as a clerk by writing scrolls, supplementary ledger, clearing register and B3 forms. He went on to say that his signatures on B3 forms have been forged by the Petitioner.

The various registers and forms regarding collection of outstation cheques such as clearing register, clearing scroll, B3 forms have to be filled up and maintained only by clerks or officers and not a peon like the petitioner. One must remember that all the formalities regarding opening of accounts have to be observed only by the Branch Manager and not a member of the sub-staff. The evidence of the Bank employees reveals that more than the petitioner Sappani, other Bank employees should have played their part in the fraud. The C.B.I. Inspector M.W.17 Ramaraj has opined that the materials were not strong enough to warrant filing a charge sheet in a court of laws. He deposed that there are nevertheless grounds necessitating a departmental enquiry against Petitioner Sappani alone to the exclusion of Bank's other officials. This view, in the back ground of evidence and nature of the crime, is quite far fetched. M.W. 3 Dr. Ali hand writing expert attached to the CBI has compared S1 to S31 specimen writings of the petitioner with his questioned writings. The alleged specimen writings taken from Sappani by M.W.17 Ramaraj, Inspector of Police have not been taken under orders of any court. Even assuming that the petitioner Sappani has actually written certain crucial entries in B3 forms, we cannot think for a moment that he had done it on his own without oral orders given by the officials of the Bank. M.W.15 Thiru Joseph George told that Thiru Sappani Petitioner was permitted to receive cash from the counter of the Branch acting as a representative of an account holder of the Branch who was employed in the State Bank of India, Tirunelveli as Cashier and that the witness made the payment on the advice of then Cashier of the Branch who is M.W.16 Thiru V. Ramakrishnan. This is to be seen as the thin end of the wedge or scheme in which the petitioner was made to act as a tool by other officers.

The evidence of M.W.10 Subramanian who took Jewel loan by pleading the jewels at the Pettai Branch is that the jewels belonging to the petitioner were pledged by M.W.10 in as much as a jewel loan in the name of the petitioner himself cannot be directly availed. This is not a misconduct affecting the bank in any manner. Due to mutual trust M.W.10 Subramanian could have posed as the owner of the jewels which really belonged to the petitioner and obtained the loan for the petitioner's benefit by going through the formalities. This witness Subramanian is a member of the sub-staff of another bank at Tirunelveli. After consideration of the voluminous oral evidences, I believe that the evidences are so contradictory and unconvincing that we cannot place any reliance on it to hold the petitioner guilty of charges. Unless the clerks and officers of the Bank have themselves played their own parts such a fraud cannot be perpetrated right from the opening of S.B. A/c. No. 1952, in the name of G. Balasubramanian followed by diversion of the monies belonging to other payees to the said fictitious account and then withdrawal of huge amounts on the strength of fraudulent withdrawal slips. We cannot but feel that the petitioner is made a scapegoat for the serious wrongs committed by his superiors running the branch. I therefore opine that the charges against the peon-cum-watchman are not proved, that he has been a victim at the hands of the Officers, and that the findings of the Domestic enquiry officer are nothing but perverse. I therefore, find on point No 2 that the charges are not proved and that the findings cannot be sustained. It follows that the petitioner cannot be awarded any punishment. However, in circumstances of the case there must be some suffering inflicted on petitioner Sappani who could have allowed himself to be used as a Pawn in doing jobs which are far above his responsibilities. Hence the petitioner shall be content with drawing 75% of back wages alone. The points are answered accordingly.

13. In the result, an award is passed directing the Respondent to re-instate the petitioner in service and provide him continuity of service alongwith attendant benefits.

Towards back wages, the respondent is directed to pay only 75% back wages to the petitioner. No costs.

Dated this day of 30th March, 1993.

THIRU M. GOPALASWAMY, Industrial Tribunal  
WITNESSES EXAMINED

For both sides.—None.

#### DOCUMENTS MARKED

For Workman.—Nil.

For Management

Ex. M.1/6-2-86.—Charge memo issued to Thiru A. Sappani (workman) (Xerox copy).

M.2 —Tamil Translation of Ex. M-1 (Xerox copy).

M.3/21-4-86.—Explanation of the workman to the chargesheet (Xerox copy).

M.4.—Memo of written arguments of the Management representative in the matter of the enquiry conducted against Thiru A. Sappani. (Xerox copy).

M.5/19-10-88.—Findings of the Enquiry Officer (Xerox copy).

M.6/30-11-88.—Show Cause notice issued to the Workman (Xerox copy).

M.7/7-12-88.—Proceedings of the hearing (Xerox copy).

M. 8/13-12-88 : Dismissal order (Xerox copy).

M.9/12-1-89.—Appeal preferred by the workman against his dismissal preferred order (Xerox copy).

M.10/21/22-3-89.—Order of Appellate Authority (Xerox copy).

M. 11.—Proceedings of the enquiry officer (Xerox copy).

नई दिल्ली, 26 मई, 1993

का.आ. 1356.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, बैंक ग्राम महाराष्ट्र के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, बम्बई के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 25-5-93 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/65/91-आई आर (बि-2)]

हरिश गौर, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 26th May, 1993

S.O. 1356.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Bombay as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bank of Maharashtra and their workmen, which was received by the Central Government on 25-5-1993.

[No. L-12012/65/91-IR (B-II)]

HARISH GOUR, Desk Officer

#### ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL  
TRIBUNAL NO. 1, AT BOMBAY

PRESENT :

Justice Shri R. G. Sindhakar, Presiding Officer.  
Reference No. CGIT-1/55 of 1991

PARTIES :

The Employers in relation to the management of Bank of Maharashtra.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the Management—No appearance.

For the workmen—No appearance.

INDUSTRY : Banking

STATE : Maharashtra

Bombay, the 13th May, 1993

#### AWARD

This is a reference made to this Tribunal by the Labour Department, Government of India, vide letter No. L-12012/65/91-IR (B-II), for answering :

"Whether the action of the Management of Bank of Maharashtra Nagpur for rejecting the claim of Cycle Allowance with effect from 1-1-1982 to Shri U. C. Kamble (Sub-staff) is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

Notice was issued on 29-7-1991 to both the parties for appearing before this Tribunal on 27-9-1991. None appeared on behalf of the Union and a fresh notice was served and yet no appearance was made on behalf of the Union and the matter was adjourned for ex-parte hearing on 5-2-1992, even on which date none on behalf of the Union appeared.

In the absence of any statement of claim it is not possible to know the nature of dispute. There was none who could be questioned on the point. It is therefore not possible to hold action of the management of Bank of Maharashtra as unjustified, and the workman is therefore not entitled to any relief.

R. G. SINDHAKAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 26 मई, 1993

का.आ. 1357.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, बैंक ग्राम महाराष्ट्र के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, बम्बई के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 25-5-93 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/464/90-आई आर (बि-2)]

हरिश गौर, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 26th May, 1993

S.O. 1357.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Bombay as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bank of Maharashtra and their workmen, which was received by the Central Government on 25-5-1993.

[No. L-12012/464/90-IR (B-II)]

HARISH GOUR, Desk Officer

## ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL  
TRIBUNAL NO. 1, AT BOMBAY

PRESENT :

Justice Shri R. G. Sindhakar, Presiding Officer.

Reference No. CGIT-1/36 of 1991

PARTIES :

Employers in relation to the Management of Bank of  
Maharashtra,

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the Management—No appearance.

For the workmen—No appearance.

INDUSTRY : Banking

STATE : Maharashtra

Bombay, the 13th May, 1993

## AWARD

This is a reference made to this Tribunal vide letter No. L-12012/464/90-IR (B-II) dated 5th April 1991, by the Ministry of Labour, Government of India.

The point to be answered is :

"Whether the action of the Management of Bank of Maharashtra in imposing a punishment by stoppage of six annual increments on Shri K. D. Sonar Musalkar is justified. If not, what relief the workman is entitled to?"

On receipt of this reference, notices were issued to both the parties for appearing before this Tribunal on 14-5-1991. But no one appeared on behalf of the workman.

The Management, namely the Bank of Maharashtra in its statement dated 28-8-1992, it has been contended that the workman has been penalised for having defrauded the Bank by withdrawing a sum of Rs. 500 by forging the signature of an account holder and he also committed other misconduct as detailed in the chargesheet. The Bank further stated that the workman had admitted the fact in the departmental enquiry conducted against him. It was further stated that no statement has been filed on behalf of the workman inspite of several opportunities given to him.

It is seen from the Rojnama, maintained in this office, that the workman was represented by Mr. C. N. Kulkarni on 26-6-1991 after receipt of the notice. The matter came to be adjourned for filing of the statement of claim by the Union, but no statement came to be filed on the following dates also. Instead of filing the statement of claim adjournment was sought. On 16-1-1992 none appeared on behalf of both the parties, and notice was issued to the Union for filing the statement of claim on 13-4-1992. Thereafter, notice for ex-parte hearing on 24-6-1992, and thereafter, on 9th July 1992. The matter came to be adjourned further as the Presiding Officer of this Tribunal was not appointed. It was then fixed on 27th April 1993, and no appearance was made on behalf of either of the parties. Under this circumstances, in the absence of any material to show that the action of the management of Bank of Maharashtra in imposing the punishment of stoppage of six annual increment as unjust, that it is not so.

R. G. SINDHAKAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 26 मई, 1993

का.प्र. 1358.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक ऑफ़ महाराष्ट्र के प्रबंधक के संबंध निरोजकों और उनके कर्तव्यों के आ

अनुबन्ध में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में औद्योगिक प्रतिक्रिया, कोल्लम के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार की 25-5-93 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/57/92-आई प्रार (बी-3)]

एम.के. जैन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 26th May, 1993

S.O. 1358.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Kollam as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Travancore and their workmen, which was received by the Central Government on 25-5-1993.

[No. L-12012/57/92-IR (B-III)]

S. K. JAIN, Desk Officer

## ANNEXURE

IN THE COURT OF THE INDUSTRIAL TRIBUNAL,  
KOLLAM

(Dated, this the 13th day of May, 1993)

PRESENT :

Sri C. N. Sasidharan, Industrial Tribunal.

IN

Industrial Dispute No. 21/92

BETWEEN

The Managing Director, State Bank of Travancore, Head  
Office Poojappura, Trivandrum.

AND

The General Secretary, State Bank of Travancore Staff  
Union, Central Office, P.B. No. 5601, Trivandrum.

## AWARD

This industrial dispute has been referred for adjudication to this Tribunal by the Government of India as per order No. L-12012/57/92-IR (B-III) dated 20-7-1992 for adjudicating the following issue :

"Whether the action on the part of the management of State Bank of Travancore in denying the post of DCCP to Sri Mohankumar at the Peyad Branch of the bank is fair and justifiable? If not, to what relief the said workman is entitled to?"

2. The union representing the workman Sri Mohan Kumar has filed a claim statement and the contentions are briefly as below : The subordinate staff in the management Bank are entitled to special allowance for discharging certain specified duties as per the terms of service applicable to them. The post of Daftary-Cum-Cash Peon ('DCCP' for short) is one attracting special allowance. Every branch of this Bank has DCCP. The post of DCCP at Peyad branch fell vacant on 7-8-1989. The two peons working in that branch on that day were on probation. Temporary employees and employees on probation are not be entrusted with any duties attracting special allowance as per staff circular of the Bank dated 7-3-1992. The workman Sri Mohan Kumar was confirmed in the Bank's service with effect from 20-1-1990 and he has been doing the duties of DCCP from the date. But the management did not pay him special allowance and the refusal of the management to confirm him as DCCP with effect from 20-1-1990 is justifiable and illegal. Sri Mohan Kumar was initially posted to the Zonal Office of the Bank on 20-7-1989 along with five others. He was finally posted to Peyad branch on 27-10-1989. Sri K. Surendran posted as peon joined at Peyad branch on 25-10-1989. The post of DCCP of that branch fell vacant on 7-8-1989. Neither of the peons at that time was posted as DCCP and not paid special allowance as both of them were on probation. The Regional Manager

on representation from Sri Mohan Kumar advised the branch Manager that Sri Mohan Kumar is eligible for the post of DCCP from the date of confirmation. Sri Mohan Kumar was the only confirmed peon at Peyad branch as on 20-1-1990 who was entitled to the post of DCCP. The management confirmed Sri Surendran also on 30-8-1990 and it was communicated only on February 1992 i.e. during the pendency of this dispute. It is therefore illegal and liable to be nullified. The management in a similar case directed to pay special allowance to an employee who was transferred to Punnayurkulam branch of the Bank with effect from the date he joined there though there was already another peon who enjoyed branch seniority, but was on probation. The denial of the post of DCCP to Sri Mohan Kumar amounts to discrimination. The action of management in designating Sri Surendran as DCCP and payment of special allowance with effect from 10-2-1992 during the pendency of this dispute is a violation of Sec. 33 of the Industrial Disputes Act. The prayer is for confirmation of Sri Mohan Kumar as DCCP of Peyad branch with effect from 20-1-1990 continuously and for payment of special allowance.

3. The management opposed the claim of the union and the contentions of management are briefly as under :

Sri Damodaran who was working as peon in Peyad branch was receiving DCCP allowance till 25-11-1989 on which date he was transferred from there. Sri K. Surendran newly recruited as peon joined Peyad branch on 25-10-1989. Sri Mohan Kumar newly recruited as peon joined Trivandrum Zonal Office of the Bank on 20-7-1989 and he joined Peyad branch on 27-10-1989. Sri Mohan Kumar was confirmed with effect from 20-1-1990 as peon and Sri Surendran was confirmed with effect from 25-4-1990. So the claim of the union based on letter dated 30-8-1990 stated to be of the Regional Manager was not given effect to and the management was only considering the eligibility of Sri Surendran also to get the allowance. The decision to designate Sri Surendran as DCCP was taken on 19-10-1991 which was communicated to the Deputy General Manager on 13-1-1992. The letter of the Asst. Labour Commissioner intimating his decision to discuss the dispute raised by the union was received on 17-1-1992 and there is no violation of any practice of law. The normal practice followed in the Bank for filling up special allowance carrying posts is centerwise/branch seniority. Seniority is normally counted with reference to the date of joining the branch and not based on the date of confirmation. Confirmation of service alone is not the only criterion for deciding eligibility. In Punnayurkulam branch the two peons joined on the same day and seniority was counted based on the date of birth of the concerned employees. This has no connection with the present case. The service condition of Sri Mohan Kumar was not altered during the pendency of conciliation proceedings. Sri Mohan Kumar is not entitled to the post of DCCP in Peyad branch as he was not senior in that branch. According to the management the workman is not entitled to any relief.

4. No evidence has been adduced by either side. However the union has produced six documents and the management has produced one document. I am marking six documents as Ext. W-1 to W-6 on the side of the Union and Ext. M-1 on the side of the management as there was no objection from either side for marking these documents in evidence.

5. The claim of the union is for designating Sri Mohan Kumar as DCCP of Peyad branch with effect from 20-1-1990, the date on which he was confirmed in the Bank's service and for payment of allowance continuously from that day onwards. Admittedly Sri Mohan Kumar was confirmed in the Bank's service with effect from 20-1-1990 as peon and Sri Surendran was confirmed with effect from 25-4-1990 as peon. The management designated Sri Surendran as DCCP on the basis of his branch seniority. According to the union temporary employees and employees on probation should not be entrusted with any of the duties attracting special allowance. Reliance was placed on Exts. W-1 staff circular issued by the Deputy General Manager of the Management wherein it is specifically stated so. Ext. W-2 is copy of letter from the Regional Manager of the Bank to the Peyad branch regarding DCCP allowance to subordinate staff.

It is specifically stated in Ext. W-2 that on the basis of circular dated 7-3-1972 of the Bank DCCP allowance is payable only after confirmation and as such Sri Mohan Kumar is eligible for the post of DCCP. Ext. W-4 is a letter addressed to the manager of Punnayurkulam branch from the Regional Manager. It is stated in Ext. W-4 that as per staff circular dated 16-3-1991 temporary employees and employees on probation should not be entrusted with any of the duties attracting special allowance. As per Ext. W-4 the Regional Manager has pointed that payment of DCCP allowance to an employee on probation in that branch was not in order. It was also pointed out that another confirmed employee in that branch alone is eligible for DCCP allowance. Ext. W-1 W-2 and W-4 make it clear that the practice followed in the Bank for the posts eligible for DCCP allowance were given only after confirmation. The management has not furnished any circular to show that the employee on probation was also given the post of DCCP. No specific instances of such posting were also brought to the notice of this Tribunal to support the contention of management in this regard. It is also not established by producing any circular or pointing out any specific instances that the normal practice followed for filling up of special allowance carrying posts for subordinate staff is centerwise/branch seniority. It is also not established that seniority is normally counted with reference to the date of joining at the branch and not on the date of confirmation. On the other hand Exts. W-1 and W-2 clearly establish that only confirmed employees as peon have been given posting in special allowance carrying post. It is true that Sri Surendran joined the Peyad branch on 25-10-1989 and Sri Mohan Kumar joined there on 27-10-1989 only. But as I have held above only confirmed employees are eligible for the post attracting special allowance. So the action of management in denying the post of DCCP to Sri Mohan Kumar is unfair and unjustifiable. The management has thus overlooked the claim of Sri Mohan Kumar and given the posting to Sri K. Surendran which is highly illegal and unjust. On the basis of Exts. W-1, W-2 and W-4 and on the basis of precedents followed in the Bank Sri Mohan Kumar alone is eligible for DCCP allowance in Peyad branch with effect from 20-1-1990.

6. In the result, an award is passed holding that the action on the part of the management of State Bank of Travancore in denying the post of DCCP to Sri Mohan Kumar at the Peyad branch is unfair and unjustifiable. Sri Mohan Kumar accordingly entitled to get the posting as DCCP of Peyad branch continuously with effect from 20-1-1990 and also special allowance for the entire period.

C. N. SASIDHARAN, Presiding Officer

## APPENDIX

Documents marked on the side of the Workmen

- Ext. W-1—Photocopy of staff circular No. 21/72 dated 7-3-1972 issued by the management.
- Ext. W-2—Photocopy of letter addressed to the branch manager Peyad branch of the Bank from the Regional Manager of the Bank Trivandrum.
- Ext. W-3—Photocopy of letter addressed to the Managing Director of the management from Sri Mohan Kumar dated 29-11-1990.
- Ext. W-4—Photocopy of letter addressed to the Punnayurkulam branch of the Bank from Regional Manager dated 27-6-1991.
- Ext. W-5—Photocopy of letter addressed to the Asst. Labour Commissioner, Trivandrum from the General Secretary of the union dated 31-1-1992.
- Ext. W-6—Photocopy of letter addressed to the General Secretary of the union dated 4-3-1992.

Document marked on the side of the Management

- Ext. M-1—Letter addressed to the branch manager, Peyad branch of the Bank from the Regional Manager, Trivandrum dated 30-8-1990 (Original of Ext. W-2).

नई दिल्ली, 26 मई, 1993

का.आ. 1359—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 11) की धारा 17 के अन्वय में, केन्द्रीय सरकार चाहे कृष्णा बैंक लिमिटेड, के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अन्वय में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद, से औद्योगिक धातुकर्म, कोल्लम के पत्र को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 25-5-93 को प्राप्त हुआ था।

[नम्बर एन-12012/157/91-आई आर (बी-3)]

एस के. जैन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 26th May, 1993

S.O. 1359.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Kollam as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Lord Krishna Bank Limited and their workmen, which was received by the Central Government on 25-5-1993.

[No. L-12012/157/91-IR (B-III)]

S. K. JAIN, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### IN THE COURT OF THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, KOLLAM

(Dated, this the 3rd day of May, 1993)

#### PRESENT :

Sri C. N. Sasidharan, Industrial Tribunal  
IN

Industrial Dispute No. 29/91

#### BETWEEN

The Chairman, Lord Krishna Bank Ltd., Central Office,  
Kodungallur. (By Sri Shahid and Associates, Law-  
yers, Kollam)

#### AND

The General Secretary, Lord Krishna Bank Employees  
Union, Central Office, Nair Samajam Building  
Chentamangalam. (By Sri H. B. Shenoy, Advocate,  
Kochi)

#### AWARD

This industrial dispute has been referred for adjudication to this Tribunal by the Government of India as per Order No. L-12012/157/91-IR (B-III) dated 7-6-1991.

The issue for adjudication is the following :

"Whether the action on the part of the management of Lord Krishna Bank Ltd., in terminating/denying Sri P. Srinivasa Pai employment as Peon beyond 12-12-1985 is fair and justifiable? If not, to what relief the said workman is entitled to?"

2. In answer to notices issued from this Tribunal the management and union entered appearance and filed statements advancing their respective contentions. Thereafter, while the case was pending for evidence both sides submitted that there was likelihood of compromise. Accordingly the case stood for reporting settlement on several dates and finally on 29-4-1993 the union filed a statement stating that in pursuance of clause 6 of the memorandum of settlement dated 29-1-1993 the union is withdrawing the dispute. A copy of the memorandum of settlement was also produced. The learned counsel for the management accepted the copy of the statement filed by the union submitted that the management has no objection in withdrawing the dispute by the union

3. As requested by the union, the settlement dated 29-1-1993 is accepted and an award is passed in terms of the settlement a copy of which is shown as Annexure to this award.

C. N. SASIDHARAN, Industrial Tribunal  
ANNEXURE

Memorandum of settlement date 29th January 1993 between the management of the Lord Krishna Bank Limited, Kodungallur, and their Workmen represented by the Lord Krishna Bank Employees' Union (Regd.) Ernakulam under Section 2(p) and Section 18(1) of the Industrial Disputes Act, 1947 Read with Rule 58 of the Industrial Disputes Act 1947 read with Rule 59 of the Industrial Disputes (Central) Rules, 1957.

#### PRESENT :

1. Sri K. Baburajan  
General Manager.  
2. Sri K. G. Joseph  
Asst. General Manager  
(Establishment)

3. Sri K. O. Jose  
Chief Manager  
(Personnel)

4. Sri P. M. Joseph  
President  
Lord Krishna Bank Employees Union.

Representing the  
Management

5. Sri V. P. Kamath  
General Secretary

6. Sri S. S. Pillai  
Secretary

7. Sri M. T. John Sreeni  
Organising Secretary.

Representing the  
Union

#### Short Recital of the case

A settlement was signed on 10th April, 1992 between the management of Lord Krishna and Ltd., and their workmen represented by the Lord Krishna Bank Employees' Union on some of the issues/demands raised by the union as per their letter dated 21st June 1990. As per clause 4 of the said settlement it was agreed to settle all the remaining issues and disputes by mutual discussions in cordial atmosphere at an early date. Thereafter mutual/discussions were held on various dates and finally an amicable settlement was reached in the joint discussions held on 12th October 1992 at Ernakulam. Subsequently a separate settlement in respect of daily wagers was signed before the Regional Labour Commissioner (Central) Cochin, on 25th January 1993. This settlement now covers the remaining issues.

#### Terms of settlement

1. Payment of back wages and bonus to daily wagers—It is agreed to settle the issue of back wages and bonus payable to certain daily wagers as under :

(a) It is agreed by the management to pay back wages from 30-5-1991 i.e., the date of the award of Industrial Tribunal, Alleppey, in I. D. 96/89 (C) to Mr. V. Balakrishna Pai and Mr. R. Krishnakumar.

(b) Regarding the payment of minimum bonus to the daily wagers it is agreed to take the period of engagement from 1-1-1989.

2. Cases filed by Mr. C. N. Narayana Pai—It is agreed to withdraw all the cases filed by Mr. C. N. Narayana Pai before the Central Government Labour Court, Ernakulam with immediate effect. A compensation of Rs. 9,775 will be paid to

him being the difference of daily wages at Rs. 25 per day from 1-6-1987 to 30-9-1988. He will also be paid special allowance applicable to Bill Collector instead of cash peon from 1-11-1992 and agreed to withdraw the case for special allowance also.

3. Cases filed by Part time sweepers of Azhiyannur Branch—It is agreed to withdraw the cases filed by Mr. K. Krishnanandan and Mr. P. K. Sureshkumar, Part-time sweepers of Azhiyannur branch and the difference of wages of Rs. 1,850 and Rs. 1,680 will be paid to them respectively.

4. Halting allowance to sub-staff for attending the promotion test and interview—It is agreed to pay eligible halting allowance and T.A. to the sub-staff who had attended the written test and interview for promotion to clerical cadre held in 1990 and the union agreed to withdraw the case in this regard settled out of court.

5. Appointment on contract basis—Management explained that they have no idea to continue the practice of appointing retired hands on contract basis. But, in view of the acute shortage of hands and the exigency of service the management is constrained to make certain temporary appointments until the staff position is improved. Postal for discussion in the next meeting.

6. It is agreed to withdraw all pending cases as stated in the Annexure.

It is further agreed by both the parties that if any dispute or issue arise in future the same should be amicably settled by mutual discussions in a cordial atmosphere.

Dated this the 29th day of January, 1993.

For Lord Krishna Bank Ltd.

1. Sri K. Baburajan, General Manager Sd/-

2. Sri K. G. Joseph, Asst. General Manager Sd/-  
(Establishment)

3. Sri K. O. Jose, Chief Manager (Personnel) Sd/-

For Lord Krishna Bank Employees Union

1. Sri P. M. Joseph Sd/-  
President

2. Sri V. P. Kamath Sd/-  
General Secretary

3. Sri S. S. Pillai Sd/-  
Secretary

4. Sri M. T. John Sreeni Sd/-  
Organising Secretary.

Statement of cases pending before various courts covered by the settlement dated 29-1-1993

(a) Before the Central Government Labour Court, Ernakulam

Sl. No.	Case No.	Petitioner	Nature of claim
1.	CP 18/89 (C)	Mr. C.H. Narayana Pai Sub-staff	Arrears of wages
2.	" 19/89 (C)	" S. Suresh Temp. peon	Arrears of bonus
3.	" 22/89 (C)	" K. Narayana Prabhu	"
4.	" 23/89 (C)	" K.P. Suresh	"
5.	" 25/89 (C)	" K.V. Sunil Kumar	"
6.	" 26/89 (C)	" P.R. Suresh Kumar part-time sweeper	Arrears of sweeping charges
7.	" 31/89 (C)	" P. Raju	Arrears of bonus
8.	" 34/89 (C)	" K. Krishnanandan Part-time sweeper	Arrears of sweeping charges
9.	" 36/90 (C)	" C.M. Narayana Pai Sub-staff	Case Peon; Daftary allowance
10.	" I.D. 3/91 (C)	LKB Employees Union	Halting allowance to sub-staff

(b) Before the Industrial Tribunal Quilon

1.	ID 23/91 (C)	LKB Employees Union for Mr. P.L. Martin	Re-employment
2.	" 29/91 (C)	LKB Employees Union for Mr. Sreenivasa Pai	"
3.	" 39/91 (C)	LKB Employees Union for Mr. V.M. Cherian & Mr. Golullas	"
4.	" 31/91 (C)	LKB Employees Union for Mr. P.Raju	"

I. D. 29/91(C), 30/91(C) and 31/91(C) at Camp Court: Kottayam

(c) Before the Central Government Labour Court, Quilon Camp Court At Alleppey.

1.	CP 57/89(C)	Mr. V.M. Cherian temp. Peon	Arrears of bonus
2.	" 61/89 (C)	" P.L. Martin, Temp Peon	"
3.	" 62/89(C)	" R. Gokuldas	"

नई दिल्ली: 27 मई, 1993

का.प्र. 1360:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बैंक ऑफ मद्रुर सिमिटेड के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, असुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिनियम, नई दिल्ली के पंचाट को प्रकृति करती है, जो केन्द्रीय सरकार का 26-5-93 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एन-12011/46/91-आई प्रार (बी-3)]

एन.के. जैन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 27th May, 1993

S.O. 1360.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bank of Madura Limited and their workmen; which was received by the Central Government on the 26-5-93.

[No. L-12011/46/91-I.R. (B-3)]

S. K. JAIN, Desk Officer

## ANNEXURE

BEFORE SHRI GANPATI SHARMA : PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL, NEW DELHI

I. D. No. 14/92

In the matter of dispute between :

Zonal Secretary, Bank of Madura Employees Union, C/O Bank of Madura Ltd., E-4, Connaught Place, New Delhi-110001.

Versus

Zonal Manager, Bank of Madura Ltd., 2877, Hardhian Singh Road, Second Floor, Karol Bagh, New Delhi-110005.

## APPEARANCES :

Shri Inderjit Singh for the workman.

Shri V. K. Rao for the management.

## AWARD

The Central Government in the Ministry of labour vide its Order No. L-12011/46/91-IR(B-3) dated 12-1-92 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :—

"Whether the action of the management of Bank of Madura, New Delhi, in imposing a deduction of 7 days wages for each day of strike that the workers resorted to on 26th and 30th August, 1991, in addition to the wages of 2 days of strike, is just and legal? If not, to what relief the concerned workmen are entitled to?"

2. The Bank of Madura employees Union has a substantial number of workmen as its members and was affiliated through All India Employees Association. The said Union had served a chart of demand to the employer management in the month of June, 91 which inter alia include the following important demands :

- (i) Extension of the industry level agreement arrived at between the Indian Banks Association and the AIBEA to the employees of the Bank of Madura;
- (ii) Formulation of fair transfer policy;
- (iii) Stoppage of violations of Computer Settlement;
- (iv) Discontinuance of the practice of employment of clerks on casual basis;

(v) Payment of bonus and ex-gratia for the Accounting year ending 1991.

The management did not accept any of the demands and the union, therefore, conducted a strike on 25th and 30th of August, 90 after having informed to the management. Instead of taking urgent steps for the resolution of the dispute they became vindictive and resorted to unfair labour practices and deducted 8 days additional wages for each day of strike and a total of 16 days for two days strike allegedly by virtue of the provisions contained in Delhi Shops and Establishment Act. The matter was not sorted out and hence this reference.

3. The Management in its reply besides many, preliminary objections alleged that the action of the management was fully justified.

4. The matter was fixed for filing of documents by the parties when the parties started negotiations and ultimately it was settled. The management representative filed an application that the amount so deducted has since been refunded to the workman and the management had retained the amount for about 1-1/2 year from Delhi and were entitled to suitable compensation.

5. I have heard representatives for the parties and have gone through the record.

6. Since the amount deducted has already been refunded by a mutual settlement between the parties there seems to be no ground to allow any compensation in the form of interest etc. because that has to be allowed while deciding the dispute between the parties and here the matter has been settled and the dispute is not being decided on merits. I, therefore hold that no dispute exists between the parties now and a No Dispute award is given in this case. The Management shall pay Rs. 250/- as costs of this litigation to the workman.

22nd March 1993

GANPATI SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 31 मई, 1993

का.प्र. 1361:—केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि लोकहित में ऐसा अपेक्षित है कि विश्वविद्यालय नेपर मित्र, होशंगाबाद को, जिसे औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि 21 के अन्तर्गत निविष्ट किया गया है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए लोक उपयोगी सेवा प्रदान किया जाना चाहिए।

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (द) के उपखण्ड (6) द्वारा प्ररम शक्ति से प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए अल्पकाल प्रभाव से 6 मास की अवधि के लिए लोक उपयोगी सेवा प्रदान करती है।

[संख्या एन-11017/10/81-डी-1 (ए)]

एन.एस. पराशर, सचिव

New Delhi, the 31st May, 1993

S.O. 1361.—Whereas the Central Government is satisfied that the public interest requires that the Security Paper Mill, Hoshangabad, which is covered by item 21 of the First Schedule to the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), should be declared to be a public utility service for the purposes of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares with immediate effect the said industry to be a public



utility service for the purposes of the said Act for a period of six months.

[No. S-11017/10/81-D.I(A)]

S. S. PRASHER, Under Secy.

नई दिल्ली, 1 जून, 1993

क्र.आ. 1362—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसूच में, केन्द्रीय सरकार तमिलनाडु, मद्रास के प्रबन्धन के संबद्ध नियोक्ताओं और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुसूच में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, तूतिकोरिन पोर्ट ट्रस्ट, तूतिकोरिन के पंचसट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार का 25 मई, 1993 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एम-44011/1/89-आई आर (बिबिब)]

श्री. एम. डेविड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 1st June, 1993

S.O. 1362.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Tamil Nadu, Madras as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Tuticorin Port Trust, Tuticorin and their workmen, which was received by the Central Government on 25th May 1993.

[No. L-44011/1/89-IR (Misc.)]

B. M. DAVID, Desk Officer

#### ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMIL NADU  
MADRAS

Thursday, the 29th day of April, 1993

Present :

THIRU M. GOPALASWAMY, B.Sc., B.L., Industrial Tribunal.

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 103 OF 1989

As to the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of Tuticorin Port Trust, Tuticorin.

#### BETWEEN

The Workmen represented by

The General Secretary,

The Tuticorin Port Mariners & General Staff Union, No. 22 A Periera Street, Tuticorin-628 001.

#### AND

The Chairman,

Tuticorin Port Trust, Administrative Office, Tuticorin-628004.

REFERENCE :

Order No. L-44011/1/89-IR (Misc.), dated 7-11-1989 of the Ministry of Labour, Government of India, New Delhi.

The dispute coming on for final hearing on Tuesday, the 6th day of April, 1993 upon perusing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Thiru G. Balaram, Authorised representative of the workmen and of Thiruvalluvar M. Venkatachalapathy and M. Sriram, Advocates appearing for the Management and this dispute having stood over till this day of consideration, this Tribunal made the following:

1268 GL/93—9.

#### AWARD

This dispute between the workmen and the Management of the Tuticorin Port Trust, Tuticorin, arises out of a reference under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 by the Government of India, in its order no. L-44011/1/89-IR. (Misc.) dt. 7-11-89 of the Ministry of Labour, Govt. of India, for adjudication of the following issue :

"Whether the Management of Tuticorin Port Trust is justified in revising the ratio for promotion of LDCs as UDCs from 3 : 1 to 1 : 1. If not, to what relief the concerned workmen are entitled ?"

(2) The Petitioner states as follows :—A settlement was reached before the Assistant Labour Commissioner between the Port of New Tuticorin Staff Association and the Management on fixing the ratio of promotion of L.D.Cs as U.D.Cs as 3 : 1 instead of 1 : 1 for promotion based on seniority of L.D.Cs as against promotion made on merit. To implement this settlement dt. 29-6-79, (followed by Board of Trustees discussion dt. 24-8-79), the petitioner union raised the demand before the conciliation authority. Conciliation has failed and the following question has been referred for adjudication :

"Whether the management of Tuticorin Port Trust is justified in revising the ratio for promotion of LDCs as UDCs from 3 : 1 to 1 : 1. If not, to what relief the concerned workmen are entitled ?"

(3) According to the minutes of discussion and conclusions which amount to a fresh settlement, the correct ratio for promotion of L.D.Cs as U.D.Cs has to be maintained as 3:1 instead of 1:1, for promotion on seniority and merit respectively. The said minutes have been agreed to by both sides. Therefore Chairman of the Port-Trust addressed a letter dt 12-10-79 to the Government of India, by enclosing a copy of the minutes. The agreement as recorded in the minutes has the effect of a settlement as directly relates to term-3 of the settlement u/s. 12 (3) dt. 29-6-79. At the meeting of the board of Trustees of the Respondent's Port Trust the agreed 3 : 1 ratio for promotion of the L.D.Cs was an item in the agenda. The staff association demanded that all posts of U.D.Cs must be filled by promotion of L.D.Cs without resorting to selection by merit from the L.D.Cs. The Board of Trustees has approved this mutually agreed decision for revising the ratio as 3 : 1 and resolved on 19-12-80 that a suitable amendment has to be made in the Schedule-2 to

"Tuticorin Port Trust Employees-Recruitment (Seniority and Promotion) regulations 1979", with the approval of the Union Government.

The Chairman of the respondent has also written in 1980 itself to the Central Government seeking its approval to the amendment. The resolution of the Board of Trustees which has approved the amendment for incorporating the ratio into 3 : 1 is valid in law even without getting the approval of the Government of India. From 19-12-1980 the ratio of 3 : 1 was actually implemented by the Chairman by giving 75 per cent promotion based on seniority in the grade of L.D.Cs and 25 per cent on merit, determined through competitive examination. Notwithstanding the settlement the subsequent approval given thereto by the Board at its meeting and also implementation of the ratio 3 : 1 by the Chairman, the ratio has been given up by reverting to the previous ratio 1 : 1 by the Circular issued by the Chairman on 10-4-1986. This new ratio of 1 : 1 which in reality is putting the clock back to the earlier system has been introduced arbitrarily by the Chairman by ignoring the legal validity of the ratio 3 : 1, which has already been implemented by the Chairman himself. By promoting L.D.Cs to the post of U.D.Cs according to the ratio of 1 : 1 retrospectively the respondent has demoted UDCs who were already promoted according to 3 : 1 ratio. The demotion and reduction in seniority as U.D.Cs have resulted in serious anomalies. The respondent has adopted the ratio 1 : 1 illegally and without giving any notice to the employees. U/s. 9-A of the I. D. Act or terminating the previous settlement fixing 3 : 1 ratio. The settlement read along with the minutes of discussion jointly signed constitute a valid settlement under the I.D. Act. This cannot be violated by the respondent under the guise that the Government of India has not approved the resolution of the board containing a draft amendment to the rules for incorporating the

ratio 3 : 1. The petitioner submits that the Union Government's approval to the amendment and publication thereof in the Gazette are not called for. The circular issued by the Chairman dt. 10-4-86 is in violation of Government of India, Ministry of Defence Memo No. 25/(44) dt. 13-5-1967. It is therefore clear that changing the ratio of 3 : 1 into 1 : 1 for filling up the posts of U.D.C. by promoting L.D.C. is illegal and unjust and that the said circular dated 10-4-86 deserves to be set-aside or cancelled. An award may be passed suitably.

(4) The Chairman of the respondent states in the counter as follows :—Port of New Tuticorin Staff Association which is now defunct threatened to stage a strike in 1979, with the object of pressing their demands. Conciliation proceedings were conducted by the Asst. Labour Commissioner. The parties arrived at a settlement u/s 12(3) of I.D. Act containing the following terms :—

#### TERMS OF SETTLEMENT

1. It is agreed that the employees will accept the interim relief of Rs. 100/- per month per individual with effect from 1st April, 1979 already offered by the Port Trust Administration. The Port administration on its part will make necessary efforts to get the decision of the Government at the earliest.
2. The amount so paid will be subject to adjustment as soon as the Government's decision is announced regarding the extension of Wage Revision Committee recommendations to the Tuticorin Port Trust.
3. It is agreed that the parties will further discuss the demands/grievances referred to in the minutes of discussions appended herewith and mutually discuss the other items locally with a view to find out scope for amicable settlement of the said issues/grievances.

Following this settlement providing for further negotiations, the respondent and the staff association held discussions on 9th, 23rd and 24th August 1979 which specific agenda. The association wanted appointment of U.D.Cs by making 100 per cent promotion of L.D.Cs on seniority basis without holding examinations. The association aimed by changing the then existing rule that provided 1 : 1 ratio for giving promotion on seniority and merit. The record of minutes of discussions and conclusions signed on 24-8-79 cannot be considered as a settlement contemplated by Sec. 12(3) settlement dt. The decisions recorded in the minutes cannot be given the status of a Sec. 18(1) settlement. Therefore, even though the conclusions have accepted the ratio of 3 : 1 the same has to be incorporated in the recruitment regulations by making an amendment that 3 : 1 ratio shall replace 1 : 1 ratio. The said amendment can be made by the Central Government u/s 124 of the Major Port Trusts Act 1963. Hence the contention that there is an enforceable settlement in favour of 3:1 ratio, by abolishing 1:1 ratio is unsound and untenable. The reference itself is not factually correct. The Chairman of Port Trust has implemented the ratio of 3:1 as accepted at the bilateral discussions and also approved by the Board of Trustees only on an adhoc basis and in anticipation that the Government of India would approve and make the amendment in the recruitment rules. But the Union Government refused to approve the amendment to bring 3:1 ratio till 1986 and therefore the Chairman was forced to give effect to the approved rules and reject draft amendment providing 3:1 ratio and thus he reverted back to the implementation of 1:1 ratio in promotion and consequently persons already promoted on seniority basis had to be demoted. However, the draft amendment proposing 3:1 ratio had come to be approved finally by the amendment proposing 3:1 ratio has come to be approved finally by the Government of India, w.e.f. 21-9-87. The present reference is itself contrary to factual position. The I.D. is liable to be dismissed.

(5) The point for consideration is as follows :—

1. Whether the action of the management of the respondent and its Chairman in adopting the ratio 1:1 by abandoning the ratio 3:1 in giving promotions to L.D.Cs with retrospective effect from 1979 through a circular dated 10-4-86 is justified and lawful? If

not, to what relief, the concerned workmen are entitled to?

(6) The Point :—The dispute is over changing of the ratio 3:1 into 1:1 for promoting lower division clerks to the posts of upper division clerks through promotion based on seniority subject to rejection of the unfit and promotion based on merit assessed through competitive examination to be taken by the lower division clerks. Formerly, Tuticorin Minor Port Trust and Tuticorin New Port Trust were two different minor ports under the administrative control of the Union Government. From 1-4-79, the two ports have been merged as Tuticorin New Port governed Major Port Trust Act. When the Central Government directly controlled the two erstwhile minor ports, before their merger, the recruitment regulations provided that 75 per cent of the posts of U.D.Cs shall be filled up by promoting L.D.Cs on seniority basis while the remaining 25 per cent posts shall be filled up by competitive examination for all the L.D.Cs, and selection by merit. This is what is called 3 : 1 ratio for promoting L.D.Cs as U.D.Cs. This ratio giving 75 per cent of the posts of U.D.Cs by virtue of seniority has been altered by the Tuticorin New Port Trust in April, 1979 into 1 : 1 which gives only 50 per cent of the posts of U.D.Cs on the basis of seniority in the grade of the L.D.Cs. The Association resented and objected to the reduction of the quota of posts available for the L.D.Cs and demanded that the ratio be retained as 3 : 1. Ex. W-8 dated 29th June, 1979 is a section 12(3) settlement containing an agreement that the demand for changing the ratio regarding promotion of LDC, which is demand No. 8 and other demands should be negotiated for arriving at an agreed settlement on re-fixing the ratio. Accordingly, mutual discussions were held on 9th August, 1979, 23rd August, 1979 and 24th August, 1979. Extract of the minutes of discussions and the conclusions arrived at, marked as Ex. W-11. On the question of ratio, both sides agreed to eliminate 1 : 1 and adopt 3 : 1 as stated in page 2 of Ex. W-11. Parties representing the workers and the management have signed the minutes Ex. W-11. This agreement reached after negotiation was examined by the Board of Trustees of the Port Trust at a regular meeting held on 19th December, 1980. A note prepared by the Chairman to be placed before Board of Trustees, marked as Ex. W-12 is reproduced as follows :—

"The Posts of the Upper Division Clerk may be filled up by promotion on seniority (basis) subject to rejection of the unfit and by departmental examination (merit quota), in the ratio 3 : 1".

The Board being conscious of the necessity to amend the Recruitment Regulations, 1979 has proposed draft amendments to the Rules and decided to seek approval of the Central Government which was necessary under section 124 r/w Section 28 of the Major Port Trusts Act. The minutes of the Board of Trustees meeting on 19th December, 1980 is Ex. W-13. The board has in Ex. W-13 approved the draft amendment to the rules.

(7) The Petitioner-Union has argued that this decision of the Board of Trustees which has approved the conclusions reached between the Management and the Union as seen in Ex. W-11 is clear proof of a mutual settlement which must be deemed to have come under section 12(3) of the Industrial Disputes Act in as much as the conclusion is a corollary or adjunct to Ex. W-8 settlement paving the way for further negotiation. Hence the petitioner contended that the conclusion in favour of re-fixing the ratio as 3 : 1 for filling up the U.D.C. posts from 1979 is a lawful settlement conforming to the definition of settlement given in Section 2(p) of the Industrial Disputes Act. The only omission alleged by respondent in fulfilling the requirements or characteristics of a settlement that a copy of the settlement has not been forwarded to the officers mentioned in Section 2(p) and S. 12(3).

(8) The Chairman of the Port Trust has addressed the Union Government to give approval to the amended (draft) rule and have it published in the gazette in order to legitimise the settlement recorded in Ex. W-11 minutes for implementing 3 : 1 ratio. It is common case that with the hope of obtaining Central Government's clearance of and concurrence with the amendment, the Chairman did give effect to the ratio from 1980 onwards by filling up 75 per cent of U.D.Cs posts by promoting L.D.Cs on seniority basis and the remaining 25 per cent of posts by assessing merit through a competitive

examination. Having made Promotions in this manner from 1979 to 1986 the Chairman has suddenly revised the formula, and gave promotions on the basis of 1 : 1 ratio with retrospective effect, cancelling all the earlier promotions made on the basis of 3 : 1 and in that process he has either demoted the promotee U.D.Cs or reduced their seniority ranks and thereby unsettled the promotions made between 1979 and 1986, to the detriment of these promotees who came under the seniority quota of 3 : 1 (75 per cent against 25 per cent). These shifts in the factual position in a chronological order stated hereunder can help easier understanding of the matter in dispute.

**FIRST STAGE :** Before the merger of the minor port of Tuticorin and New Port of Tuticorin which took place on 1st April, 1979, the Shipping Ministry of the Central Government was in direct control in the absence of a major port trust. Prior to 1st April, 1979 the ratio 3 : 1 was observed by the Central Government in filling the posts of U.D.Cs by promoting L.D.Cs.

**SECOND STAGE :** Now the merger of the two ports into Tuticorin New Port coming under the purview of Major Port Trusts Act has taken place with a Board of Trustees taking over the reins of the major ports' administration. The Board of Trustees is empowered u/s 28 of the Major Port Trusts Act to make regulations or rules in respect of appointment, promotion etc. S. 124 of the same act enacts that any such regulations or rules can have effect only after they get approved by the Shipping Ministry of the Central Government and the said approval gets published in the Gazette. While so, the board changed the pre 1st April, 1979 rule giving 3 : 1 ratio into 1 : 1 which has the effect of reducing the quota of promotees on the basis of seniority, in the grade of L.D.Cs. This new rule effective from 1st April, 1979 is one approved by the Central Government.

**STAGE III :** However the new approved rule prescribing 1 : 1 ratio to become operative from 1st April, 1979 was not allowed to be implemented by the workman (L.D.C.) vehemently opposed to the ratio. This resulted in negotiations leading to the settlement u/s. 12(3) Ex. W-8 and another settlement couched in the form of conclusions reached in the course of discussion, as recorded in the minutes Ex. W-11. We have already seen that the board of Trustees has accepted Ex. W-11 agreement as true and gave their approval thereto and the Chairman wrote to the Central Government seeking the Government's approval u/s. 124 of the Major Port Trust Act, vide Ex. M-10 dated 10th March, 1981.

**STAGE IV :** In view of the agreement Ex. W-11 the Board's approval and the anticipated approval to be given by the Central Government the Chairman filled up the post of U.D.C. by adopting 3 : 1 ratio and hereby keeping the approved rule providing 1 : 1 ratio in abeyance. Thus, 1 : 1 ratio even though ordained by the approved rule was given a go-by even in 1979 because the management of the New Port Trust has accepted 3 : 1 ratio for all practical purposes and filled up the vacant posts of U.D.Cs by giving 75 per cent of the posts to the seniors in the grade of the L.D.Cs. This implementation of 3 : 1 ratio by ignoring 1 : 1 ratio, has been made continuously upto May, 1986.

**STAGE V and LAST STAGE:** The anticipated approval by the Central Government, that is, Shipping Ministry has not been given between 1980 and 1986. Using this delay, which is inordinate, the Chairman of the Port Trust has deviated from the agreed and accepted ratio of 3 : 1 and suddenly honoured the approved rule of 1979 which provides 1 : 1 ratio, on the plea that the Chairman cannot flout an approved rule any longer and the Merit quota of 50 per cent (1 : 1) should be filled up retrospectively from 1979. This stand of the Chairman is reflected in his policy note file Ex. M-15.

(9) A major lacuna found by the respondent in the agreement or settlement contained in Ex. W-11 is that it fails to meet the ingredients of a settlement as defined in the I.D. Act. The agreement I believe is a direct and logical off shoot of the earlier Sec. 12(3) settlement Ex. W-8. A few other demands have been actually discussed in the presence of the Conciliation Officer as shown by Ex. M-4. The agreement on 3 : 1 ratio is the only one item not directly arrived at in the Physical presence of the conciliation officer on 24th August, 1979 vide Ex. W-11. But in substance, the authority of the conciliation officer in very much implied in the entire course

of the discussions and the very source or origin of the settlement dated 24th August, 1979 (Vide Ex. W-11), is afforded by Sec. 12(3) settlement Ex. W-8. Above all, the agreement on 3 : 1 ratio has been honoured in practice by the Chairman of the Port Trust for above 8 years without the approval of the Union Government. Failure of the Union Government to consider the request made in Ex. M-10 letter dated 10th March, 1981 that the draft amendments be approved by the Ministry of Shipping is a clear case of the evil of red-tapism and lethargy. All the relevant facts have been summarised in Ex. M-5 letter sent by the Union to the Asst. Labour Commissioner (Central) Madras. Para-7 of the Ex. W-5 recites that a copy of the agreement dated 24th August, 1979 (Ex. W-11) was sent to the Ministry and the Asst. Labour Commissioner (C) Madras by the Port in its letter No. F-1/4412/79-A dated 12th October, 1970. This assertion by the Union has not been denied by the Respondent. I therefore, presume and conclude that copy of the agreement prescribing 3 : 1 ratio by dropping 1 : 1 has been sent to the Authorities contemplated in Section 2(p) and Section 12(3) of the I.D. Act and therefore it deserves to be treated as a valid settlement capable of enforcement even in the absence of formal approval by the Central Government under Section 124 of the Major Port Trust Act, 1963. In any view of the matter it must be deemed to be a valid settlement in as much as it has been rightly implemented by the Chairman between 1979 and 1986. Therefore, it is not open to the Chairman of the Port Trust to deviate from the settlement Ex. W-11 taking umbrage under the delay in according approval by the Central Government and change the pattern of promotion arbitrarily. The Chairman without any direction from the board of Trustees cannot review the legality of 3 : 1 ratio, brand the promotion on that basis as ad hoc and make a volte-face. It is interesting to note that the Central Government has finally approved on 29th January, 1987 vide Ex. M-11 notification, the settlement as embodied in the draft amendment to the regulation prescribing 3 : 1 for promotion of L.D.Cs. It is therefore clear that the Chairman's order/orders under which he has given retrospective promotion including some prospective promotions, if any to the L.D.Cs on the basis of merit against 50 per cent vacancies and thereby divested the seniority-based promotees, of their promotion and ranks in the grade of U.D.Cs are illegal. As a result, it is but necessary to cancel all the promotions given by the Chairman on the basis of merit against 50 per cent vacancies, namely, 1 : 1 ratio and protect the interests of U.D.Cs already promoted as such against 75 per cent quota on the basis of seniority of L.D.Cs. It follows that revised promotion or revised seniority ordered by the Chairman in terms of Ex. W-7 and Ex. M-15 giving more posts to the merit quota is contrary to the settlement Ex. W-11 which is true, valid and lawful and which cannot be wished away by the respondent or even by the Central Government.

(10) After giving promotions on the basis of accepted 3 : 1 ratio between 19-12-80 and 9-4-86, the respondent or the Chairman thereof cannot turn the tables arbitrarily. In any view, in action on the part of the Central Government till September, 1987 (the date of Ex. M-11) does not mean negation of Ex. W-11 settlement, or draft amendment to the rule, by the Central Government. We cannot read in Section 124 of the Major Port Trust Act any power conferred on the Central Government to over ride a settlement such as Ex. W-11 which has all the attributes of Section 12(3) settlement. After considering the facts appearing in the evidence and the position of law, I find on this point that all actions of the Respondent-Chairman relating to promotion of lower division clerks as upper division clerks on the basis of the 1:1 ratio, reversion of already promoted candidates and preparation of revised seniority list of U.D.Cs on the basis of 1:1 ratio are illegal and liable to be set aside. The Respondent has vainly characterised the reference or rather the form of the question referred to as factually incorrect or meaningless. The question referred to is no doubt improperly worded but its meaning is apparent. The question pertains only to the actions of the Chairman as reflected in his circular dated 10-4-1986. The point which I have formulated for determination reflects the correct meaning of the reference.

(11) In the result, an award is passed declaring that all actions taken by the Respondent and its Chairman with regard to promotion of lower division clerks by adhering to 1:1 ratio on the basis of Ex. W-7 circular dated 10-4-1986 are invalid and that all the promotions effected on the basis

of 3:1 ratio from 1-4-1979 onwards shall remain valid and effective for all purposes and that the ratio 3:1 shall be implemented until it is lawfully changed by a fresh settlement. No costs.

Dated, this 29th day of April, 1993.

THIRU M. GOPALASWAMY, Presiding Officer

#### WITNESSES EXAMINED

For Workmen :

W.W. 1 : Thiru M. Ravindran.

For Management :

M.W. 2 : Thiru K. Manthiramoorthy.

#### DOCUMENTS MARKED

For Workmen :

Ex. W-1/27-6-88 : Letter from Petitioner-Union to the Asstt. Labour Commission (C), Trivandrum (Copy).

W. 2/4-7-88 : Letter from Petitioner-Union to the Asstt. Labour Commission (C), Trivandrum (Copy).

W. 3/22-7-88 : Copy of Minutes of discussion held in the presence of the Asstt. Labour Commissioner between the Union and the Port Management.

W. 4/11-4-89 : Copy of conciliation proceedings held u/s 12(4) of the I.D. Act, 1947 by the Asstt. Labour Commissioner between the Union and the Management.

W. 5/11-4-89 : Letter from Petitioner-Union to the Asstt. Labour Commissioner (C)-I, Madras (Copy).

W. 6/19-6-89 : Conciliation Failure Report (Copy).

W. 7-9/10-4-86 : Circular issued by the Chairman Tuticorin Port Trust regarding promotion to the Post of Upper Division Clerk (Copy).

W. 8/29-6-79 : Memorandum of settlement u/s 12(3) of the I.D. Act, 1947 between the workmen and the management arrived at before the Asstt. Labour Commissioner (Central)-I Madras. (Copy).

W. 9/5-7-79 : Letter from the Chairman, Tuticorin Port Trust to the Secretary to Government of India, Ministry of Shipping Transport, New Delhi (Copy).

W. 10/12-10-79 : Letter from the Management to the Secretary to Government of India, Ministry of Shipping Transport, New Delhi. (Copy).

W. 11 : Copy of the extract of the minutes of the record of discussions between the Port Management and the representatives of the Port of New Tuticorin Staff Association.

W. 12/19-12-80 : Copy of the Agenda No. 7 of the Board of Trustees.

W. 13/19-12-80 : Copy of the minutes of meeting No. 9 of 1980-81 of the Board of Trustees.

W. 14 : Extract of section 2(p) of the I.D. Act, 1947 (Copy).

W. 15/4-1-81 : Extract of section 26 of settlement arrived at between All India Port and Dock Workers' Federation and 3 others and Government of India, Ministry of Shipping and Transport (Copy).

W. 16/11-4-84 : —Extract of Section 23 of settlement arrived at between All India Port and Dock Workers' Federation and 3 others and Government of India, Ministry of Shipping & Transport (copy).

W. 17 : Copy of Seniority list of Upper Division Clerks as on 1-4-83.

W. 18 : Copy of revised seniority list of U.D.C. as on 1-4-83.

W. 19 : Tamil Nadu Gazette Notification—Part III, Section 2, dated 30-4-1980 (Xerox Copy).

W. 20/26-4-90 : Memorandum issued by Deputy Chairman, Tuticorin Port Trust to Thiru G. Thangapandy, Overseer (Copy).

For Management :

Ex. M. 1/22-3-89 : Letter from Management to the Asstt. Labour Commissioner (Central)-I, Ministry of Labour, Madras regarding promotion to the post of Upper Division Clerk (Xerox copy).

M. 2/15-6-79 : Letter from PNT staff association, Tuticorin to the Port Management proposing to call a strike (copy).

M. 3/18-6-79 : Telegram from Port Management to the Asstt. Labour Commissioner (C), Ernakulam (Xerox Copy).

M. 4/9-8-79 : Minutes of discussion held before the Asstt. Labour Commissioner (Central)-I, Madras between the Tuticorin Port Trust and the Port of New Tuticorin Staff Association, Tuticorin (Xerox copy).

M. 5 : Extract of Article 29 of Rules for Examination for L.D.Ss (Xerox copy).

M. 6 : Copy of Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963) as amended vide MPT (Amendment Act), 1982.

M. 7 : Extract of Section 28 of Major Port Trust Act, 1963 (Copy).

M. 8 : Extract of Section 124 of Major Port Trust Act, 1963 (Copy).

M. 9 : Extract of Para II of Appendix 29 of CSR Volume III (Choudri's compilation) (Copy).

M. 10/10-3-81 : Letter from the Management to the Secretary to Government of India, Ministry of Shipping and Transport, New Delhi for approval of draft amendments to Tuticorin Port Trust Employees (Recruitment, Seniority and Promotions) Regulations 1979 (Xerox)

M. 11/21-9-87 : Xerox copy of the Gazette of India Extraordinary Part II, Section 3(i) Publishing Notification of the Tuticorin Port Trust Employees (Recruitment, Seniority and Promotion) Second Amendment Regulations, 1987.

M. 12/14-8-86 :- Chairman's order at 15 and 16 of Notes file No. S-1/7/86-E. II to follow approved Recruitment Rules (Xerox Copy).

M. 13/17-4-86 : Representation by Thiru V. Govindaswamy, L.D.C. to the Management (Xerox copy).

M. 14/22-4-86 : Representation of Thiru P. Murugan, L.D.C. to the Management (Xerox Copy).

M. 15/15-11-86 : Note filed to the Management (Xerox copy).

नई दिल्ली, 1-जून, 1993

का.भा. 1363.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुवर्ण में, केन्द्रीय सरकार तस्वर (1) बम्बई के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, मै. जीविका एजेंसिस, बम्बई के पंचपट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 25 मई, 1993 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एन-31011/4/90-आई प्रार (विधि)]

बी. एस. उडिड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 1st June, 1993

S.O. 1363.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Bombay No. 1 as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management

of M/s. Jivika Agencies Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on 25th May, 1993.

[No. L-31011/4/90-IR(Misc.)]  
B. M. DAVID, Desk Officer

#### ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, AT BOMBAY

#### PRESENT :

Justice Shri R. G. Sindhakar, Presiding Officer.

Reference No. CGIT-1/30 of 1990

#### PARTIES :

The Employers in relation to the Management of M/s. Jivika Agencies, Bombay.

AND

Their Workmen.

#### APPEARANCES :

For the Employer—Mr. Advani, Advocate.

For the Workmen—Mr. Wagh, Advocate.

INDUSTRY : Port & Dock STATE : Maharashtra  
Bombay, dated the 13th May, 1993

#### AWARD

The Central Government by their letter dated 25th April, 1990 addressed to this Tribunal made the reference to the effect :

“Whether the demands contained in letter No. TD/31/2614/89 dated 09-10-1989, addressed by the Transport & Dock Workers' Union to M/s. Jivika Agencies, 299, Narshi Natha Street, Masjid Bridge, Bombay-400009 (copy enclosed as Annexure I) are justified ? If so, what reliefs the workmen concerned (Names given in Annexure II) are entitled to ?”.

The Workers' Union filed the statement of claim and the Jivika Agency filed its Written Statement.

My learned Predecessor framed Issues on 08-11-1990 as under :

- (1) Has this Tribunal jurisdiction to proceed with the adjudication for the reason that
  - (i) Labour Court is the only proper forum to entertain the matter and/or
  - (ii) that the Central Government is not the appropriate Government ?
- (2) Is the retrenchment of the 13 workmen detailed in Annexure II to the order of reference illegal and unjustified ?
- (3) If the answer to Issue No. 2 is in the affirmative, what reliefs are the workmen entitled to, regarding reinstatement and back-wages ?
- (4) Is the settlement dated 26-06-1989 binding on the Management ?
- (5) Relief and costs ?

Meanwhile a settlement signed by the Assistant Secretary of the Transport and Dock Workers' Union and the Constituted Attorney of M/s. Jivika Agencies, dated 8th February, 1993 has been filed.

The Advocates of both the parties have also affixed their signatures to the said settlement. As a result of the said settlement, reached between the parties, it is not necessary to answer any of the Issues.

The said settlement is favourable to both the parties and they recommend the acceptance of the same, and I am also assured by their learned advocates. Under the circumstances, the Award in terms of the settlement. No order as to costs.

R. G. SINGHAKAR, Presiding Officer

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1  
AT BOMBAY

Reference No. CGIT 30 of 1989

#### BETWEEN

Employers in relation to the management of M/s. Jivika Agencies, Bombay,

AND

Their workmen.

#### MAY IT PLEASE YOUR HONOUR,

The Government of India has referred the industrial dispute raised by the Transport & Dock Workers' Union, Bombay, with regard to the retrenchment of 13 workmen, namely—

- (1) Mr. Marcus Parkhe,
- (2) Mr. Jatin Gondia,
- (3) Mr. Kamlesh Shah,
- (4) Mr. Vinayak Dhamne,
- (5) Mrs. Suvidha Karnik,
- (6) Mrs. Marriama Joseph,
- (7) Mr. V. D. Suryavanshi,
- (8) Mr. R. T. Yadav,
- (9) Mr. Balwant Jadeja,
- (10) Mr. Ramchand P. Mandavkar,
- (11) Mr. Ganpat Mandavkar,
- (12) Mr. Anant Mandavkar,
- (13) Mr. Ramchandra G. Mandavkar.

The Union and the Company have filed their statement of claim and written statement, respectively, before this Honourable Tribunal of all the claims arising out of the said retrenchment of the said thirteen workmen.

The parties have carried out negotiations amongst themselves. The Union and the Company have arrived at an amicable settlement on the following terms and conditions :—

#### TERMS OF SETTLEMENT

- (1) The Company agrees to pay a sum of Rs. 2,04,562.00 (Rupees two lakh four thousand five hundred sixtytwo only) collectively to all the workmen indicated above, as and by way of ex-gratia payment including dues payable to each of the employees mentioned in the respective letters of retrenchment, being a total sum of Rs. 2,04,562.00 as indicated below :—

(1) Mr. Marcus Parkhe	Rs. 3,976.50
(2) Mr. Jatin Gondia	Rs. 3,534.00
(3) Mr. Kamlesh Shah	Rs. 9,074.00
(4) Mr. Vinayak Dhamne	Rs. 13,321.50
(5) Mrs. Suvidha Karnik	Rs. 4,969.50
(6) Mrs. Marriama Joseph	Rs. 13,378.50
(7) Mr. V.D. Suryavanshi	Rs. 12,477.00
(8) Mr. R.T. Yadav	Rs. 13,134.00
(9) Mr. Balwant Jadeja	Rs. 48,564.00
(10) Mr. Ramchand P. Mandavkar	Rs. 16,596.00
(11) Mr. Ganpat Mandavkar	Rs. 19,243.00
(12) Mr. Anant Mandavkar	Rs. 40,684.00
(13) Mr. Ramchandra G. Mandavkar	Rs. 5,610.00
	<hr/> Rs. 2,04,562.00 <hr/>

The parties agree that the amount of Rs. 2,04,562.00 is collectively to be paid to all these workmen in such a manner as the Union directs, provided that the total amount does not exceed a sum of Rs. 2,04,562.00.

- (2) The Union accepts that the retrenchment of the aforesaid 13 workmen is legal, valid and justified and the workmen will have no claim of whatsoever nature against the Company, including any claim of reinstatement and or re-employment in view of the ex-gratia payment made to these workmen over and above their legal dues.
- (3) The Union states that the Union has been authorised by the said workmen to arrive at the above settlement and the management shall disburse the payment as indicated above to all the workmen after deducting loans on their account, if any, within 15 days from today.

The parties pray that an award be made in terms of the above settlement.

Bombay,

Dated : This 8th day of February, 1993.

For M/s. Jivika Agencies.

Sd/-

(Hiten D. Thanker)

Per Pro. Jivika Agencies

For Transport & Dock Workers' Union, Bombay.

Sd/- (illegible)

Asstt. Secretary

Sd/-

J.S. ADVANI

Advocate, B.Com. LL.B.  
204, Raj Kumar Building,  
2nd Floor, 8th Road,  
Linking Road, Khar,  
Bombay-400052  
Tel. : 6480703

Sd/-

S. R. WAGH,  
Advocate High Court,  
P. D'Mellow Bhavan,  
P. D'Mellow Road,  
Carnac Bunder,  
Bombay-400038

for Transport & Dock Workers' Union.

नई दिल्ली, 1 जून, 1993

का.प्र. 1364--औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुमति में, केन्द्रीय सरकार तत्पर (1) बम्बई के प्रत्यक्षतः के संबद्ध नियोजकों और उनके कारखानों के बीच, अनुवर्ध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिनियम, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम के पञ्चवट को प्रकटित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 25 मई, 1993 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एन-30011/30/91-आईआर(मि.स.)]

बी.एम. डेविड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 1st June, 1993

S.O. 1364.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Bombay No. 1 as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Hindustan Petroleum Corporation and their workmen, which was received by the Central Government on 25th May, 1993.

[No. L-30011/30/91-IR(Misc.)]

B. M. DAVID, Desk Officer

## ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, NO. 1, AT BOMBAY

PRESENT :

Shri Justice R. G. Singhakar, Presiding Officer.

Reference No. CGIT—1/65 of 1992

PARTIES :

The Employers in relation to the Management of Hindustan Petroleum Corporation Limited.

AND

Their Workmen

APPEARANCES :

For the Employer.—Shri Pota, Advocate.

For the Workmen.—No appearance.

INDUSTRY : Petroleum Industry STATE : Goa  
Bombay, the 13th May, 1993

## AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, by their letter dated 28th September 1992 has made the reference to this Tribunal. The point is ;

“Whether the action of the Management of Hindustan Petroleum Corporation Limited. Vasco Terminal, Vasco Da Gama—Goa in introducing one shift from 7.00 a.m. to 3.00 p.m. in place of two shifts i.e. from 7.00 a.m. to 3.00 p.m. and from 3.00 p.m. to 11.00 p.m. for the vehicle drivers without issuing notice under Section 9-A of the Industrial Disputes Act, 1947 read with Rule 34 of the Industrial Disputes (Central) Rules, 1957 is legal and justified? If not, what relief can be granted to the workmen?”

This was received by this Tribunal in October, 1992 and notices were issued to the parties to file statement of claim and written statement. The notice was duly served on the Workmen's Union, but there was no appearance on behalf of the Union, while the management was represented by the learned advocate Mr. Pota. He continued to appear on behalf of the management and there was no appearance on behalf of the Union. Another notice was served on the Union and yet there was no appearance on 12th May, 1993 to which date the matter was adjourned and also no statement of claim was filed on behalf of the Workmen's Union enabling this Tribunal to know the nature of the dispute between the parties.

1268 GI/93—11

As a matter of fact, it is obligatory on the part of the Union under the Rules Framed under the Industrial Disputes Act, 1947 to file the statement of claim. Relevant Rule is Rule 10-B. Not only statement of claim complete to be filed, but with relevant documents, list of reliance and witnesses has to be filed. This has not been done and therefore it is not possible for this Tribunal, particularly in the absence of any representative of the workmen being available before this Tribunal for questioning. The obvious answer to the reference is that it has not been sure whether the action of the Management of Hindustan Petroleum Corporation Limited, Vasco Terminal, Vasco Da Gama—Goa in introducing one shift from 7.00 a.m. to 3.00 p.m. in place of two shifts, i.e. from 7.00 a.m. to 3.00 p.m. and from 3.00 p.m. to 11.00 p.m. for the vehicle drivers without giving notice under Section 9A of the Industrial Disputes Act, 1947 read with Rule 34 of the Industrial Disputes (Central) Rules, 1957 was illegal and unjustified, that being the position.

Award accordingly.

R. G. SINGHAKAR, Presiding Officer.

नई दिल्ली, 7 जून, 1993

का.प्र. 1365—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार इण्डियन एयर लाईन्स, पटना के प्रबंधन के संबंध निरीक्षणों और उनके कार्यों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिनियम, नं. 2, धनबाद के पत्रपत्र को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 25-5-93 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-11012/17/89-आई आर (विधि)]

[संख्या एल-11012/5/90- आई आर (विधि)]

[एन-11012/25/90-आई आर (विधि)]

बी. एम. डेविड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 7th June, 1993

S.O. 1365.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 2 Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Indian Airlines, Patna and their workmen, which was received by the Central Government on 25th May 1993.

[No. I-11012/17/89-IR(Misc.)]

I-11012/5/90-IR(Misc.)

I-11012/25/90-IR(Misc.)]

B. M. DAVID, Desk Officer

## ANNEXURE

## BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

## PRESENT :

Shri B. Ram,  
Presiding Officer.

In the matter of industrial disputes under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947.

Reference No. 12 of 1990

## PARTIES :

Employers in relation to the management of Indian Airlines, Patna and their workman Shri Mahesh Prasad Gupta.

(Ministry's Order No. L-11012/17/89-I.R. (Misc) dt. 25-4-90).

Reference No. 17 of 1990

## PARTIES :

Employers in relation to the management of Indian Airlines, Patna and their workman Shri Chandrika Prasad

(Ministry's Order No. L-11012/5/90-I.R. (Misc) dt. July, 1990).

Reference No. 31 of 1991

## PARTIES :

Employers in relation to the management of Indian Airlines, Patna and their workman Shri Naresh Kumar.

(Ministry's Order No. L-11012/25/90-I.R. (Misc) dt 27th December, 1990).

## APPEARANCES :

On behalf of the workman.—Shri D. K. Jha, Advocate.

On behalf of the employers.—Shri R. S. Murthy, Advocate.

STATE : Bihar INDUSTRY : Airlines

Dated, Dhanbad, the 17th May, 1993

## AWARD

The Government of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following disputes to this Tribunal for adjudication vide their orders referred to above.

## THE SCHEDULE OF REF. NO. 12 OF 1990

"Whether the action of the management of Airlines, Patna in terminating the services of Shri Mahesh Prasad Gupta, ex-Casual

Loader w.e.f. 28-3-89 is justified. If not, what relief is the workman entitled to?"

## THE SCHEDULE OF REFERENCE NO. 17 OF 1990

"Whether the action of the management of Indian Airlines, Patna in terminating the services of Shri Chandrika Prasad, Casual Loader w.e.f. 4-5-89 is justified. If not, what relief is the workman entitled to?"

## THE SCHEDULE OF REFERENCE NO. 31 OF 1991

"Whether the action of the management of Indian Airlines, Patna in terminating the services of Shri Naresh Kumar, Casual Loader w.e.f. 1-3-87 is justified. If not, what relief is he entitled to?"

2. All the three references named above were heard analogous and are disposed off by a common award. It was the common case of all the three concerned workmen that they were under the employment of the management of Indian Airlines as casual labour. They worked for several years completing more than 240 days in a calendar year. But suddenly they were stopped without any notice or notice pay. They were appointed orally with the assurance that appointment letters will be given in due course but lastly no such letters were issued. The management issued temporary permit in proof of employment but did not regularise the services inspite of the fact that the concerned workmen rendered the services for years together. The management while terminating the services of the concerned workmen did not follow the procedure laid down under Section 25G of the I.D. Act and the services of the junior hands namely Jagdevan Singh, Rabindra Mandal, Rajendra Kumar and others were retained. The management also failed to follow the rule 77 of the Industrial Disputes (Central) Rules, 1957 under which it was obligatory on the part of the management to maintain seniority list of the workmen in respect of category and to display the same on the notice board for employment of retrenched workmen. The stoppage of the work of the concerned workmen is retrenchment which is illegal, bad in law for the management failed to issue one months notice, notice pay and retrenchment compensation which are condition precedent to be followed under the provision of Section 25F of the I.D. Act. The workmen are thus entitled for their reinstatement with full back wages.

3. The management filed W.S. separately in all three references and the common grounds taken are as follows :—

It was stated that the alleged dispute is not an industrial dispute within the meaning of Section 2(k)



of the I. D. Act. The casual workmen got work temporarily in absence of the regular employees and they do not have any guaranteed right of employment. The names of the casual workmen are not entered in the muster roll.

The employers corporation operates flight to and from Patna Airport but it is not possible to adhere strict time schedule for its operation depends upon so many factor diversified to nature. At several times the variation takes place in arrival and departure of the aircrafts due to faulty weather and temperature. It affects the total activity of work at the airport. The work load increases in case of clashing of flights.

Loading/off loading and cleaning of aircraft is the job of regular nature but it loses its character as such due to aforesaid various compelling circumstances. The corporation has got permanent manpower who are in the roll for the purpose of loading/off loading and also for cleaning aircraft but it has to be engaged part time/daily rated/casuals/badliet for the reasons stated above and also on account of leave replacement. Such engagements are made for specified period which is also within the knowledge of the persons so engaged. Thus the concerned workmen were engaged intermittently depending upon the requirement of the work which were of specific nature and for specific period. Therefore the concerned workmen cannot claim employment as a matter of right employment. It was also stated that no concerned workman ever completed 240 days attendance in any preceding 12 calendar months.

It was stated that the employer corporation is a statutory corporation established under Section 3 of the Air Corporation Act, 1953 (being Act No. 27 of 1953). Under Section 7 of the Act the principal function of the corporation has been noted which amongst others is to provide safe, efficient, adequate, economically and properly coordinated air transport services to the best advantage of the people. Again Section 45 (clause-2) (b) provides that the employers corporation may make regulation relating to the terms and condition of the officers and other employees of the corporation.

The employer corporation after having obtained necessary permission from the Central Government framed three sets of service regulation. Further as per regulation 4, employers framed the Indian Airlines Recruitment and Promotion Rules. Rule 19 of the recruitment has been set out in para-10 of the W.S. giving out the necessary qualification plus the procedure for appointment.

4. Apart from the common grounds taken by the concerned workmen their individual cases may be stated as follows plus the reply submitted by the management.

#### Reference No. 17/90

Shri Chandrika Prasad is the concerned workman who stated to have joined the services in Indian Airlines at Patna, Eastern Region in the year 1980 as Canteen Boy to run the canteen in the office of the Indian Airlines, Patna City. He served as canteen boy from 1982 to 1983. In the month of June, 1983 he was orally appointed as loader in the office of the Indian Airlines, South Gandhi Maidan, Patna where he served till 1985. Thereafter he was transferred to Patna Airport where he served till 3-5-89. He was terminated with effect from 4-5-89. He was issued temporary permit (Ext. W-2 to W-2,2). But the management did not care to regularise his services. He was also issued curfew pass (Ext. W-3).

The workmen claim that he was issued interview letter to appear in the interview to be held at Calcutta (Ext. W-4). He appeared at the interview on 15-10-86 but his case was ignored and one Shri Murlidhar Pandey junior to him was selected and hence such discrimination. He claimed to have served the department for more than 8 years in continuous service.

The workmen alleged that he was paid less through cash voucher although he worked for full time. The details of which find mention in para-13 of the W.S. The workmen immediately after his stoppage took up the matter with the Station Manager, Indian Airlines, Patna but it was of no use. Lastly an industrial dispute was raised which ended in failure giving rise to the present reference.

The management while giving reply to the W.S. of Shri Chandrika Prasad stated that he was never issued with any appointment letter and as such there was no question of termination of his services. It was denied that he joined as Canteen boy and worked as such till 1983. He was never appointed orally or in writing as canteen boy or in any other capacity. It was denied that in June, 1983 he was appointed as loader in the office of the employer corporation at South Gandhi Maidan. However, it was admitted that the concerned workman was engaged on casual/daily rated/part time basis intermittently during the year 1986, 1987, 1988 and 1989.

It was stated that issuance of temporary permits and curfew pass was no evidence that the concerned workman was an employee of the corporation. The concerned workman and others were interviewed on 15-10-86 for the post of loader. Since the concerned workman was not successful in the interview and so he was not empanelled whereas Shri Murlidhar Pandey succeeded. It was wrong to suggest that any discrimination was made in selecting Shri Pandey. It was further stated that the concerned workman worked

intermittently as casual against short fall in the permanent strength arising out of absenteeism/leave or in the event of occasional increase of work load. But by reason of such engagement as casual he cannot have any guaranteed right of employment.

It was denied that the concerned workman put more than 8 years of continuous service and that he worked for more than 300 days in different years. Actually he was engaged on part time basis and he was paid accordingly. He was not on the roll of the employer and so there was no question of any retrenchment. Since it was not a case of retrenchment the employer corporation was not obliged to follow the procedure under Section 25G of the I.D. Act.

#### Reference No. 12 of 1990

Shri Mahesh Prasad Gupta is the concerned workman who was stated to have been terminated with effect from 28-3-89. He stated to have joined the Indian Airlines in December, 1979 as loader. The management did not issue any appointment letter but issued permits. The workman applied for regularisation on 14-7-80 against the vacant post but it was of no use.

It was the case of the workmen that the management in order to create artificial breakage in continuity of service got the name of the concerned workman changed. The workmen protested but he was threatened of losing job.

The workmen appeared in the interview on 4-9-86 and on the basis thereof he was appointed as full time worker but the management did not issue any appointment letter. In this way he continued to work from 1979 to 1989, when his services were terminated on 28-3-89. He asserted that he rendered 10 years of continuous service. The details of the days employed by him are noted in para-17 of the W.S. and it exceeds more than 300 days in each year.

The concerned workman claims to have got full time wages till 1983 but the management without any reason started paying at the rate of Rs. 15/- per day from 1984 which is applicable to part time worker. But the management did not issue any notice or notice pay although the concerned workman claimed to have worked for more than 240 days in a calendar year. The workman had taken up the matter with the Station Manager but it was of no use.

Almost the similar objection have been taken in case of Chandrika Prasad by the management. No appointment letter was issued and so there was no question of termination. It was denied that Shri Gupta joined the services of I.A. in December, 1979. It was denied that he was appointed any time orally and he was given assurance that he will be issued

appointment letter later on. Regarding the temporary permits it was stated that the same was issued as a security measure that does not qualify the claim of the concerned workman.

In para-6 of the W.S. the concerned workman claimed that the management failed to regularise him. In reply of this para the management submitted that the claim for regularisation cannot come under the purview of the I.D. Act. Unless the same is espoused or sponsored by a union or by a appreciable number of workmen. It is denied that the management changed the name of the concerned workman as Suresh to create artificial breakage in his continuity of service. In the circumstances there was no question of holding out any threat to him. The concerned workman was interviewed but he failed. It was denied that on the basis of any interview in September, 1986 he was appointed on full time basis. The management denied that the concerned workman had put in 10 years of continuous service.

The management further stated that since the concerned workman did not complete 240 days attendance and so there was no question of compliance of provision of Section 25 of the I.D. Act. Since there was no question of any retrenchment and so the management was not to follow the procedure as laid down. Under Section 250 of the I.D. Act.

#### Reference No. 31 of 1991

Shri Naresh Kumar the concerned workman claims to have joined the service in Indian Airlines Patna on 12-2-80 as casual loader. He had an occasion to serve the engineering section in the same capacity. The workman continued to serve as casual loader right from 1982 to 1987 but he was not regularised. He also claimed to have issued temporary permits and was forced to work in different names. He was orally informed by one of the official namely Shri Rajni Kant Shroff that new lands would be engaged who will also be attending the private work of the officers and therefore he was stopped from 1-3-87. He was also paid less wages although he claims to have worked for full time.

The workman after stoppage had represented his case before the Station Manager but without any result. He had sent his representation to the Hon'ble President of India and the Hon'ble Prime Minister of India and even then he was not reinstated but the management informed through a letter dt. 2-8-88 that his case would be considered with others as and when the vacancies of loader will arise at Patna. He was also advised to get his name enrolled in the employment exchange which he did vide registration No. OSB-4959/87. He also represented his case to

the Calcutta but all proved fruitless. Like other concerned workman he also stated that after his stoppage some new hands all junior to him were retained by the management. The management also appointed a number of fresh hands but he was not given any preference. New names of the fresh hands have been noted in para-27 of the W.S.

The management claimed that Shri Nareish Kumar the concerned workman was never issued any appointment letter and so there was no question of his termination. It is denied that he joined the services of employee corporation at Patna or at any other place in December, 1980 as casual loader. The story of artificial breakage was also denied. It was denied that Shri Rajni Kant Shroff had ever informed the concerned workman that new hands would be engaged who would also be attending the private work of the officers. In this way the management has completely denied the stands taken by the concerned workman.

7. The question for consideration is as to whether the action of the management in terminating the services of the concerned workmen as casual loader and ex-casual loader with effect from the dates noted in the reference was justified? In other words whether the concerned workmen are entitled for their reinstatement and regularisation.

8. All the concerned workmen claimed to have joined the services of Indian Airlines at Patna on different dates as mentioned in the W.S. But admittedly they were not issued any appointment letters rather they were issued permits. It is stated by the management that such permits are issued by way of security measure. Nobody is allowed to enter the airport area without valid permit and since the concerned workmen were working as casual they could not have entered the premises without any permits. Thus the permits produced by the concerned workman do not show that they worked for the entire period. It was issued by the Civil Aviation Department and not by the management. Further the validity period does not show that the workmen are required to work everyday. It does not bear the signature of the holder. These permits have been marked exhibits in all the references. Shri M. P. Gupta admitted in his evidence that permanent loaders are issued permanent cards but the casual loaders are issued temporary permits. In this way we find that these temporary permits in no way go to establish that the concerned workmen were regular employees of the corporation. However, this much is admitted that they worked intermittently as casual against short fall in permanent strength arising out of absenteeism, leave or in the event of occasional increase of the

work loader. In other words they had been working as casuals. It is not denied rather admitted that they had been working as casual for the years together. Definitely there is dispute regarding the days employed by the concerned workmen in a year.

9. First of all will take up the case of Chandrika Prasad in Ref. No. 17/90. He was issued curfew pass Ext. W-3. That was issued allowing him to move in the curfew bound area nothing more beyond that. He has stated that in the year 1986 he had filed an application before the authority for his regularisation. He was also called for interview (Ext. W-4) but his case was ignored and one Murlidhar Pandey junior to him was regularised Ext. W-4 dt. 2-10-86 is the photo copy of the interview letter for the post of loader which was issued to the concerned workman in pursuance of his application. It nowhere speaks for regularisation of any post. However, the copy of the application which the concerned workman had filed here to substantiate the fact that he had ever applied for his regularisation. Since it was an interview letter for a particular post only the suitable candidates were expected to have been selected. That was sent for open competition and election of any junior was nothing very surprising. There was nothing to show that any favour was shown to Shri Murlidhar Pandey. Apart from that it was a letter of interview and there was no question of regularisation on the basis of any interview letter.

10. Shri Chandrika Prasad stated to have noted his own attendance and prepared sheets month and yearwise. Those attendance sheets have been marked Ext. W-5 to W-5/2. These attendance sheets will show that concerned workman had worked for more than 300 days in the year 1986, 1987 and 1988. But the question is as to how these papers can be relied upon. It was the paper prepared onesided by the concerned workman and it does not bear the signature of any airport authority. Admittedly, it was prepared in one sitting by the concerned workmen in the year 1989. This does not find any reference in the W. S. of the concerned workman. In cross examination he claimed to have possessed the papers showing that he worked as canteen boy in Patna city branch office but no such document has been filed inspite of the fact that this status of the concerned workman was challenged by the management throwing suggestion to him. Ext. W-7 to W-7/6 are engagement particulars showing that the concerned workman was engaged as Night Guard for few days in the year 1988 in place of Rajeshwar Prasad, the Security Guard and R. Prasad, Night Guard. In April, 1984 he worked as loader for about 6 days when permanent loaders

proceeded on leave. his position is not disputed rather it is the consistent case of the management that the concerned workman were engaged in leave and sick vacancy of permanent loaders. Ext. W-8 is the letter addressed to the ALC(C) Patna raising industrial dispute and Ext. W-9 is the failure report.

11. The concerned workman has proved engagement book of the Indian Airlines for the year 1985, 1986 and 1987 in which the attendance of the casual loaders were marked. The names of the concerned workman appear in this engagement book. However, the management has challenged the genuineness of such engagement book. It was stated that they have been manufactured for the purpose of this case. According to the management and MW-1 the attendance of the casual loaders were marked on plain paper, loose papers and the same were destroyed after vouchers were prepared. But this assertion of the management *prima facie* does not appear to me very convincing. It be noted that the concerned workman are working at the airport for the past several years as casual loaders. Definitely it is not the affairs of few days. Absentism and increase of work load are permanent features of the management which will always require engagement of casual loaders. Actually this goes to establish the nature and character of the job. Continuity of work for years determine its nature as to whether it is permanent or temporary. Definitely the work discharged by the casual loaders is of perennial nature. Even the work can be done for years together. Then one cannot conceive of Idea that the attendance and hours of work of the workman will be noted on loose papers only to be misplaced or destroyed after preparation of vouchers. It sounds something as unnatural and unbelievable. Ext. W-6 series on the other hand show the engagement of concerned workman almost everyday in the relevant years. The witness (WW-1) stated that these registers bear the signature of Shri R. Prasad the Station Manager. Admittedly, Shri R. Prasad was the Station Manager during the relevant period. The signature of some airport authority appears at certain places under Ext. W-6 According to the witness it was signed by Shri Prasad Station Manager. I find that the management did not challenge this fact even by suggestion to the witness that the signature did not belong to Shri Prasad. I have carefully perused the signature of Shri R. Prasad appearing on his deposition in Ref. 12/90 and 17/90 and I compared the same with the naked eyes the signature under Ext. W-6. I found that both the signatures were of the one and the same man. In the circumstances I am constrained to hold that these concerned workmen have been working as casual loaders almost regularly during the year 1985, 1986

and 1987 and they all seemed to have completed 240 days in a calendar year. In cross-examination it was suggested to the witness that the attendance sheet prepared by him (Ext. W-5) series and the attendance shown under Ext. W-6 series do not tally. However, the suggestion has been denied. For example I have counted the attendance of Shri Chandrika Prasad for the month of February 1986 as noted in Ext. W-6 which comes to 87 days. The same days of attendance has been noted under Ext. W-5. Anyway I have already disbelieved Ext. W-5 series for it was one sided affair without any signature of airport authority.

12. The witness stated that he was paid less amount by the management but we have no document to support this fact. The witness never complained to any authority in writing. In para-21 of the W.S. it is stated that the concerned workman was stopped while junior hands namely Jagdevan Singh, Rabindra Mandal, Murlidhar Pandey and others were retained. We have no paper to show that they were junior to Shri Chandrika Prasad and so it cannot be said that there was any violation of Section 25G of the I. D. Act.

13. The evidence of Shri K. Prasad, Station Manager, Indian Airlines, Patna and Shri Ramesh Chandra Kundu have been recorded as MW-1 and MW-2 respectively in Ref. 12/90. Since all the references are of identical nature, the evidence of MW-1 and MW-2 as recorded in Ref. 12/90 have been ordered to be read also in Ref. 17/90 and 31/90.

14. Shri Mahesh Pd. Gupta in Ref. 12/90 has stated his claims in chief examination. He stated to have applied for his regularisation in 1980 (Ext. W-2) but in cross-examination he had admitted that it was an application seeking job of loader in Indian Airlines. He has filed attendance sheet prepared by him Ext. W-5 series but this being one sided affair cannot be relied upon. He does not possess any paper to show that he had been working since 1979. He does not have any paper to show that he worked in Booking office Patna. He stated to have been engaged in different names but he never complained to any authority. He stated that some casual loaders were employed after his stoppage but he cannot name any such person. However, the management has denied this fact. He was getting wages as per the hours of work done by him. Similar is the statement made by Shri Naresh Kumar, who has denied to have been paid half wages when he worked for the whole day. In the circumstances there can be no reason as to why the management will be paying half wages to Shri Chandrika Prasad when he was working for the full day. However, the witness is ready to serve as casual loader ever today.

15. Shri Naresh Kumar was stated to have been stopped by Shri Shroff after his 8 years of service. He has prepared a chart for the days employed by him in different years (Ext. W-2). But the same cannot be believed for it is not an authenticated document. The letter received from the Hon'ble President Secretariat and Hon'ble Prime Minister's Secretariat have been marked Ext. W-3 and W-3|1 respectively. Several letters written to the authority by the father of the concerned workman has been marked Ext. W-5 series. Ext. W-4 is the letter received from the management but that does not give any assurance that the concerned workman Shri Naresh Kumar will get employment in due course. However, after going through Ext. M-4 series the witness admitted that he was getting his wages through voucher which also contains the number of days employed by a workman. The concerned workman did not complain any authority in writing about his less payment if any or the threat held out by Shri Shroff. Ext. W-7 is the employment notice inviting application from the candidates for the post of Loader. The concerned workman admittedly did not apply for the post as per conditions and terms laid down thereon. The vacancy has also been noted at the foot of the notice. Shri R. Prasad, Station Manager has stated that the concerned workmen were casual loaders and they were employed as and when required. I think Ext. W-6 series is the complete answer to this statement made by the witness wherein all the concerned workmen were shown to have worked for a considerable period during the year 1985 to 1987 completing 240 days in a calendar year. The witness has proved Ext. M-4 series. He has denied that the concerned workmen were engaged in different names to deprive them of their rightful claim. There is no evidence that new casual loaders were engaged after stoppage of the concerned workmen. However, the management has denied that the concerned workmen were stopped by the management. It was the case of the management that the concerned workmen were at liberty to come and work as casual loader as before. MW-2 is Shri Ramesh Chandra Kundu is the formal witness and his evidence does not appear to be very important for this reference. He stated that the management does not possess vouchers prior to 1986. They have been either sold or destroyed. According to him petty cash vouchers are retained for 5 years as per rules.

16. I find that a few other documents have also been filed by the management. The recruitment and promotion rule of the Indian Airlines is Ext. M-1. Photo copy of the internal circular issued by Sr. Dy. Finance Manager, dt. 5-7-84 is Ext. M-6. Standing order concerning discipline and appeal of the Indian Airlines is Ext. M-2. Indian Airlines service regulations is Ext. M-3. Photo copies of the vouchers are Ext. M-4 series. The written submission of the management

of the Indian Airlines showing details of the engagement of Shri Naresh Kumar from February, 1985 to February, 1987 is Ext. M-5. M-10 is the attendance register of Airport Staff including loaders.

17. The concerned workmen have prayed for their reinstatement with full back wages and also for their regularisation. They claim to have been stopped at different dates by the management without any notice or notice pay. It is now settled law that stoppage amounts termination which is retrenchment within the meaning of Section 2(oo) of the I. D. Act. I have already held that the concerned workmen have complied with under Section 25F of the I. D. Act. they were in continuous service as defined under Section 25B of the I. D. Act. Admittedly there was no notice or notice pay or the compensation before stoppage which are mandatory provision to be complied with under Section 25F of the I. D. Act. The learned counsel urged that retrenchment in non-compliance of Section 25F was bad in and the concerned workmen will be deemed to have been in continuity service and are entitled for reinstatement. Again there was a question of full time| part time worker. It was contended that when a workman work for years together continuously under an employer the procedure under Section 25F must be followed. However, it was canvassed seriously that these workmen never worked continuously. The management urged that they were seasonal worker and were paid as per the hours of work done by them. I think this sort of distinction between full time and part time appear to me quite immaterial. Even as part time worker they doing the job of loading and off loading at the airport which was permanent in nature. The definition of permanent workmen did not require that such workmen should be employed throughout the year. What is necessary is that the work on which he is engaged should be of permanent nature and lasts throughout the year. Reliance can be placed upon a judgement reported in SCLJ Vol. 5 Page 3474. But the whole question was that the management has stated that they never stopped the concerned workman and they suo moto stopped coming to the airport. As per evidence of Shri R. Pd the management is ready to take the concerned workmen back to employment as casual loaders as they had been doing before.

18. The workmen have prayed for their regularisation through W. S. But the references do not speak so. The learned counsel for the management relied upon the authority reported in SCLJ Vol. 4 at page 2307. Their Lordships held as follows :—

“The Tribunal must confine its adjudication to the points of dispute referred and matters incidental thereto. In other words, the Tribunal is not free to enlarge the dispute

referred to it but must confine its attention to the points specifically mentioned and anything which is incidental thereto."

19. I think the word "incidental" has got its wider connotation and it will include regularisation. The learned counsel for the management further contended that a casual loader can have no guaranteed right of employment. As regards the regularisation the Court cannot give blanket direction of regularisation of services without due care and caution. Reliance was placed upon a judgement reported in AIR 1992 Supreme Court at page 2130. That was a case in which the Hon'ble High Court of Punjab and Haryana directed wholesome regularisation of the persons who had completed one year of service. The Hon'ble Supreme Court held that the High Courts acted hastily and the direction was held to be unsustainable. It was held that the direction was given for regularisation without considering the fact whether there was any vacancy. This means in case of no vacancy it has to be created. Further, the employers were not sponsored from the Employment Exchange which means entrance from the backdoor. The Hon'ble Court did not consider as to whether the candidates were eligible or qualified for the post at the time of appointment. Again whether their service records was satisfactory or not. All these things were not taken into account and blanket direction was given for regularisation. However, in the instant case we find that the circumstances are quite different. In the present case actually there was nothing to show that any vacancy was existing or not. It is also true that the names were not sponsored from the Employment Exchange but definitely they were interviewed for the post of loader but they were not selected. I do not see what sort of qualification is needed for the loader? The concerned workmen have been discharging their duties of loading and off loading to the best

satisfaction of the management because the management never complained or no complaint was registered for any unsatisfactory work of the concerned workmen. I further find that for the post of loader no special qualification is needed. They have been doing as loader for the last several years say about 8 years and by now they were expected to have been attained proficiency in their work. By the same judgement as reported in AIR 1992 the Hon'ble Supreme Court held that the State should not exploit its employees nor should it take advantage of the helplessness and misery of either the employed persons or the employees as the case may be. As is often said the state must be model employer. It is for this reason it is held that the person should not be kept in temporary or ad hoc status for long. Where temporary appointments is continued for long the Court presumes that there is need and warrant for regular post and accordingly directs regularisation.

20. In view of the authority cited above it can be very well said that the concerned workmen have been working as casual loaders for several years completing 240 days in a calendar year but definitely as said above we have no paper to show that any vacancy is in existence or not. For the reasons stated above I am of the view that the action of the management of the Indian Airlines Patna in terminating the services of the concerned workmen as casual loaders was not justified. The management is directed to reinstate them as casual loaders within 2 months from the date of publication of the Award. But in the circumstances of the case there will be no order of back wages. The management is further directed to regularise the service of the concerned workmen if and when the vacancy occurs after the date of this Award.

B. RAM, Presiding Officer